नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 161 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

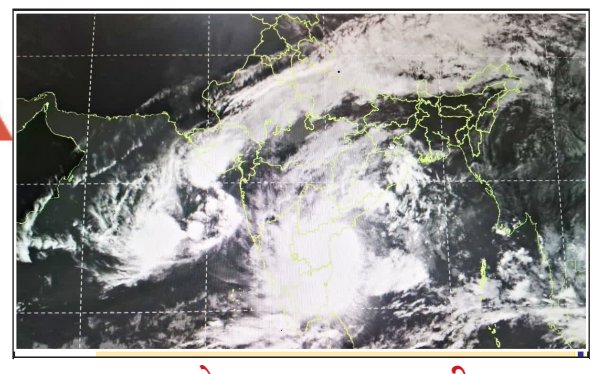

समुद्र तट से टकराएगा चक्रवाती तूफा

स्वर्णरेखा नदी में डूबे तीनों श्रद्धालुओं के शव बरामद

सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। छठ पूजा के दौरान सोमवार शाम चांडिल के शहरबेड़ा छठ घाट पर बड़ा हादसा हो गया। पूजा के दौरान स्वर्णरेखा नदी में नहाने उतरे एक ही परिवार के तीन सदस्य तेज धारा में बह गए। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय गोताखोरों और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम ने मंगलवार शाम तक तीनों के शव बरामद कर लिए। मृतकों की पहचान संजय यादव (42), प्रतीक यादव (19) और आर्यन यादव (13) के रूप में हुई है। तीनों आदित्यपुर और डिमना क्षेत्र के निवासी थे। सोमवार को आर्यन का शव बरामद कर लिया गया था, जबकि संजय और प्रतीक

की तलाश मंगलवार सुबह तक जारी रही। नदी की तेज धारा और गहराई के कारण बचाव कार्य में काफी कठिनाइयां आईं, लेकिन कई घंटों की मशक्कत के बाद दोनों शवों को भी निकाल लिया गया। ***प्रशासन मौके पर मौजूद*** चांडिल एसडीओ विकास राय, थाना प्रभारी दिलशान बिरुआ सहित प्रशासनिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान की निगरानी की। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ***सरक्षा व्यवस्था की समीक्षा*** इस हादसे के बाद जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशासन ने सभी छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। एसडीओ ने कहा कि भविष्य में केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा उस समय हुआ जब परिवार के तीन सदस्य नदी में स्नान के लिए उतरे थे और गहरे पानी में चले जाने से डूब गए। घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

घाटशिला उपचुनाव: कांग्रेस ने बनाई 43 सदस्यीय चुनाव प्रचार समिति, सभी मंत्री-विधायक शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनावी तैयारी तेज कर दी है। दिवंगत शिक्षा मंत्री एवं झामुमो विधायक रामदास सोरेन के निधन से रिक्त हुई इस सीट पर झामुमो ने उनके पुत्र सौमेश सोरेन को उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन मैदान में हैं। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सौमेश सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को 43 सदस्यीय इलेक्शन कैम्पेन कमेटी का गठन किया है। इस समिति में कांग्रेस कोटे के सभी मंत्री, विधायक, पूर्व अध्यक्ष, सांसद और वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है। इन प्रमुख नेताओं को मिली जिम्मेदारी कमेटी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश

कच्छप, पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रदीप बलमुचू, पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर उरांव, सांसद सुखदेव भगत, डॉ. अजय कुमार, राजेश ठाकुर, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, डॉ. इरफान अंसारी, बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, बन्ना गुप्ता, अशोक चौधरी, राजेश सिन्हा सन्नी, प्रिंस सिंह, खगन चंद्र महतो, जेबा खान, आलोक दुबे, ज्योति सिंह मथारू, डॉ. एम. तौसीफ, बादल पत्रलेख सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने कहा कि पार्टी एकजुट होकर घाटशिला उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सौमेश सोरेन की जीत सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता बूथ स्तर तक मजबूती से प्रचार अभियान चलाएंगे और भाजपा की विभाजनकारी नीतियों का जवाब जनता के बीच दिया जाएगा।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में भाई-बहन की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कमलकेडिया गांव में सोमवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक दंपती गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एमएमसीएच) भेजा गया है। मृतकों की पहचान हेमंत कुमार, निवासी कुराइन पतरा पंचायत के सोंस गांव, और उनकी बहन सत्यवती देवी, निवासी निमिया (मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र) के रूप में हुई है। दोनों भाई-बहन छठ के अवसर पर एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार तरहसी निवासी लाडले हसन और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही लेस्लीगंज थाना

प्रभारी उत्तम कुमार राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। छठ की खुशियां मातम में बदल गईं। बताया जाता है कि हादसे के समय पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ बिट्टू भी उसी रास्ते से गुजर रहे थे। उन्होंने मौके पर रुककर घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजने में मदद की।

महागठबंधन का हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी का वादा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजद और कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने मंगलवार को अपना घोषणा पत्र 'बिहार का तेजस्वी प्रण' जारी किया। इसमें सत्ता में आने के 20 दिनों के भीतर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का कानून पारित करने का वादा किया गया है। घोषणा पत्र के अनुसार, 'माई-बहिन मान योजना' के तहत राज्य की महिलाओं को आगामी 1 दिसंबर से अगले पाँच वर्षों तक 2500 प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। महागठबंधन ने पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की भी घोषणा की है। कांग्रेस ने पहले हिमाचल प्रदेश में अपनी सरकार बनते ही इसे बहाल किया था और हरियाणा चुनाव के अपने घोषणा पत्र में भी इसे शामिल किया था। घोषणा पत्र में कहा गया है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को रोका जाएगा और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को "कल्याणकारी और पारदर्शी" बनाया जाएगा। साथ ही बोधगया स्थित बौद्ध मंदिरों के प्रबंधन का अधिकार बौद्ध समुदाय को सौंपने की घोषणा भी की गई है। महागठबंधन ने अति पिछड़ा वर्गों के लिए पंचायत और नगर निकायों में आरक्षण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत, तथा अनुसूचित जातियों के लिए 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का वादा किया है। अनुसूचित जनजातियों के लिए भी आनुपातिक रूप से आरक्षण बढ़ाने की बात कही गई है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। किसानों से सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की गारंटी दी जाएगी, मंडी और बाजार समिति को पुनर्जीवित किया जाएगा तथा एपीएमसी एक्ट फिर से लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में महागठबंधन ने वादा किया है कि हर व्यक्ति को 25 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा 'जन स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के तहत दिया जाएगा। इस अवसर पर राजद नेता और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, वीआइपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, और भाकपा (माले) के नेता दीपांकर भट्टाचार्य उपस्थित थे।

संथाल परगना को किसी के कब्जे में नहीं जाने देंगे : चंपाई सोरेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक चंपाई सोरेन ने चाईबासा में ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज की घटना को लेकर हेमंत सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने इस घटना को आदिवासी विरोधी और दमनकारी कार्रवाई करार देते हुए बुधवार को कोल्हान बंद का आह्वान किया है। जमशेदपुर में मीडिया से बातचीत के बाद चंपाई सोरेन का काफिला चाईबासा की ओर रवाना हुआ, लेकिन प्रशासन ने उन्हें कुज्जू सीमा पर रोक दिया। वहां उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर वर्तमान हालात पर चिंता जताई और कहा, "जब भी हमारे अधिकारों पर हमला होगा, हम सड़कों पर उतरकर उसका जवाब देंगे। यह संघर्ष हमारी अस्मिता का है।" उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लगातार आदिवासियों और मूलवासियों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। चंपाई ने कहा कि पहले भोगनाडीह में वीर सिदो-कान्हू के वंशजों पर लाठीचार्ज, फिर गोड्डा में सूर्या हांसदा का कथित फर्जी एनकाउंटर, नगड़ी में जमीन बचाने वाले किसानों पर कार्रवाई, और अब चाईबासा की घटना — यह सब दिखाता है कि सरकार ने आदिवासियों को सबसे आसान निशाना बना लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण केवल दिन में भारी वाहनों पर नो एंट्री की मांग कर रहे थे ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके, लेकिन सरकार ने उनकी आवाज़ दबाने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। उन्होंने सवाल उठाया, "जिन 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वे कहां हैं? कहीं पुलिस उनका भी एनकाउंटर न कर दे।" उन्होंने चाईबासा में संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने के मामले का भी जिक्र करते हुए कहा कि "सरकार ने बच्चों का जीवन बर्बाद कर दिया और उस अपराध की कीमत मात्र दो लाख रुपये तय की, जबकि अधिकांश पीड़ित आदिवासी समुदाय से हैं।"

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : पहले चरण में 32 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले, 40 प्रतिशत हैं करोड़पति

एडीआर और बिहार इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि पर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वॉच ने जो रिपोर्ट जारी की है, उसने राज्य की चुनावी राजनीति का एक जटिल और चिंताजनक चित्र सामने रखा है। इस रिपोर्ट के अनुसार पहले चरण में चुनाव लड़ रहे कुल 1314 में से 1303 उम्मीदवारों के शपथ-पत्रों का विश्लेषण किया गया है। ये उम्मीदवार 121 विधानसभा क्षेत्रों से मैदान में हैं। रिपोर्ट में सामने आया है कि 1303 उम्मीदवारों में से 423 यानी 32 प्रतिशत ने अपने ऊपर आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी दी है। इनमें से 354 उम्मीदवार ऐसे हैं जिन पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या से संबंधित मामले घोषित करने वाले उम्मीदवारों की संख्या 33 है, जबकि हत्या के प्रयास से जुड़े मामले घोषित करने वाले 86 हैं। इसके अलावा 42 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार से जुड़े मामलों की जानकारी दी है और दो उम्मीदवारों ने बलात्कार से संबंधित मामले घोषित किए हैं। दलवार विश्लेषण में सबसे चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट बताती है कि जनसुराज पार्टी के 114 में से 50 उम्मीदवारों (44 प्रतिशत), बहुजन समाज पार्टी के 89 में से 18 (20 प्रतिशत), राष्ट्रीय जनता दल के 70 में से 53 (76 प्रतिशत), जनता दल यूनाइटेड के 57 में से 22 (39 प्रतिशत), भारतीय जनता पार्टी के 48 में से 31 (65 प्रतिशत), आम आदमी पार्टी के 44 में से 12 (27 प्रतिशत), कांग्रेस के 23 में से 15 (65 प्रतिशत), सीपीआई (एमएल) के 14 में से 13 (93 प्रतिशत), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 13 में से 7 (54 प्रतिशत), सीपीआई के 5 में से सभी 5 (100 प्रतिशत) और सीपीआई (एम) के 5 में से भी सभी 5 (100 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। अगर केवल गंभीर आपराधिक मामलों की बात करें तो भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। जनसुराज पार्टी के 49, आरजेडी के 42, बीजेपी के 27, कांग्रेस के 12, सीपीआई (एमएल) के 9 और जदयू के 15 उम्मीदवार ऐसे हैं जिन पर हत्या, हत्या के प्रयास, या महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। वाम दलों की स्थिति और भी गंभीर है — सीपीआई और सीपीआई (एम) के सभी उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर मामलों की जानकारी दी है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि पहले चरण में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में धनबल का भी जबरदस्त प्रभाव देखने को मिला है। 1303 उम्मीदवारों में से 519 यानी 40 प्रतिशत करोड़पति हैं, जबकि सभी उम्मीदवारों की औसत घोषित संपत्ति 3.26 करोड़ रुपये है। यानी बिहार की राजनीति में आर्थिक संपन्नता भी चुनावी समीकरणों का एक बड़ा घटक बन चुकी है। शैक्षणिक योग्यता के स्तर पर भी तस्वीर मिश्रित दिखाई देती है। कुल उम्मीदवारों में से 519 (40 प्रतिशत) ने अपनी शिक्षा 5वीं से 12वीं के बीच बताई है, जबकि 651 उम्मीदवार (50 प्रतिशत) स्नातक या उससे अधिक शिक्षित हैं। बाकी उम्मीदवार या तो प्राथमिक शिक्षा तक सीमित हैं या उन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा नहीं ली है। वहीं, महिला प्रतिनिधित्व की दृष्टि से भी तस्वीर उत्साहजनक नहीं है। पहले चरण में केवल 9 प्रतिशत महिला उम्मीदवार ही चुनावी मैदान में हैं, जो राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को सीमित अवसर दिए जाने की प्रवृत्ति को उजागर करता है। बिहार इलेक्शन वॉच के निवेदक राजीव कुमार के अनुसार यह विश्लेषण मतदाताओं के लिए एक आईना है, जो बताता है कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के लिए स्वच्छ छवि और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि बिहार की राजनीति में अपराध, धनबल और सीमित महिला भागीदारी जैसी पुरानी चुनौतियां अब भी कायम हैं। पहले चरण के इन आंकड़ों ने यह सवाल एक बार फिर खड़ा कर दिया है कि जब उम्मीदवारों की बड़ी संख्या खुद गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रही हो, तब लोकतंत्र में मतदाता किस आधार पर "साफ और जवाबदेह राजनीति" की उम्मीद कर सकते हैं। बिहार चुनाव 2025 का यह पहला चरण मतदाताओं के विवेक की परीक्षा के साथ-साथ राजनीतिक दलों की जवाबदेही की कसौटी भी बन गया है।

एनडीए जारी करेगा घोषणा पत्र, 30 अक्टूबर को होगा ऐलान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी करने के मामले में महागठबंधन ने बाजी मार ली है। सीटों के शेयरिंग में एनडीए ने भले ही बाजी मारी थी लेकिन अब महागठबंधन की ओर से एकजुटता दिखाते हुए घोषणा पत्र जारी किया गया है। मेनिफेस्टो को 'तेजस्वी प्रण' का नाम दिया गया है. अब जो जानकारी मिल रही है, उसके मुताबिक एनडीए की ओर से 30 अक्टूबर को घोषणा पत्र जारी होगा। हालांकि आधिकारिक रूप से अभी तक इसकी कोई घोषणा नहीं हुई है। एनडीए की ओर से चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और जीतनराम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की ओर से जो जानकारी दी गई है, उसके मुताबिक घोषणा पत्र के लिए तैयारी हो रही है। जल्द ही औपचारिक ऐलान किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सहरसा में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटी, एक की मौत 5 घायल

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के चिड़ैया थाना क्षेत्र में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य बच्चे घायल हो गए। घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मृत बच्चे की पहचान चिड़ैया थाना क्षेत्र निवासी छगुली सादा के 12 वर्षीय पुत्र रामयतन सादा के रूप में हुई है। घायलों में 10 वर्षीय देशराज सादा, 13 वर्षीय किसन सादा, 10 वर्षीय मुसबार कुमार, 6 वर्षीय सूर्यदेव कुमार और 8 वर्षीय लवकुश कुमार शामिल हैं। इनमें से कई बच्चों के हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई हैं। यह हादसा सोमवार को चिरैया और चिकनी टोला के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे गांव के ही एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ट्रैक्टर पर सवार होकर गए थे। वापसी के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे यह दुर्घटना हुई। मृत बच्चे के मामा, सकरपुरा बभनटोली निवासी सिंटू सादा का बीमारी के कारण निधन हो गया था, और भांजा समेत परिवार के सदस्य उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। चिड़ैया थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सड़क हादसे में एक बच्चे की मौत हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

छठ पूजा देखने आए मासूम बच्चे और बुजुर्ग को बाइक सवार ने रौंदा, मौके पर मौत; आरोपी नशे में था धुत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर से छठ पूजा के दिन एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। सिवाई पट्टी थाना क्षेत्र के हरशेर गांव में सोमवार शाम छठ घाट की ओर जा रहे एक मासूम बच्चे और एक बुजुर्ग को तेज रफ्तार बाइक सवार ने कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आरोपी बाइक सवार को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मृतकों की पहचान 10 वर्षीय ऋतिक कुमार (पिता रंजीत सहनी, ग्राम सोढना माधोपुर) और 60 वर्षीय भज्जू प्रसाद (निवासी हरशेर बलुआ) के रूप में हुई है। बताया गया कि ऋतिक अपने रिश्तेदार के घर छठ पूजा देखने आया था और गांव के बुजुर्ग भज्जू प्रसाद के साथ घाट की ओर जा रहा था। इसी दौरान घाट से कुछ कदम पहले ही नशे में धुत एक युवक तेज रफ्तार बाइक से आया और दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बच्चा कई फीट दूर जा गिरा, जबकि बुजुर्ग मौके पर ही गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। दोनों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिवाई पट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। थाना अध्यक्ष शिवेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि बाइक सवार को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाइक जब्त कर ली गई है। उन्होंने कहा कि चालक नशे की हालत में था। मामले की जांच की जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया। छठ पूजा की खुशियां गम में बदल गईं। पूरे इलाके में शोक का माहौल है और लोग मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं।

जदयू और भाजपा के बाद अब राजद ने लिया एक्शन, अपने 18 नेताओं को पार्टी से निकाला बाहर

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता दल के बाद अब राष्ट्रीय जनता दल ने अपनी पार्टी के 18 नेताओं पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इस संबंध में राष्ट्रीय जनता दल का कहना है कि ये लोग पार्टी के विरूद्ध दल विरोधी आचरण, क्रियाकलाप एवं प्रतिकूल सक्रिय गतिविधियों में शामिल थे, इस वजह से इनपर यह कार्रवाई की गई है। पार्टी के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय जनता दल की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए निष्कासित किया है। जिन राजद नेताओं को पार्टी ने निष्काषित किया है उनमें पटना परसा के विधायक छोटे लाल राय, परिहार की ऋतू जायसवाल, कटिहार के राजद के पूर्व विधायक राम प्रकाश महतो, मुजफ्फरपुर के पूर्व राजद विधायक अनिल सहनी, भोजपुर जिले के बड़हरा के पूर्व राजद विधायक सरोज यादव, मुजफ्फरपुर के पूर्व विधान पार्षद गणेश भारती, गोविंदपुर के विधायक मोहम्मद कामरान, नरपतगंज के पूर्व राजद विधायक अनिल यादव, चिरैया के पूर्व प्रत्याशी अक्षय लाल यादव भी शामिल हैं। उन नाम के अलावे कुछ अन्य नाम भी हैं जिन्हें राष्ट्रीय जनता दल ने पार्टी से निष्काषित कर दिया है। उनमें बेगूसराय जिले के चेरिया बरियारपुर में जिला प्रधान महासचिव की जिम्मेदारी संभल रहे राम सखा महतो, भागलपुर जिले में राज्य परिषद् सदस्य अवनीश कुमार, गया जी जिले के शेरघाटी के भगत यादव, भोजपुर जिले के संदेश के मुकेश यादव, वैशाली जिले में जिला प्रधान महासचिव की जिम्मेदारी संभल रहे संजय राय, दरभंगा में अति पिछड़ा प्रकोष्ट के उपाध्यक्ष कुमार गौरव और जिला महासचिव राजिव कुशवाहा को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। साथ ही जले में व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता और वकील प्रसाद यादव उस सूची में शामिल हैं।

पटना समेत पूरे प्रदेश में श्रद्धालुओं ने दिया भगवान सूर्य को अर्घ्य

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ लोक आस्था का महापर्व, छठ मईया के जयकारों से गूंजे घाट

पटना/मुजफ्फरपुर, एजेंसी। लोक आस्था और तपस्या का पर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण के साथ सम्पन्न हो गया। चार दिनों तक चले इस महापर्व में पूरे बिहार में भक्ति, उल्लास और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। कल शाम व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया था और आज तड़के अहले सुबह भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर छठी मईया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जल व्रत का समापन हुआ। भोर होते ही शहरों से लेकर गांवों तक छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ घाटों की ओर उमड़ पड़ी। महिलाओं और पुरुषों ने सूप-दौरा में ठेकुआ, फल और प्रसाद सजाकर पारंपरिक गीतों उठे सूर्य भगवान, अंगना में दीहीं दर्शन के साथ सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

सीएम नीतीश कुमार ने अपने आवास पर दिया भगवान सूर्य को अर्घ्य: आज एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में परिवार के सदस्यों के साथ अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर राज्य में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। लोक आस्था का यह महापर्व आत्मानुशासन का पर्व है, जिसमें लोग शुद्ध अंतःकरण और निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। महापर्व छठ के अवसर पर भगवान भास्कर से राज्य की प्रगति, सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना है।

मंत्री और सांसद ने दिया भगवान सूर्य को अर्घ्य : बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने अपने परिवार के साथ सरकारी आवास पर चार दिवसीय इस लोक आस्था के पर्व में भाग लिया। उन्होंने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। उनकी पत्नी नीता केसकर चौधरी पिछले 13 वर्षों से निर्जला छठ व्रत करती आ रही हैं। इस मौके पर मंत्री की बेटी और समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी भी मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व हमारी संस्कृति और नारी शक्ति की पहचान है। इस पर्व से हमें पर्यावरण, नदियों और प्रकृति के प्रति सम्मान की प्रेरणा मिलती है।

डिप्टी सीएम ने भी दिया अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य : डिप्टी सीएम और तारापुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के पावन अवसर पर अपने पैतृक निवास तारापुर(मुंगेर) में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। उन्होंने कहा कि लोकदेव भगवान भास्कर और छठी मईया की कृपा बिहार पर बनी रहे। बिहार के विकास, उन्नति, संपन्नता के कोष को भगवान दीनानाथ भर दें।

बांका में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ : लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन बांका के सभी छठ घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा । नदी, तालाब और पोखरों के तट भक्ति गीतों और दीपों की रोशनी से आलोकित हो उठे। व्रतधारियों ने परिवार की सुख-समृद्धि और समाज की मंगलकामना के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सजधजकर पूजा अर्चना की, वहीं पुरुषों और बच्चों ने श्रद्धा भाव से सहयोग किया।

गंडक नदी के घाट पर पहुंचे नित्यानंद राय : हाजीपुर के गंडक नदी के घाट पर नित्यानंद राय पहुंचे सभी प्रोटोकॉल को नजरअंदाज करते केंद्रीय मंत्री लोगों के साथ छठ पूजा के अवसर पर सेल्फी लेते हुए दिखे। वहीं भारी संख्या में भीड़ में केंद्रीय मंत्री सभी के साथ घूमते नजर आए।

मुजफ्फरपुर में धूमधाम से छठ महापर्व मनाया जा रहा है। सभी घाटों पर श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। व्रती जल में खरी होकर छठी मैय्या की आराधना कर रही हैं। शहर का साहू पोखर तालाब श्रद्धालुओं से पट चुका है। श्रद्धालु दूध और जल से भगवान भास्कर को अर्घ्य दे रहे हैं।

कटिहार में छठ घाटों पर अर्घ्य देने पहुंचे श्रद्धालु : कटिहार के विभिन्न इलाकों में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। गंगा, कोसी और महानंदा जैसी नदियों के तटों के साथ-साथ कई मोहल्लों, कॉलोनियों और स्कूल परिसरों में बनाए गए कृत्रिम घाटों पर भी सुंदर साज-सज्जा और रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है। दीपों और झालरों की चमक से पूरा शहर भक्ति के रंग में रंग गया है। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर पूरे नियम-निष्ठा के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत निभाते हुए अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर रही हैं। छठ घाटों पर गूंजते पारंपरिक गीत माहौल को और अधिक भक्तिमय बना रहे हैं।

छठ घाट पर तैनात किए गए अर्धसैनिक बल के जवान : मुजफ्फरपुर में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर आज शाम संध्या अर्घ्य के लिए श्रद्धालु घाटों की ओर उमड़ने लगे हैं। शहर का प्रसिद्ध साहू पोखर मंदिर तालाब भगवान भास्कर और छठी मैया के भक्ति गीतों से गूंज उठा है। चारों ओर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है। घाटों पर महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजधजकर पूजा की तैयारी में जुटी हैं। सुरक्षा के मद्देनज़र प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए हैं। अर्धसैनिक बल के जवानों के साथ स्थानीय पुलिसकर्मी भी मुस्तैदी से तैनात हैं, ताकि श्रद्धालु निर्भय होकर पूजा-अर्चना कर सकें। पटना, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, भागलपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, शिवहर, सीतामढ़ी समेत सभी जिलों में छठ व्रती और श्रद्धालु छठ घाटों पर पहुंचने लगे हैं। कई प्रत्याशी भी अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचे हैं। जल्द ही वह भगवान सूर्य को देंगे।

पटना के दीघा घाट पर पहुंची अक्षरा सिंह : छठ पूजा के तीसरे दिन पटना के प्रसिद्ध दीघा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अन्य कलाकारों और श्रद्धालुओं के साथ मिलकर पारंपरिक छठ गीतों की प्रस्तुति दी। सभी श्रद्धालु यहां डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए पहुंचे हैं। पूरा घाट छठ मइया के गीतों, दीपों की रोशनी और भक्ति के माहौल से सराबोर रहा। मुजफ्फरपुर के सीढ़ी घाट, आश्रम घाट, लकड़ीढही घाट, अखाड़ा घाट, चंदवारा घाट सहित कई प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। ब्रह्मपुरा पोखर, तीन पोखरिया, पड़ाव पोखर, साहू पोखर मंदिर तालाब और रामदयालु कॉलेज परिसर के घाटों पर भी श्रद्धा और उल्लास के साथ पूजा संपन्न हुई। पूजा के बाद भक्तों ने छठी मईया और भगवान भास्कर का प्रसाद ग्रहण किया।जहानाबाद में भी छठ पर्व का समापन सुबह अर्घ्यदान के साथ हुआ। जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में कई दिनों से तैयारी चल रही थी। आज घाटों पर भारी संख्या में व्रती और श्रद्धालु पहुंचे और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

दो कट्ठा जमीन के लिए बेटे ने पिता का सिर काटकर की हत्या, सहरसा पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले के कनरिया थाना क्षेत्र में 12 अक्तूबर को 65 वर्षीय किसान नारायण यादव की सिर काटकर हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने हत्यारोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू, कचिया और कपड़े भी बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी बेटे ने महज दो कट्ठा जमीन के लिए अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी।

सिमरी बख्तियारपुर के एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने सोमवार शाम प्रेस वार्ता कर बताया कि मृतक नारायण यादव की हत्या उसके बेटे पिंटू कुमार उर्फ मुकेश यादव ने की थी। आरोपी ने जमीन विवाद को लेकर अपने पिता की हत्या करने की बात स्वीकार की है।

13 लाख रुपये मुआवजा राशि मिली थी : पुलिस पूछताछ में पिंटू ने बताया कि वह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर है। उसका बड़ा भाई रंजीत कुमार की वर्ष 2012 में दिल्ली में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। रंजीत की मौत के बाद दिल्ली सरकार और अन्य स्रोतों से परिवार को 13 लाख रुपये मुआवजा राशि मिली थी। उस पैसे से पिता नारायण यादव ने 10 कट्ठा जमीन खरीद ली, लेकिन यह बात परिवार के बाकी सदस्यों से छिपाई गई।

रंजीत की मौत के बाद उसकी पत्नी की शादी पिंटू से कर दी गई थी। उसी दौरान पिता ने पिंटू से कहा था कि चिता को मुखाग्नि देने के बदले उसे दो कट्ठा अतिरिक्त जमीन दी जाएगी। हालांकि बाद में पिता ने बराबर हिस्से की बात कही, जिससे विवाद बढ़ गया।

अचानक चाकू से गर्दन पर हमला कर दिया : इस जमीन विवाद को लेकर पिता और बेटे में अक्सर झगड़े होते रहते थे। 12 अक्तूबर की सुबह नारायण यादव घास काटने के लिए नदी किनारे गए थे। इसी दौरान पिंटू भी उनके पीछे-पीछे पहुंच गया। उसने पहले पिता को घास का बोझ उठाने में मदद की, फिर अचानक चाकू से गर्दन पर हमला कर दिया। जब पिता गिर पड़े, तो उसने उनका सिर काटकर अलग कर दिया और सिर को दूसरे स्थान पर छिपा दिया।

एक विशेष टीम बनाई गई थी : पुलिस ने घटना के तीसरे दिन नारायण यादव का सिर बरामद कर लिया था। एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि तकनीकी जांच और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को घोघसम घाट से गिरफ्तार कर लिया है। ज्ञात हो कि 12 अक्तूबर को खेत में नारायण यादव का सिरकटा शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई थी, जिसने कड़ी मेहनत के बाद इस जघन्य हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया।

मुन्ना शुक्ला और अजय वर्मा समेत 14 बंदी बेउर जेल से ट्रांसफर, बिहार चुनाव से पहले पुलिस का बड़ा एक्शन

पटना, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था लेकर रविवार को आदर्श केंद्रीय कारा बेउर में बंद कई कुख्यात बंदियों को अन्य जेलों में स्थानांतरित किया। इसके कुख्यात अजय वर्मा और मुन्ना शुक्ला समेत कुल 14 बंदियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भागलपुर सेंट्रल जेल भेजा गया।

इनके अलावा लक्ष्मी सिंह, विशाल, जयंतकांत, बबलू चंदन, भरत, गौतम कुमार, अविनाश कुमार, नीरज चौधरी, दानिश, सोनू कुमार और शुभम शामिल हैं। इन सभी पर गंभीर मामले दर्ज हैं। इनकी जेल के भीतर गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही थी। इसके पहले गुरुवार को भी बेउर जेल से 14 अन्य कुख्यातों को भागलपुर के विशेष केंद्रीय कारा में भेजा गया था।

इनमें रवि गोप, तौसीफ उर्फ बादशाह और डीडी जैसे नाम शामिल हैं। इनके अलावा नियाज अहमद, शंकर राय, शाहबाज उर्फ शौकत, विजय कांत पांडेय, राजेश यादव, उमेश यादव, रौशन शर्मा, विजय साहनी, मोहम्मद राजा, मोहम्मद दानिश और मोनू कुमार को भी स्थानांतरित किया गया था।

नाला रोड निवासी रवि गोप के खिलाफ पटना के कदमकुआं, पीरबहोर और फुलवारीशरीफ थानों में करीब 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, तौसीफ उर्फ बादशाह चर्चित चंदन मिश्रा हत्याकांड का आरोपित है।आदर्श केंद्रीय कारा बेउर की ऊंची दीवारों के भीतर भी छठ महापर्व के श्रद्धा की किरणें झिलमिला उठी हैं। कारागार में इस बार कुल 38 बंदी छठ व्रत कर रहे हैं, जिनमें 15 महिला बंदी शामिल हैं। व्रतियों के लिए प्रशासन ने पूजा-पाठ, प्रसाद और अर्घ्य की पूरी व्यवस्था की है।

बिहार में छठ घाट पर 9 की मौत:भागलपुर में अर्घ्य देने से पहले 4 डूबे

भागलपुर, एजेंसी। बिहार में आज छठ पूजा का तीसरा दिन है। व्रती आज डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इससे पहले भागलपुर, सहरसा, बिहटा, समस्तीपुर और पूर्णिया में छठ घाटों पर हादसों में 9 लोगों की मौत हुई है। इनमें कुछ छठ घाट की सफाई कर रहे थे तो कुछ सफाई के बाद नहाने के लिए नदी में उतरे थे। भागलपुर में सोमवार की सुबह छठ पूजा की तैयारी कर रहे एक ही गांव के 4 बच्चों की नदी में डूबने से मौत हो गई। 2 बच्चों की पहचान हो गई है। एक 8 साल का गोरेलाल है और दूसरे का नाम कोरेलाल है। दोनों बच्चे छट्टू सिंह टोला के रहने वाले रूदल मंडल के बेटे थे। दोनों मृतक जुड़वां भाई थे।

जानकारी के अनुसार, घाट बनाने के बाद सभी बच्चे नदी में नहाने गए थे। गहरे पानी में जाने से सभी डूब गए। घटना नवगछिया के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव में हुई। स्थानीय निवासी कैलाश मंडल ने बताया, बच्चे छठ घाट की तैयारी के लिए वहां मौजूद थे। जिसके बाद सभी स्नान कर रहे थे, इसी दौरान यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही इस्माइलपुर थानाध्यक्ष दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। सभी बच्चे छट्टू टोला के रहने वाले थे।

गांव वालों ने बताया कि, बच्चे नदी में नहा रहे थे। एक गहरे में पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में बाकी भी डूब गए। गोताखोरों की मदद से सभी बच्चों को बाहर निकाला गया और इस्माइलपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बच्चों की मौत की सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई। मृतकों में नवटोलिया निवासी मिथिलेश कुमार के बेटे प्रिंस कुमार (10) और किशोरी मंडल के बेटे नंदन कुमार (10) के रूप में हुई है।

मधेपुरा में 6 साल का बच्चा तालाब में डूबा

मधेपुरा में छठ घाट बनाने के दौरान 6 साल के बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जोरगामा वार्ड संख्या 9 निवासी वीरेन साह के 6 साल के बेट सोनू कुमार के रूप में हुई है। सोनू अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वार्ड 9 स्थित महादलित बस्ती के पास पोखर पर छठ घाट तैयार करने गया था। घटना मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जोरगामा पंचायत की है।

बताया जा रहा है कि घाट लगभग तैयार हो चुका था, तभी सोनू पानी भरने के लिए पोखर के भीतर चला गया। पोखर में पानी अधिक गहरा होने के कारण वह अचानक डूबने लगा। कुछ देर बाद जब आसपास के लोगों ने बच्चे को नहीं देखा, तो उसकी खोजबीन शुरू की गई।

बिहटा में भी 14 साल से बच्चे की मौत

पटना के बिहटा थानाक्षेत्र के अल्हनपुरा गांव में छठ पूजा के लिए बनाए तालाब में डूबने से एक 14 साल के नाबालिग की मौत हो गई। मृतक किशोर की पहचान अल्हनपुरा गांव निवासी पिंकू कुमार के बेटे अंकित कुमार के रूप में हुई है। इधर मौत के बाद परिवार और गांव में मातम छा गया।

अंकित कुमार के माता और पिता दोनों ने छठ व्रत रखा है। आज तीसरे दिन डूबते सूर्य के अर्घ्य देने से पहले वो अपने दोस्तों के साथ तालाब की सफाई करने गया था। इसी दौरान साफ-सफाई के बाद दोस्तों के साथ नहाने लगा। तालाब गहरा होने के कारण वह डूब गया।

समस्तीपुर के करेह नदी में डूबने से 8 साल के बच्चे की मौत

समस्तीपुर के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र में करेह नदी में नहाने के दौरान 8 साल के एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई। यह घटना छठ पर्व के दिन हुई, जब बच्चा अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण वह डूब गया।

मृतक बच्चे की पहचान गिद्दा गांव के वार्ड एक के निवासी अशोक यादव के पुत्र ऋतुराज के रूप में हुई है। अन्य बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने ऋतुराज को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक ऋतुराज के पिता अशोक यादव पेशे से मजदूरी हैं। ऋतुराज की मां अनीता देवी ने छठ का व्रत रखा था और शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने घाट पर जाने वाली थीं। ऋतुराज के दो भाई और दो बहनें हैं।

पूर्णिया में छठ घाट पर डूबने से 2 भाइयों की मौत

पूर्णिया में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान दो ममेरे भाईयों की छठ घाट में डूबने से मौत हो गई। घटना शहर के ततमा टोली छठ पोखर घाट की है। आनन-फानन में दोनों युवकों को लेकर पुलिस और परिजन लक्ष्य॥ पूर्णिया पहुंचे। जहां इलाज के क्रम में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान छठ पोखर पंचवटी कालोनी वार्ड 26 निवासी संजय प्रसाद साह के बेटे सत्यम कुमार साह (18) और दीपक प्रसाद साह के बेटे शिवम कुमार साह (15) के रूप में हुई है।

मृतक सत्यम कुमार साह के भाई कृष्णा कुमार साह ने बताया कि उनके ममेरे भाई शिवम कुमार साह की मां ने छठ व्रत रखा है। वे लोग आस पड़ोस में ही रहते हैं। छठ के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने छठ व्रती के साथ घर के सभी सदस्य ततमा टोली छठ घाट पहुंचे थे। भगवान भास्कर को छठव्रती अर्घ्य दे रही थी। फलों से भरा सूप अपनी मां को देने के ठीक बाद ही सत्यम का पैर फिसला और वो गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने मेरे भाई शिवम कुमार साह पानी में उतरा और फिर देखते ही देखते वो भी गहरे पानी में जा समाया। करीब दो घंटे की खोजबीन के बाद दोनों को स्थानीय गोताखोरों ने पानी से बाहर निकाला।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 28-10-2025 21:34 Page 1

आम से लेकर खास लोगों ने की भगवान भास्कर की पूजा

नवबिहार टाइम्स टीम

पटना/शिवाजीनगर/दनियावां/नवादा। लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को संपन्न हो गया। चार दिवसीय महापर्व के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास समाप्त हुआ। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, पूर्णिया, बेगूसराय, समस्तीपुर, शिवहर, किशनगंज खगड़िया समेत सभी 38 जिलों के छठ घाटों पर अहले सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। खराब मौसम के कारण कई जिलों में भगवान सूर्य कुछ देर से दिखें। पटना समेत कई जगह पर बादल छाए हुए थे। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ संपन्न हो गया। पटना में सीएम नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, नेता प्रतिपक्ष चिराग पासवान, बिहार सरकार के कई मंत्री, नेताओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। इधर, जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की ओर से पटना की सड़कों को धो दिया गया था। हर गली-सड़कों पर बिहार कोकिला स्व. शारदा सिन्हा के छठ गीत बज रहे थे। इधर, पटना समेत पूरे बिहार में छठ घाट पर श्रद्धालुओं का तांता लग गया। छठी मैय्या के जयकारे से छठ घाट गूंजते रहे। कई लोगों ने घरों की छत और तालाबों में छठ पूजा मनाई। छठ घाट पर जिला प्रशासन की ओर से सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य समेत बिहार की सैकड़ों लोगों ने विदेशों में छठ पूजा की। रोहिणी ने कहा कि आप सबों को महापर्व छठ पूजा के चौथे ०पूणार्हुति अनुष्ठान अग्रगामी सूर्य देव को उषा अर्घ्य की हार्दिक शुभकामनाएं। उदयीमान भगवान भास्कर की लालिमा ०छठी मईया के आशीर्वाद से आप सबों को सुख-शांति - समृद्धि - निरोग काया की प्राप्ति हो और आपकी हर मनोकामना पूरी हो।

शिवाजीनगर से संवाददाता के अनुसार प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय लोक आस्था का महान पर्व छठ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के माहौल में संपन्न हुआ। रविवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रतियों ने अपना 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा किया। घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, वहीं पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा छठ पर्व को लेकर प्रशासनिक स्तर पर विशेष चौकसी बरती गई। हथौड़ी थाना अध्यक्ष मौसम एवं शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार के नेतृत्व में दोनों थाना क्षेत्रों के घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। दोनों अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही पुलिस बल की तैनाती की गई ताकि कोई अप्रिय घटना न हो थाना अध्यक्षों ने बताया कि छठ व्रत बिहार की लोक आस्था का प्रतीक पर्व है, इसे शांति और सद्भाव के साथ मनाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सभी घाटों पर सुरक्षा घेरा बनाया गया था, वहीं महिला पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी इस दौरान शिवाजीनगर प्रखंड के बाघोपुर बंधार परसुराम डुमरा मोहन, परबाना, करियन, रामभद्रपुर, बथनाहा, रमौल, घिबाही सहित अन्य पंचायतों के घाटों पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी गई। अर्घ्य देने पहुंचे व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच भक्ति गीतों की गूंज से पूरा वातावरण गूंज उठा स्थानीय लोगों ने बताया कि इस वर्ष छठ पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रशासन की सक्रियता और चौकसी के कारण श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

दनियावां(पटना) से संवाददाता के अनुसार प्रखंड के दनियावां बाजार समेत सभी 6 पंचायतों के ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही लोकआस्था के महापर्व छठ का समापन हो गया।पूरे प्रखंड के शहरी और ग्रामीण इलाकों में इस पर्व को लेकर माहौल भक्तिमय बना रहा।दनियावां सूर्य मंदिर परिसर, मछरियावां और तोप गांव के हाल ही नवनिर्मित सौन्दर्यीकृत तालाब में व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित किया।इसके अलावा सरथुआ, जीवनचक, एरई, काजीबीघा समेत कई गांवों में ऐतिहासिक फल्गु नदी की शाखा लोकाईन और महतमाईन नदी के किनारे भी सूर्योराधना कर अर्घ्य दिया गया।इसके लिए हर जगह घाटों पर साज-सज्जा और प्रकाश की सुंदर व्यवस्था की गयी थी। दौलतपुर, प्रसन्नबीघा,नियामतपुर समेत कई गांवों में पम्पिंग सेट से जलराशि जमा कर वैकल्पिक छठ घाट भी बनाये गए थे,जहां श्रद्धालुओं ने सोमवार को डूबते सूर्य जबकि मंगलवार को उगते भगवान भास्कर की उपासना की।अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के पटना जिलाध्यक्ष पंडित रामाकांत शास्त्री ने बताया कि भारत में सूर्य पूजा की पौराणिक युग से ही परंपरा रही है।महापर्व छठ का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है।बिहार में देव,बड़गाँव,औंगारी धाम (नालंदा),पंडारक,हिलसा समेत कई सूर्य मंदिर अपनी सूर्योर्राधना के लिए काफी प्रसिद्ध और विख्यात रहे हैं।

नवादा से संवाददाता के अनुसार लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम के बाद मंगलवार को उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया । नवादा जिला के विभिन्न छठ घाटों पर छठ व्रतियों द्वारा सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को एवं मंगलवार की सुबह उदयाचलगामी सूर्य को अरग प्रदान किया गया । 36 घंटे तक निर्जला रहने के उपरांत वर्तियों द्वारा भगवान भास्कर को अर्ध प्रदान किया गया । इस मौके पर जिला प्रशासन की ओर से जगह-जगह पर सुरक्षा बल की तैनाती की गई थी । जिलाधिकारी रवि प्रकाश और पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान खुद नवादा के मिजार्पुर स्थित सूर्य मंदिर घाट पर शाम और सुबह कैंप कर रहे थे । सुरक्षा बल की कड़ी व्यवस्था देखी गई । जगह-जगह पर लाइट और सजावट डेकोरेशन से काफी अच्छा महसूस होने लगा था । हर ओर बस छठ गीत की धूम देखने को मिली। इन चार दिनों में बस चुनावी माहौल गुम हो गया और लोग आस्था के इस महापर्व में डुबकी लगाते देखे गए । हिसुआ से विधायक नीतू सिंह भी आस्था के इस महापर्व को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा की।

वहीं वारसलीगंज की विधायक अरुणा देवी भी छठ पूजा हर साल की तरह इस साल भी करते हुए समस्त जगत के कल्याण की कामना की ।वहीं गोविंदपुर से लोजपा प्रत्याशी विनीता मेहता , रजौली से प्रत्याशी पिंकी भारती सहित अनेक प्रत्याशियों द्वारा छठ व्रत किया गया । इन चार दिनों में बिल्कुल छठ पर्व का अलग ही महत्व देखने को मिला ।हर जगह पर साफ सफाई और लाइटिंग की व्यवस्था देखने को मिली । आस्था के इस महाकुंभ को देखकर हर कोई दंग रह जाता है । भगवान भास्कर और छठ माता की पूजा में सारे लोग तल्लीन हो जाते हैं वहीं नवादा के मिजार्पुर स्थित सूर्य मंदिर छठ घाट पर रोटरी क्लब ऑफ नवादा , दयालू कान्हा जी , कुशवाहा सेवा समिति सहित अनेक संस्थाओं के द्वारा सेवा शिविर लगाया गया। रोटरी क्लब ऑफ नवादा के द्वारा लगाए गए सेवा समिति में अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद , वजीर प्रसाद , मनोज कुमार, पंकज कुमार सिन्हा, नवीन कुमार सिन्हा, आरपी साहू, पंकज झुनझुनवाला ,, सुमित अग्रवाल, उमेश प्रसाद , आदित्य कुमार सचिव सहित कई लोगों ने अपना योगदान दिया और सुबह में छठवर्तियों सहित सभी लोगों के लिए चाय, बिस्किट ,पानी की निशुल्क व्यवस्था रखी जिसमें हजारों लोगों ने इसका फायदा उठाया । सोमवार की रात्रि शहर के विभिन्न इलाकों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था । दर्जनों स्थल पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित की गई थी। इसके साथ-साथ स्टेशन रोड में छठ पूजा जागरण का भी आयोजन किया गया ।

छठ घाट पर मारपीट में महिला सहित 11 घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली । थाना क्षेत्र के कुम्हरुआ गांव में सोमवार की शाम छठ घाट पर आरजेडी गाना को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई।इस मारपीट में एक ही पक्ष के 11 लोग घायल हो गयें,जिसमें 6 महिलाओं में 3 छठ व्रती और 5 पुरुष शामिल हैं।घायलों को पुलिस एवं परिजनों की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया।अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. गुलाम अनीश ने बताया कि घायलों में कुम्हरुआ गांव के विनय कुमार पिता मनोज पासवान,मनीष कुमार पिता लालू पासवान,कौशमी देवी पति सदानंद पासवान,दामाद सिंटू पासवान पिता नगेंद्र पासवान, मुन्ना देवी पति माणिकचंद पासवान,सुर्गति देवी पति मनोज पासवान,मधु कुमारी पति लक्ष्मण पासवान, जयमंती देवी पति मुसाफिर पासवान,सुधा देवी पति लालू पासवान,चंचल देवी पति सिंटू पासवान एवं शिवानी कुमारी पति इंदल पासवान शामिल है ।चिकित्सक ने कहा कि घायल कौशमी देवी और मनीष कुमार को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है ।वहीं अन्य घायलों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है।

घायलों ने बताया कि छठ घाट पर आरजेडी का गाना बज रहा था,जिसका विरोध करने पर गांव के ही पंकज कुमार पिता सरजू यादव,तरुण कुमार पिता बुलाकी यादव,अखिलेश कुमार,सचिन कुमार व आशीष कुमार पिता लीलाधारी यादव,अभिषेक कुमार,रवि कुमार व अरविंद कुमार पिता दुलार यादव,प्रदीप यादव पिता रामेश्वर यादव,अनुज यादव व अनूप कुमार पिता कुलेश्वर यादव,रंजीत कुमार व संदीप कुमार पिता रामशरण यादव,सागर कुमार पिता उमेश यादव एवं उमेश यादव पिता लट्टू यादव के अलावे अज्ञात 25-30 लोग हमलोगों पर टूट पड़े और लाठी डंडा से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर रजौली विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी विमल राजवंशी अस्पताल पहुंचे एवं पीड़ित परिजनों से हाल-चाल जाना।प्रत्याशी ने कहा कि छठ में छठ व्रतियों समेत अन्य लोगों के साथ मारपीट निंदनीय है।उन्होंने पुलिस से अपील किया कि वे पीड़ित के साथ न्याय करें।वहीं एलजेपी (आर) के प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र पासवान ने कहा कि आरजेडी वाले 90 के दशक को वापस लाना चाहता है।इसलिए वे छठ जैसे महापर्व में छठ व्रतियों के साथ अन्य लोगों के साथ बेहरमी से मारपीट किया है।उन्होंने घटना को काफी निंदनीय बताया है।इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि कुम्हरुआ गांव में एक विशेष गाने के विवाद को लेकर दो पक्ष के लोगों के बीच झगड़ा हुआ है। एक पक्ष से 11,तो दूसरे पक्ष से भी एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली है।पीड़ित द्वारा लिखित आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

दुकानदार और ग्राहक के बीच मारपीट

दुकानदार का सिर फटा, चार ग्राहक गर्म तेल से झुलसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली । थाना क्षेत्र के बीच बाजार स्थित ठाकुरबाड़ी के सामने एक लिट्टी के दुकान में मंगलवार की सुबह दुकानदार और ग्राहक में सब्जी को लेकर जमकर मारपीट हो गया।इस दौरान दुकानदार और चार ग्राहक गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों से अस्पताल में लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई।घायलों को परिजनों की मदद से इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती किया गया।अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. गजेन्द्र कुमार ने बताया कि घायल दुकानदार की पहचान महसई मोहल्ला निवासी छोटेलाल साव के पुत्र रोहित कुमार के रूप में हुई है।दुकानदार के सिर में 9 टांके पड़े हैं और शरीर भी गर्म तेल से झुलसा हुआ है।वहीं उपरटंडा निवासी स्व. श्रवण कुमार के पुत्र राहुल कुमार,राजेश साव के पुत्र मोहित कुमार,नरेश प्रसाद के पुत्र छोटू कुमार एवं मौजी साव के पुत्र धर्मेन्द्र कुमार भी गर्म तेल के कारण झुलस गया है।

सभी घायलों का प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है।वहीं अस्पताल परिसर में मौजूद घायल दुकानदार ने कहा कि वे अपनी दुकान में सुबह लिट्टी और दोपहर में समोसा बेचा करते हैं।मंगलवार की सुबह उपरटंडा के राहुल कुमार अपने दोस्त के साथ लिट्टी लेने आए।दुकान से 24 लिट्टी और सब्जी पैक करके देने के बाद और सब्जी मांगे,जिसे दिया गया।इसी दौरान और सब्जी मांगने पर दुकानदार ने मना कर दिया।इससे दुकानदार और ग्राहक के बीच नोंकझोंक होने लगा।ग्राहक ने अपने दोस्तों को कॉल करके बुलाया और दुकानदार के साथ मारपीट शुरू कर दी।दुकानदार ने कहा कि वह दुकान में अकेले था और उसके दुकान के आगे 25 से 30 लड़के झगड़ा कर रहे थे।इसी बीच मारपीट में दुकानदार का सिर फट गया और दुकान में रखे गर्म तेल की कढ़ाई से दुकानदार समेत चार लोग झुलस गए।वहीं घायलों से घटना के बारे में पूछताछ करने पर कुछ भी बताने से इंकार कर दिया।मारपीट की सूचना पर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार एसआई अरविंद पासवान और एएसआई अमित कुमार वर्मा के साथ अस्पताल पहुंचे।घायल दुकानदार और ग्राहकों से बातचीत किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दुकानदार और ग्राहक के द्वारा अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। दोनों पक्षों से घायल लोगों को इलाज हेतु नवादा भेजा गया है।आवेदन मिलने पर पुलिस अग्रतर कानूनी कार्रवाई करेगी।

महोत्सव में दिखी मतदाता जागरूकता अभियान की झांकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर आज मिर्जापुर सूर्य मंदिर छठ घाट पर भास्कर महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में पंचायत सीरीज के चर्चित कलाकार माधव यानी बुल्लू कुमार ने अपने संवाद शैली में उपस्थित श्रद्धालुओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बिहार से जो लोग बाहर रहते हैं और छठ पर्व पर अपने गांव आए हैं, वे तुरन्त वापस न जाएं, कुछ दिन रुकें और 11 नवम्बर को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। लोकतंत्र के इस पर्व में हर वोट की अहम भूमिका है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, युवा एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मतदान के इस प्रेरक संदेश की सराहना की और लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

राहुल गांधी की अनुपस्थिति बन रहा मुद्दा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव अपने चरम पर है। चाय की दुकानों, गुमटियों हर जगह चुनाव को लेकर चर्चा चल रही है। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान सक्रिय रहने वाले राहुल गांधी की अनुपस्थिति बिहार चुनाव का एक अलग मुद्दा बन गया है।

राहुल गांधी पिछली बार 1 सितंबर को बिहार आए थे, जब उन्होंने पटना में अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' की समापन रैली को संबोधित किया था। उस दिन उन्होंने जोरदार भाषण देकर इस यात्रा को समाप्त किया था।

अब प्रश्न यह उठ रहा है कि बिहार चुनाव को लेकर लगातार पीएम मोदी पर तंज कसने वाले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कहा हैं?

बिहार चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजद के तेजस्वी यादव और जनसुराज के प्रशांत किशोर तथा जदयू से सीएम नीतीश कुमार लगातार राज्य भर में जनसभाएं कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने हेमंत सरकार पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। घाटशिला उपचुनाव को लेकर भाजपा ने अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने घाटशिला के दामपाड़ा हाट मैदान में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हेमंत सरकार पर जोरदार हमला बोला। मरांडी ने कहा कि राज्य में पिछले छह वर्षों से इंडी ठगबंधन सत्ता पर काबिज है, जिसने झारखंड को लूट, भ्रष्टाचार और दलाली का गढ़ बना दिया है।

उन्होंने कहा कि यह निर्लज्ज ठगबंधन अब भी जनता से वोट मांगने की हिम्मत कर रहा है, जबकि राज्य में विकास नाम की चीज नहीं बची। अस्पतालों में दवाइयां नहीं, डॉक्टर नहीं, स्कूलों में शिक्षक नहीं, गरीबों की पेंशन तक बंद है। ह्लमइया सम्मान योजनाह्व की राशि भी रोहिंग्या और बांग्लादेशी लूट रहे हैं। गरीबों को घर बनाने के लिए बालू तक नहीं मिल रहा, जबकि दलालों और बिचौलियों के ट्रक पुलिस की सरपरस्ती में खुलेआम चल रहे हैं।

मरांडी ने कहा कि नौकरियां बिक रही हैं, परीक्षाएं रद्द हो रही हैं, युवाओं का भविष्य अंधेरे में है। आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है, बहन-बेटियां असुरक्षित हैं, और हेमंत सरकार अबुआ सरकारह्व का ढोंग कर रही है। भाजपा नेता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि घाटशिला और आसपास के इलाकों में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को हेमंत सरकार के संरक्षण में बसाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की जनसांख्यिकी बदल रही है।

मरांडी ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जिसने आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों और पिछड़ों की सच्ची चिंता की है। अटल जी ने राज्य बनाकर झारखंड को पहचान दी और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार राज्य के विकास के लिए काम कर रही है।

प्रेम विवाह करने पर समाज के लोगों ने सुनाया तालिबानी फरमान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जगन्नाथपुर। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला में जगन्नाथपुर प्रखंड के गुमरिया पंचायत क्षेत्र के लखीपाई गांव में एक बार फिर समाज को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है।

यहां एक ही किली (गोत्र) के युवक-युवती ने ऑनलाइन जान-पहचान के बाद प्रेम प्रसंग में पड़कर विवाह कर लिया। दोनों ही लागुरी किली (गोत्र) के हैं। युवक का परिवार लखीपाई गांव का निवासी है, जबकि युवती का परिवार टोंटो प्रखंड के पदमपुर गांव से है। युवक मैट्रिक और युवती इंटर पास बताई गई है।

मामले को शुरू में दबाने का प्रयास किया गया, लेकिन रविवार को यह घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। मुंडा-मानकी, डाकुवा, दिऊरी तथा आदिवासी हो समाज युवा महासभा के पदाधिकारियों की उपस्थिति में लखीपाई गांव में विशेष बैठक बुलाई गई। बैठक में इस विवाह को समाजिक रूप से अमान्य घोषित करते हुए इसे 'पाप की श्रेणी' में रखा गया।

बैठक में बताया गया कि युवक-युवती अब गांव और समाज के सदस्य नहीं माने जाएंगे। दोनों को सामाजिक बहिष्कार का दंड दिया गया। हालांकि विवाह के बाद से लड़का-लड़की गांव नहीं आए हैं। इसके अलावा आदिवासी हो समाज की परंपरा और रीति-रिवाज के अनुसार गांव का शुद्धिकरण करने का भी निर्णय लिया गया। इसके तहत मुर्गा-बकरी की बलि, पूजन सामग्री की अर्पण, तथा सिंहबोंगा और पूर्वजों से सामूहिक क्षमायाचना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। दोनों परिवारों के अभिभावकों का मुंडन संस्कार भी समाजिक दंड के रूप में कराया गया। इस बैठक में उपस्थित आदिवासी हो समाज युवा महासभा के राष्ट्रीय महासचिव गब्बर सिंह हेम्ब्रम ने कहा कि बीते वर्षों में इसी तरह के चार-पांच मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने बताया कि पहले समाज में ऐसी घटनाओं पर कठोर दंड, जैसे गांव से निष्कासन या जिंदा जलाने की ऐतिहासिक प्रथा दी जाती थी, लेकिन अब कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं आदिवासी समाज को कलंकित करती हैं, इसलिए हर परिवार को अपनी परंपरा और गोत्र नियमों का सम्मान करना चाहिए।

बैठक में मुण्डा जामदार लागुरी, इलाका मानकी रामचंद्र लागुरी, तुरली मानकी दीपक लागुरी, पदमपुर मुण्डा गुलिया लागुरी,आदिवासी 'हो' समाज युवा महासभा के जिला सचिव ओयबन हेम्ब्रम, अनुमंडल उपाध्यक्ष पुतकर लागुरी, पूर्व अनुमंडल सचिव सिकंदर तिरिया, जोटेया किशोर पिंगुवा, हरिश दोराईबुरू, घनश्याम गुईया,मोरा लागुरी, भगवान सिंह कुंटिया,सोहन सिंकू, साधुचरण लागुरी, राजकिशोर लागुरी,राजु लागुरी, कांडे गुईया, टुपरा सिंकू,मनोज गागराई,अंतु गुईया,संतोष दास,पंकज दास,मुन्ना गुईया,सोनाराम लागुरी,प्रदीप कुंटिया,हेबेन चातर,बकवा कुंटिया आदि काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जमीन की खातिर बेटे ने काटा पिता का सिर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। जिले के कनरिया थाना क्षेत्र में 12 अक्तूबर को 65 वर्षीय किसान नारायण यादव की सिर काटकर हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है।

पुलिस ने हत्यारोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू, कचिया और कपड़े भी बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी बेटे ने महज दो कट्ठा जमीन के लिए अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी।

सिमरी बख्तियारपुर के एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने सोमवार शाम प्रेस वार्ता कर बताया कि मृतक नारायण यादव की हत्या उसके बेटे पिंटू कुमार उर्फ मुकेश यादव ने की थी। आरोपी ने जमीन विवाद को लेकर अपने पिता की हत्या करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस पूछताछ में पिंटू ने बताया कि वह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर है। उसका बड़ा भाई रंजीत कुमार की वर्ष 2012 में दिल्ली में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। रंजीत की मौत के बाद दिल्ली सरकार और अन्य स्रोतों से परिवार को 13 लाख रुपये मुआवजा राशि मिली थी। उस पैसे से पिता नारायण यादव ने 10 कट्ठा जमीन खरीद ली, लेकिन यह बात परिवार के बाकी सदस्यों से छिपाई गई।

रंजीत की मौत के बाद उसकी पत्नी की शादी पिंटू से कर दी गई थी। उसी दौरान पिता ने पिंटू से कहा था कि चिता को मुखाग्नि देने के बदले उसे दो कट्ठा अतिरिक्त जमीन दी जाएगी। हालांकि बाद में पिता ने बराबर हिस्से की बात कही, जिससे विवाद बढ़ गया।

इस जमीन विवाद को लेकर पिता और बेटे में अक्सर झगड़े होते रहते थे। 12 अक्तूबर की सुबह नारायण यादव घास काटने के लिए नदी किनारे गए थे। इसी दौरान पिंटू भी उनके पीछे-पीछे पहुंच गया। उसने पहले पिता को घास का बोझ उठाने में मदद की, फिर अचानक चाकू से गर्दन पर हमला कर दिया। जब पिता गिर पड़े, तो उसने उनका सिर काटकर अलग कर दिया और सिर को दूसरे स्थान पर छिपा दिया।

मुस्लिम वोटरों पर सियासतदारों की नजर

50 से 70 सीटों पर कर सकता है खेला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पहले चरण का चुनाव करीब आते ही मुस्लिम वोटरों को लेकर राजद और जदयू की दावेदारी अपने-अपने एंगल से है। इस क्रम में स्पष्टीकरण का मोड़ भी दिखता है। तेजस्वी यादव ने वक्फ कानून पर मुस्लिम समाज के वोटरों पर अपने को केंद्रित किया। कई जगहों पर उन्होंने यह कहा कि उनकी सरकार आई तो वह वक्फ कानून के जो संशोधन आए हैं उसे डस्टबिन में फेंक देंगे।

दूसरी ओर, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि जब वक्फ कानून बिल के रूप में आया था तब जदयू ने इस मसले पर संयुक्त संसदीय कमेटी के गठन का सुझाव दिया था। जदयू की सलाह पर संयुक्त संसदीय कमेटी का गठन भी किया गया। जब यह बिल पास हुआ तो जदयू के संशोधन को केंद्र में रख गया। कानून तो कानून है उसे कोई उसे डस्टबीन में कैसे फेंक सकता है। मुस्लिम समाज के वोटरों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी परामर्श दे रहे कि उनकी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम समाज के लोगों को उनका पूरा हक दिया है। हर क्षेत्र में उचित प्रतिनिधित्व मिल रहा। राजद का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने मुस्लिम समुदाय का इस्तेमाल सिर्फ वोट के लिए किया और उन्हें कोई हिस्सेदारी नहीं दी।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार इस बात को भी आगे कर रहे कि विधानसभा चुनाव के समय कुछ लोग फिर से अपने आप को मुस्लिम समुदाय का हितैषी बताने में जुट गए हैं। सिर्फ मुस्लिम वर्ग के लोगों का वोट हासिल करने के लिए तरह-तरह की लालच और हथकंडे अपनाए जा रहे।

नीतीश कुमार एडवाइजरी के अंदाज में मुस्लिम समाज को यह भी कह रहे कि उनकी सरकार ने उनके समाज के लिए काम किया है उसे याद रखिए और उसके आधार पर तय कीजिए कि वोट किसे देना है।

बता दें कि बिहार में मुस्लिमों की आबादी लगभग 17.7 प्रतिशत है। यह आबादी बिहार के 50 से 70 विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव में निर्णायक भूमिका है। सीमांचल के जिले मसलन किशनगंज, कटिहार, अररिया व पूर्णिया जिले में मुस्लिम वोटरों की संख्या 40 प्रतिशत तक है। किशनगंज में 68 प्रतिशत, कटिहार में 44, अररिया में 43 और पूर्णिया में 39 प्रचिशत मुस्लिम आबादी है। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में 19 मुस्लिम विधायक चुने गए जो कुल विधायकों का आठ प्रतिशत है।

आदिवासी कांग्रेस ने बनाया शिल्पी नेहा को बिहार चुनाव का ऑब्जर्वर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस ने झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को बिहार चुनाव का ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की जानकारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने पत्र जारी करके दी।

ऑब्जर्वर बनाए जाने के बाद शिल्पी नेहा तिर्की ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और डॉ. विक्रांत भूरिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई यह जिम्मेदारी उनके लिए सौभाग्य की बात है। नेहा तिर्की ने यह भी कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में आदिवासी समाज का हर एक वोट महागठबंधन के पक्ष में जाए, इसके लिए वह चुनावी समर में अपनी पूरी ताकत झोंकेंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि कांग्रेस आलाकमान द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। मंत्री ने कहा कि इस बार बिहार में बदलाव की बयार बह रही है और कांग्रेस के सहयोग से गठबंधन सरकार बनने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव में जनता के संघर्ष और उनके सवालों का जवाब मौजूदा सरकार से मांगा जाएगा।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एईएन/शॉप/ईओटी क्रेन गैन्ट्री / एलएलएच / 25-26 दिनांक: 24.10.2025। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वैध विद्युत ठेकेदार लाइसेंस रखने वाले और वित्तीय रूप से निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में सक्षम प्रतिष्ठित निविदाकारों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:- **निविदा सूचना सं. ईएल-26-25; कार्य का नाम एवं स्थान:**: (ए) आसनसोल मंडल - आसनसोल मंडल पर देवघर-मोहनपुर-हंसडीहा शाखा के बीच त्रिकुट पर्वत पर नया हॉल्ट स्टेशन; (बी) आसनसोल मंडल- आसनसोल मंडल पर मोहनपुर-हंसडीहा शाखा के बीच सर्वोधाम में नया हॉल्ट स्टेशन; (सी) आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल पर देवघर-मोहनपुर शाखा के बीच महेशमारा में नया हॉल्ट स्टेशन; **निविदा मूल्य:** रु.31,08,630.61; **निविदा दस्तावेजों की लागत:** शून्य; **बयाना राशि:** रु.62,200.00; **समापन और उद्घाटन की तिथि और समय:** 18.11.2025 को 11:00 बजे; **कार्य की पूर्णता अवधि:** 09 (नौ) महीने। पूरी जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। (ASN-220/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मंत्री प्रेम कुमार ने किया भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित

छठ पर्व को बताया लोक आस्था और अनुशासन का प्रतीक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर मंगलवार की सुबह बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने श्रद्धा और भक्ति भाव से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी प्रभावती देवी ने भी व्रत में शामिल होकर भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से बिहार तथा गया जिले के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। सूर्यदेव के प्रति अगाध श्रद्धा प्रकट करते हुए प्रेम कुमार ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था, शुद्धता और अनुशासन का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व केवल सूर्य उपासना का उत्सव नहीं, बल्कि परिवार और समाज के सामूहिक समर्पण का परिचायक भी है। उन्होंने कहा कि गया सहित पूरे बिहार में यह पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और शांति के वातावरण में मनाया जा रहा है जिससे पूरे राज्य में भक्ति और एकजुटता का संदेश प्रसारित हो रहा है। मंत्री ने शहर के सभी घाटों पर की गई स्वच्छता, सुरक्षा, रोशनी और अन्य व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, बिजली विभाग, नगर निगम और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने समन्वय और निष्ठा के साथ कार्य किया जिसके कारण श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं को भी बधाई दी जिन्होंने लगातार कई दिनों तक घाटों और सड़कों की सफाई तथा व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई। प्रेम कुमार ने कहा कि छठ पर्व बिहार की सांस्कृतिक पहचान का सबसे उज्ज्वल प्रतीक है। इसमें निहित सादगी, पवित्रता और लोक संस्कृति की परंपरा हमें एकता, अनुशासन और श्रद्धा का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व सामाजिक सद्भाव और पारिवारिक एकजुटता को सशक्त बनाता है क्योंकि इसमें पूरा समाज एक परिवार की तरह मिलकर श्रद्धा और सेवा की भावना से सहभागी होता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि सभी लोग छठ पर्व को स्वच्छता, सौहार्द और अनुशासन के साथ मनाएं। ताकि यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बन सके। प्रेम कुमार ने कहा कि सूर्य उपासना का यह अनोखा पर्व मानव और प्रकृति के बीच के गहरे संबंध का प्रतीक है जो हमें संतुलन, संयम और आत्मनियंत्रण का जीवन-पाठ सिखाता है। मंगलवार की सुबह गया के विभिन्न घाटों पर छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। अर्घ्य के समय पूरा वातावरण 'छठी मइया के जयकारों' से गूंज उठा और शहर की पवित्र धरती आस्था, भक्ति और लोक परंपरा की अलौकिक छटा से आलोकित हो उठी।

ट्रेन की चपेट में आने से दो नाबालिगों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरारू। प्रखण्ड क्षेत्र के गुरारू - इसमाइलपुर रेल स्टेशनों के बीच मंझिआवां गांव के समीप सोमवार को रेल की चपेट में आने से दो नाबालिग गौतम कुमार पिता शिवकुमार पासवान, ग्राम-खगड़ी बिगहा, परैया एवं रंजीत कुमार पिता मुन्ना पासवान, ग्राम -पाली, कोंच की मृत्यु हो गई वहीं विपिन कुमार पिता सीता राम पासवान ग्राम -प्राणपुर, परैया बुरी तरह घायल हो गया। घायल का इलाज गुरारू बाजार के निजी क्लिनिक में चल रहा है। गौरतलब है कि ये तीनों बच्चे छठ पूजा में अपने परिजन मंझिआवां गांव निवासी सुरेंद्र पासवान के घर आये हुए थे। ग्रामीणों ने बताया कि ये तीनों बच्चे रेलवे लाइन पर मोबाइल से रिल बना रहे थे और इतने मशगूल थे कि ट्रेन की आवाज भी नहीं सुन सके और ट्रेन की चपेट में आ गए। इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि माता -पिता की लापरवाही ने बच्चों को मौत के मुंह में ढकेल दिया।

गया में 29 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। 29 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गया में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उप-महानिरीक्षक मानवेंद्र ने अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर क्षेत्रक मुख्यालय (विशेष प्रचालन) गया के कमांडेंट राजेन्द्र भारद्वाज और 29 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गया के कमांडेंट मधुकर अमिताभ उपस्थित रहे। मानवेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक मनाया जाएगा जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती भी शामिल है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष का विषय 'सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी' है जो सभी को ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति सजग रहने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है जिसे समाप्त करने के लिए सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्र को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। मानवेंद्र ने बलकर्मियों से निष्ठा और नैतिक आचरण को अपने कार्य का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अंजय रजक, द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, क्षेत्रक मुख्यालय (विशेष प्रचालन) गया तथा 29 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गया के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और बलकर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और पारदर्शी व्यवस्था के निर्माण का संकल्प लिया।

डीएम ने सूर्यकुंड, देवघाट, गजाधर घाट, गयाजी डैम आदि का किया स्थलीय निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान गया शहरी क्षेत्रों के मुख्य छठ घाटों यथा सूर्यकुंड, देवघाट, गजाधर घाट, गया जी डैम इत्यादि का सोमवार को स्थलीय निरीक्षण किया। विदित हो कि 25 से 28 अक्टूबर 2025 तक कार्तिक छठ पूजा के अवसर पर जिलेभर के भारी तादाद में हिंदू धर्मावलंबी श्रद्धा भाव, शुद्धता से निर्जला व्रत करते हैं। छठ महापर्व के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा शांति व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु सभी तैयारियां पूर्ण की गई है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के क्रम में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लाइटिंग, साफ-सफाई, पेयजल, चेंजिंग रूम, अस्थाई शौचालय, क्रियाशील मैकिंग एड्रेस सिस्टम, नियंत्रण कक्ष, एनडीआरफ, वोट, गोताखोर की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साइनेज, महिलाओं, बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पार्किंग आदि को उन्होंने स्वयं देखा एवं संबंधित पदाधिकारियों को उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन हेतु आवश्यक तैयारियां, दुकानों को सुव्यस्थित करने, श्रद्धालुओं से पार्किंग हेतु अवैध वसूली करने वालों पर कार्रवाई करने, चोर/उचक्के/पॉकेटमारो पर विशेष निगरानी बरतना सुनिश्चित करेंगे। छठ घाटों पर गहरे पानी से सुरक्षा हेतु वोट, एनडीआरएफ, गोताखोर, रस्सी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। डीएम के निदेशानुसार छठ घाटों पर छठव्रतियों के बीच बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के निमित्त स्वीप गतिविधि अंतर्गत मतदान दिवस 11 नवंबर 2025 को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने हेतु मतदाताओं से प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा छठ व्रतियों जो जिनको पैदल चलने में दिक्कत है, वृद्धि हैं, या दिव्यांग श्रद्धालु हैं, उनकी सुविधा के लिए जिला प्रशासन गया द्वारा निशुल्क ई रिक्शा की व्यवस्था मुहैया करवायी गयी।

छठ पर्व पर प्रेम कुमार ने किया गया के घाटों का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। लोकआस्था के महापर्व छठ के अवसर पर मंगलवार की संध्या को सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने गया शहर के विभिन्न छठ घाटों – पिता महेश्वर घाट, रामशिला घाट, नूतन नगर बिंदेश्वरी घाट और किरानी घाट – का दौरा कर सफाई, सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान प्रेम कुमार ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि छठ पर्व बिहार की आस्था, विश्वास और गौरव का प्रतीक है। यह पर्व हमारे सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन का सबसे पावन एवं पौराणिक उत्सव है जिसे सभी बिहारवासी श्रद्धा, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल सूर्य उपासना का प्रतीक है, बल्कि समाज में एकता, स्वच्छता और सेवा की भावना को भी मजबूत करता है। मंत्री ने बताया कि पिता महेश्वर घाट और रामशिला घाट पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया जिससे घाटों की स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि इन घाटों पर पानी का छिड़काव किया गया है तथा व्रतियों और आगंतुकों के लिए चाय-पानी की व्यवस्था भी की गई है। प्रेम कुमार ने जानकारी दी कि नूतन नगर मोहल्ला से दूरभाष पर सफाई की कमी की सूचना प्राप्त होने पर उन्होंने तुरंत नगर आयुक्त से संपर्क कर वहां तत्काल सफाई कार्य कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा किरानी घाट पर नगर निगम द्वारा बनाए गए अस्थायी पुल के क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलने पर प्रेम कुमार स्वयं स्थल पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देश देते हुए कहा कि छठ व्रतियों के सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए क्षतिग्रस्त पुल का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए। उनकी पहल पर नगर निगम की टीम ने देर शाम तक मरम्मत कार्य पूरा किया जिससे श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया जा सका। मंत्री ने बताया कि यह घाट मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत सौंदर्यीकरण कराया गया था और सभी घाटों पर सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था तथा स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी की जा रही है। उन्होंने जिला प्रशासन, नगर निगम, बिजली विभाग और पुलिस बल की सराहना करते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से छठ पर्व की तैयारियां सुचारू रूप से चल रही हैं और श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

छठ पूजा पर डबुर में कीर्तन प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

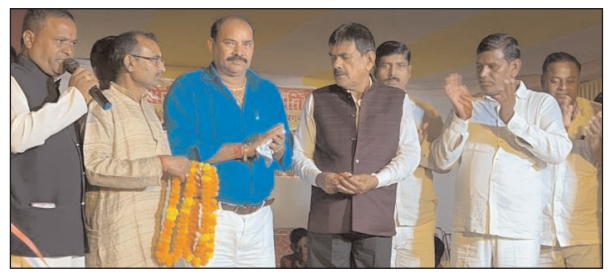

कोंच। क्षेत्रीय छठ पूजा समिति डबुर (देवी स्थान) की ओर से छठ महापर्व के शुभ अवसर पर भव्य कीर्तन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिकंदर पासवान ने की जबकि संचालन श्याम सुंदर यादव ने किया। सभा को संबोधित करते हुए मुखिया प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव ने छठ पूजा के धार्मिक एवं सामाजिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पर्व लोकआस्था, अनुशासन और स्वच्छता का प्रतीक है। वहीं, पैक्स अध्यक्ष बैजनाथ पांडेय ने कहा कि छठ पूजा के आयोजन से समाज में एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश मिलता है। भाजपा नेता डॉ. लालजी यादव ने छठ पर्व के दौरान साफ-सफाई और नदी-घाटों की स्वच्छता पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर बिहार के प्रसिद्ध व्यास रामजी गुप्ता (बक्सर) एवं बुलेट तिवारी (आरा) की उपस्थिति में कीर्तन प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें कई मंडलियों ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मुखिया सह वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव ने किया। मौके पर उपेंद्र यादव, राम विजय यादव, रंजीत दास, उपेंद्र पासवान, शिव बच्चन कुमार, रामानंद पासवान, पवन कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। वहीं चबुरा पंचायत के बरई गांव में भी दुगोला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर लोकआस्था का महापर्व संपन्न

पितामहेश्वर घाट पर उमड़ा श्रद्धा का सागर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। शहर के विभिन्न घाटों घाट पर आज छठ महापर्व के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए हजारों व्रती और श्रद्धालु पहुंचे। जैसे ही सूर्य देव की पहली किरणें नदी के जल पर पड़ीं, पूरा घाट 'छठ माता की जय' के जयघोष से गूंज उठा। पितामहेश्वर बने घाट पर श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था और परंपरा के साथ अपना उपवास तोड़ा। अजय, विजय, विवेक गुप्ता परिवार के महिलाओं ने सूर्य देव को दूध, गंगाजल और फल-सामग्री से अर्घ्य अर्पित किया। रातभर घाटों पर सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। सदर अनुमंडल पदाधिकारी और प्रशासनिक टीम लगातार भ्रमण करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था का जायजा लेते रहे। लोक आस्था के इस महापर्व ने एक बार फिर बिहार की सांस्कृतिक पहचान को जीवंत कर दिया जहां आस्था, अनुशासन और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

श्रद्धा और आस्था के माहौल में शांतिपूर्वक छठ संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखण्ड क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार की सुबह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व का समापन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ हुआ। सुबह 6:27 बजे छठव्रतियों ने घाटों पर पहुंचकर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि एवं समाज की मंगल कामना की। इसके साथ ही व्रतियों ने जल में खड़े होकर सूर्योपासना के इस अनुष्ठान को पूर्ण किया। सोमवार की शाम व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की थी। इस अवसर पर सभी घाटों पर भक्तिमय माहौल बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सूप-दौरा में ठेकुआ, केला, नारियल, नींबू और अन्य प्रसाद सामग्री के साथ पूजा-अर्चना की। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी गई थी। पुलिस बल घाटों पर लगातार गश्त करते रहे ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। वहीं, छठ पूजा समिति के सदस्यों की ओर से व्रतियों को सहयोग प्रदान किया गया। समिति द्वारा पान के पत्ते, आम के दातुन, माचिस, फल, दूध आदि सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया। श्रद्धा और अनुशासन के माहौल में संपन्न इस पर्व ने समाज में एकता और स्वच्छता का संदेश दिया।

68 वर्षीय बुजुर्ग की आहर में डूबने से मौत

नवबिहार टाइम्स सवाददाता

डोभी/ गयाजी। डोभी प्रखंड के पट्टी पंचायत के बूंदा बिघा गांव में मंगलवार को एक दुखद घटना घटित हुई जहां 68 वर्षीय जगदीश मिस्त्री की बूढ़ी आहर में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि जगदीश मिस्त्री सोमवार की शाम को घर से शौच के लिए आहर के पास गए थे, लेकिन रात को घर नहीं लौटे। परिजन व्याकुल होकर इधर-उधर खोजते रहे। सुबह बूंदा बिघा के बूढ़ी आहर में एक व्यक्ति की लाश तैरते हुए दिखाई दी। ग्रामीणों की भीड़ जमा होने लगी तभी एक ग्रामीण तैराक ने पानी में तैरते हुए लाश को बाहर निकाला जिसकी पहचान जगदीश मिस्त्री के रूप में किया गया। घटना की सूचना मिलते ही डोभी प्रखंड के सीओ परीक्षित कुमार एवं बाराचट्टी थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर दी गई जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल भेज दिया गया।

भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने पर आक्रोश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। खिजरसराय थानांतर्गत इस्लामपुर मुख्य मार्ग पर शांति नगर गांव में बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा को रात्रि को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने पर जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सह जिला कार्यक्रम कार्यन्वयन समिति के सदस्य डॉ जितेंद्र कुमार ने आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग डीएम शंशाक शुभंकर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार से की है। डॉ0 कुमार ने कहा कि पिछले 14 फरवरी को भी असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किया गया था और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लिखित कार्रवाई करने का आवेदन पुलिस पदाधिकारी को दिया गया।

अर्घ्य के साथ श्रद्धापूर्वक कार्तिक छठ महापर्व संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वजीरगंज(गयाजी)। वजीरगंज प्रखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्तिक छठ महापर्व मंगलवार की सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य के बाद पारण के साथ श्रद्धा व शांति पूर्वक संपन्न हुआ। वजीरगंज प्रखंड कार्यालय स्थित छठ घाट तालाब सहित तरवां बाजार, हड़ाही स्थान, कुर्किहार, मीरगंज, दखिगांव, पूरा, एरु, सहिया, पुनावा आदि गांवों में छठ घाटों पर कार्तिक छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं एवं छठ व्रतियों ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर से सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। प्रखंड कार्यालय परिसर में अमर ज्योति नवयुवक संघ डाकबंगला श्री छठ पूजा समिति एवं वजीरगंज भरेती बाजार में स्टूडेंट्स क्लब के द्वारा भगवान भास्कर एवं छठी मईया की प्रतिमा स्थापित कर आराधना करते हुए सर्वकल्याण की कामना की गई। इस दौरान वजीरगंज पुलिस प्रशासन भी पूरे मुस्तैद रही। वजीरगंज बीडीओ प्रभाकर सिंह सहित थानाध्यक्ष एवं सीओ के द्वारा तरवां छठ घाट, हड़ाही स्थान छठ घाट एवं वजीरगंज प्रखंड कार्यालय स्थित छठ घाट पर महिला पुलिस बल के साथ विशेष पुलिस बल की व्यवस्था गई थी। सभी छठ घाटों पर अपार भीड़ देखी गई। कुल मिलाकर लोक आस्था का महापर्व कार्तिक छठ प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ।

असामाजिक तत्वों ने मोटरसाइकिल में लगाई आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखंड क्षेत्र के गरारी पंचायत के देवरा देवी मंदिर के समीप एक गली में असामाजिक तत्वों ने देर रात खड़ी मोटरसाइकिल में आग लगा दी। बताया जाता है कि यह मोटरसाइकिल स्थानीय निवासी संतोष साव की थी जो मंदिर के पास अपनी बाइक खड़ी कर घर चले गए थे। रात में किसी शरारती तत्वों ने मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया जिससे वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। मंगलवार के दोपहर लगभग 1 बजे पीड़ित संतोष साव ने इस संबंध में कोंच थाना में लिखित आवेदन दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने स्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी।

बोधगया में एक घर पर ताबड़तोड़ 5 राउंड फायरिंग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। जिले के बोधगया थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में देर रात एक घर पर हमला कर पांच राउंड फायरिंग की गई। इस घटना में घर के कई सदस्य घायल हो गए हैं। पीड़ित परिवार ने बोधगया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि मुख्य आरोपी अभी भी फरार है और पीड़ित परिवार को लगातार धमकी दे रहा है। पीड़ित परिवार के सदस्य हसनैन खान ने बताया कि जितेंद्र यादव अपने कई समर्थकों के साथ उनके घर पहुंचा और ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान पांच राउंड फायरिंग भी की गई। रोड़ेबाजी में परिवार के कुछ सदस्यों को चोटें आई हैं। हसनैन खान के अनुसार यह घटना चंदन यादव और जितेंद्र यादव के बीच हुई लड़ाई में उनके बीच-बचाव करने के बाद हुई। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच राजनीतिक कारणों से विवाद चल रहा था जब हसनैन ने बीच-बचाव किया तो जितेंद्र यादव ने उन्हें धक्का दिया और बाद में उनके घर पर हमला कर दिया। घटना के बाद से पीड़ित परिवार दहशत में है। उन्हें लगातार केस वापस लेने और जान से मारने की धमकियां मिल रही है। परिवार ने बताया कि पांच राउंड फायरिंग का वीडियो भी उनके पास मौजूद है।

नारियल एवं फल का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच (गयाजी)। आस्था का महान पर्व पर जिले के कोंच प्रखण्ड के कोंचेश्वरनाथ एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में छठ पूजा के संध्या अर्घ्य के अवसर पर सोमवार को 151 नारियल फल का वितरण किया गया। वहीं प्रातःकालीन अर्घ्य पर श्रद्धालुओं के बीच नींबू, चीनी और पानी की बोतलें भी वितरित की गईं। इस सेवा कार्य में ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से बिनीत कुमार, अरुण पाठक, प्रति कुमारी, राजीव कुमार, शौरभ, सोनू, विकास, अमन एवं अन्य सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ट्रस्ट द्वारा किए गए। इस सामाजिक कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

एसएसपी ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। एसएसपी आनन्द कुमार ने शहर के कई महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अपने मातहतों को जांच पड़ताल में पूरी सख्ती बरतने व आम अवाम से सहजता से पेश आने की नसीहत भी दी। गौरतलब है कि गयाजी दूसरे चरण के तहत मतदान है। मतदान 11 नवम्बर को होगा। इसकी तैयारी दिन रात पुलिस व प्रशासन की ओर से युद्धस्तर पर चल रही है। उन्होंने सबसे पहले ओटीए गेट संख्या-5 स्थित चेक पोस्ट का जायजा लिया जहां तैनात पुलिस पदाधिकारियों से सुरक्षा तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद एसएसपी एयरपोर्ट मोड़ हरिओ स्थित एसएसटी पोस्ट और मगध विश्वविद्यालय के डिस्पैच सेंटर पहुंचे। उन्होंने वहां की व्यवस्था की भी बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने चुनाव के दौरान शांति एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पुलिस बल को सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामाजिक तत्व पर तुरंत तेजी से कार्रवाई की जाए। साथ ही संवेदनशील व अति संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी रखने और रात्रि गश्ती को और तेज करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का पर्व है और इसे पूरी शांति, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सनातन और ब्राह्मण को गाली देना फैशन : मंगलानंद मिश्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरारू। गुरूआ विधान सभा ब्राह्मण एकता परिषद के अध्यक्ष सह वरिष्ठ पत्रकार मंगलानंद मिश्र ने कहा कि पिछले कुछ सालों से गंदी राजनीति के तहत सनातन धर्म एवं इसके रक्षक ब्राह्मणों को गाली देना फैशन बन चुका है। साथ ही साथ कहा कि सनातन धर्म एवं ब्राह्मणों को गाली देने वाले प्रत्याशी को विधानसभा चुनाव में उनके द्वारा रामायण-महाभारत जलाने, विरोध करने, गाली देने की बातों को बताते हुए उनका पूरजोर बहिष्कार करें। चाहे वह व्यक्ति किसी भी पार्टी का उम्मीदवार हो। वैसे उम्मीदवार को वोट का बोहनी होने नहीं दें। चुनाव के पूर्व वैसे उम्मीदवार सनातन धर्म एवं उनके अनुयाइयों को गाली देते एवं धर्म शास्त्रों का आलोचना करते हुए देखे जाते हैं। पार्टी का टिकट मिलते ही लंबा-लंबा टिक और टीका के साथ-साथ अंगुलियों में कीमती धातुओं और पत्थरों की अंगूठियों पहन कर एवं हाथ में मोटा कलेवा बांधकर सनातन धर्मावलंबियों के बीच वोट मांगने को उतर जाते हैं। ऐसे बहुरूपिए उम्मीदवारों को पहचान कर आज उन्हें वायकाट करने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि मैं ऐसे विधर्मी उम्मीदवारों से पूछना चाहता हूं कि जब रामायण, महाभारत, ब्राह्मण का आपके अनुसार अस्तित्व हीं नहीं तो फिर रामायण -महाभारत के पात्रों के नाम पर आपने स्वयं का, अपने संतानों, पार्टियों का नाम कैसे रखा? रामायण के धर्म पारायण पात्रों को अपने जाति का मान कर पूजा क्यों कर रहे हैं? उनके गोत्र के आप कैसे हो गये? श्री मिश्र ने सनातन धर्मियों को आह्वान करते हुए कहा कि आज वैसे उम्मीदवार को पहचान कर उन्हें चुनाव में हरा सबक सिखायें ताकि भविष्य में ऐसे उम्मीदवार सनातन धर्म का दुष्प्रचार करने का साहस नहीं कर सकें। धर्मों रक्षति धर्म।

झूठ बोलना, भ्रम फैलाना महागठबंधन की कार्यप्रणाली : ऋतुराज

बिहार के लोग अब 'लालटेन' को कभी नहीं आने देंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने आज विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए जोरदार निशाना साधा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि झूठ बोलना, भ्रम फैलाना और भय के वातावरण का निर्माण करना महागठबन्धन की कार्यप्रणाली बन गई है जिससे वोट प्राप्त किया जा सके। भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि कल रात तेजस्वी यादव ने अपने फेसबुक लाइव में पलायन की चर्चा की जिसमें उद्योग की कमी का उल्लेख किया। उन्होंने तेजस्वी यादव को याद कराते हुए कहा कि वह 1990 का कालखंड था और राजद सत्ता में थी। जब बिहार पूरी तरह से लड़खड़ाया, उद्योग धंधे और कारोबारी भाग गए। उस दौर में जंगलराज का वातावरण बना था। उद्योग लगाने वाले यहां आना तक नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा कि अगर आज तेजस्वी यादव को सच में पलायन की चिंता है तो उन्हें अपने पिताजी और माताजी से पूछना चाहिए कि उस दौर में ऐसी परिस्थिति क्यों बनी? उनके मामा लोगों ने बिहार में ऐसा आतंक फैलाया कि पढ़ाई, कमाई या किसी उद्योग से जुड़े लोगों को बिहार में रहना मुश्किल हो गया।

उन्होंने तेजस्वी यादव के सभी घरों में नौकरी देने के वादे को लेकर कहा कि जनता सब समझती है। जनता जानती है कि 2.50 करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी देनी होगी। उन्होंने माई बहिन मान योजना को लेकर भी कहा कि आज भी महिलाएं जंगलराज के उस दौर को नहीं भूली हैं जब महिलाएं घर से नहीं निकलती थीं। आज महिलाओं को डबल इंजन की सरकार ने संबल प्रदान किया है। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने तेजस्वी यादव के 'बाहरी शक्तियों' को लेकर कहा कि क्या प्रधानमंत्री बाहरी हैं? पीएम मोदी आज बिहार के विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। बिहार के लिए अगर वे कुछ करना चाहते हैं तो तेजस्वी यादव के पेट में दर्द क्यों है? देश और बिहार के लोग नरेंद्र मोदी को नेता मान चुके हैं। उन्होंने कहा कि बिहार अब विकास की ओर आगे बढ़ चुका है। अब यहां के लोग कभी लालटेन को नहीं आने देंगे। इस दौरान उन्होंने महागठबंधन के रिपोर्ट कार्ड भी जारी किया। उन्होंने कहा कि जनता सही चुनाव करेगी। लालटेन बुझेगा और बिहार विकसित बनेगा। इस प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलू और प्रभात मालाकार उपस्थित रहे।

विजय प्रकाश ने किया पत्नी डॉ मृदुला प्रकाश संग भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अवकाश प्राप्त आईएएस अधिकारी और बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश ने छठ पर्व के अवसर पर अपनी पत्नी डॉ मृदुला प्रकाश के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। दोनों ने पूरे श्रद्धा और विधि-विधान से छठ पूजा संपन्न की। विजय प्रकाश ने कहा कि छठ व्रत बिहार की लोक संस्कृति, आस्था और सनातन परंपरा का भव्य संगम है जो समाज में अनुशासन, स्वच्छता और पारिवारिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने इसे लोक आस्था का ऐसा पर्व बताया जो जीवन में संतुलन और समर्पण की भावना को मजबूत करता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को छठ की शुभकामनाएं दीं और कहा कि सूर्य उपासना का यह पर्व मानव और प्रकृति के बीच संतुलन का प्रतीक है।

राहुल गांधी की पहली चुनावी सभा सकरा, मुजफ्फरपुर और दरभंगा में आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का आगमन 29 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर के सकरा विधानसभा क्षेत्र और दरभंगा में महागठबंधन समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ संयुक्त रूप से जनसभा को संबोधित करेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का विधानसभा चुनाव में यह पहला बिहार दौरा है और वहां सकरा सुरक्षित विधानसभा के प्रत्याशी उमेश राम के समर्थन में पहली जनसभा को संबोधित करेंगे जिसके बाद वे दरभंगा में राजद और महागठबंधन के उम्मीदवार की सभा को संबोधित करेंगे। बताते चलें कि इससे पहले देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 16 दिनों तक लगातार बिहार में रहकर 1300 किमी की यात्रा की। इसके बाद वे विधानसभा चुनाव में पहली जनसभा महागठबंधन के प्रत्याशियों के लिए संयुक्त रूप से आयोजित होगी।

एनटीपीसी कहलगांव में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कहलगांव। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार एनटीपीसी लिमिटेड के कहलगांव सुपर थर्मल पावर स्टेशन में सतर्कता विभाग द्वारा 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस सप्ताह का शुभारंभ चाणक्य सभागार में परियोजना प्रमुख रवीन्द्र पटेल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर श्री पटेल ने उपस्थित महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधियों तथा कर्मियों को भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, ईमानदारी एवं पारदर्शिता बनाए रखने तथा जीवन के सभी क्षेत्रों में निष्ठा से कार्य करने की शपथ दिलाई। एनटीपीसी गीत के साथ सतर्कता शपथ भी ली गई। अपने संबोधन में श्री पटेल ने कर्मियों से कहा कि वे निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और आत्मसंतोष को जीवन का आधार बनाएं। उन्होंने कहा कि चरित्र निर्माण ही भ्रष्टाचार-मुक्त राष्ट्र निर्माण की नींव है। इस अवसर पर श्री शौविक बरुआ, अपर महाप्रबंधक (सतर्कता) ने बताया कि इस वर्ष का विषय 'सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी' है। उन्होंने सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाली निबंध, भाषण, चित्रकला, नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी और अन्य प्रतियोगिताओं की जानकारी दी तथा सभी कर्मचारियों, दीप्तिनगर की महिलाओं और स्कूली बच्चों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस दौरान एनटीपीसी के सीएमडी और सीवीओ का संदेश भी पढ़ा गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारीगण, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में एनटीपीसी कर्मचारी उपस्थित रहे। समापन पर कर्मियों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महागठबंधन का घोषणा पत्र खोखले दावों का पुलिंदा : रविशंकर प्रसाद

राजद को बताया भ्रष्टाचार की पाठशाला, तेजस्वी पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने महागठबंधन के घोषणा पत्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे 'खोखले दावों का पुलिंदा' बताते हुए कहा कि इस घोषणा पत्र को बनाने वाले भी जानते हैं कि 'उनकी सरकार बनने वाली नहीं है, इसलिए मनचाहे वादे करने में कोई बुराई नहीं समझते।' पटना में भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह घोषणा पत्र संयुक्त नहीं बल्कि तेजस्वी यादव का व्यक्तिगत प्रण है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें बिहार की जनता को लोकलुभावन तस्वीर तो दिखाई गई है, लेकिन न कोई नया रंग है, न बदलाव का कोई संकल्प। रविशंकर प्रसाद ने कहा घोषणा पत्र में अपराध पर तो जीरो टॉलरेंस की बात कही गई है, लेकिन भ्रष्टाचार पर चुप्पी साध ली गई है। दरअसल, जो नया विजन देने की बात कर रहे हैं, वे खुद 420 के आरोपी हैं। राजद भ्रष्टाचार की पाठशाला है–यही उनका अतीत, वर्तमान और भविष्य है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर अपराध पर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं तो यह भी कहना चाहिए कि अब मुख्यमंत्री आवास से अपराधियों से बात नहीं होगी और राजद के गुंडे जमीन नहीं छीनेंगे। छठ पर्व को राजनीति में लाने के लिए तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि छठ को राजनीति में मत घसीटिए। यह आस्था का पर्व है, इसे वोट की राजनीति का हिस्सा न बनाइए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कटाक्ष किया कि यह न राहुल गांधी का प्रण है, न महागठबंधन का, बल्कि तेजस्वी यादव का निजी सपना है। उन्होंने कहा कि जैसे विवाह से पहले परिवार का अतीत देखा जाता है, वैसे ही राजद के अतीत को भी जनता याद रखेगी – लालू-राज के कुशासन को बिहार भूल नहीं सकता। विकास के दावों पर उन्होंने कहा कि बिहार में जो भी काम हुए हैं वह नीतीश कुमार की सरकार के दौरान हुए जबकि राजद के भ्रष्टाचार ने ही गठबंधन तोड़ने पर मजबूर किया।

एमआइजी पार्क, कंकड़बाग में श्रद्धा और आस्था के साथ महापर्व छठ संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का आयोजन इस वर्ष राजधानी पटना में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। गंगा घाटों के अतिरिक्त विभिन्न मोहल्लों में बने पार्कों में भी श्रद्धालुओं ने परंपरागत रीति से सूर्य देव और छठी मईया को अर्घ्य अर्पित किया। कंकड़बाग स्थित 100 एमआईजी पार्क में भी इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। यहां वन विभाग एवं नगर निगम द्वारा उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी। वन विभाग ने पार्क में बने टाइल्सयुक्त सुंदर छठ घाट की पूरी सफाई कर स्वच्छ जल भरा तथा गंगा जल भी मिलाया गया। वहीं नगर निगम ने महिलाओं के वस्त्र परिवर्तन हेतु सुसज्जित चेंजिंग रूम की व्यवस्था की जिसका सैकड़ों महिलाओं ने उपयोग किया बिहार प्रादेशिक अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष एवं समाजसेवी डॉ. गीता जैन ने प्रातःकाल सभी श्रद्धालुओं के लिए चाय-बिस्कुट की व्यवस्था कराई। अशोक नगर, डी एवं जे सेक्टर की सैकड़ों महिलाओं सहित उपस्थित जनों ने अर्घ्य अर्पण के बाद इस सत्कार का आनंद लिया। कार्यक्रम में एम.पी. जैन ने बताया कि इस अवसर पर बांकीपुर की तनुजा अग्रवाल सहित कॉलोनी के जय शंकर तिवारी, गिरिजा देवी, डॉ. परमेश्वर पांडे, हेमचंद आर्य, विशाल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार लव मिश्रा, एडवोकेट छाया मिश्रा, एम.पी. दास, रत्नाकर प्रसाद, चंदू जी, राजीव प्रसाद सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और अस्ताचल एवं उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठी मईया से आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन में शांति, स्वच्छता और श्रद्धा का सुंदर संगम देखने को मिला।

महादेवपुरी में उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना के महादेवपुरी में उदयीमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित किया गया। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही सूर्योपासना का महापर्व कार्तिक छठ संपन्न हो गया। लोक आस्था, आरोग्य, शुद्धता, पवित्रता एवं विश्वास का प्रतीक छठ महापर्व जो प्रकृति और सूर्य की उपासना का उत्सव है, के पावन अवसर पर राजकुमारी निवास, महादेवपुरी, शांतिपथ, गर्दनीबाग, पटना में छठ पूजा का प्रथम दिन संध्या अर्घ्य बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुजनों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार, समाज और समस्त मानवता के सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नीतू कुमारी श्रीवास्तव, रजनीश सिन्हा, सुबोध कुमार, शबनम सिन्हा, सौम्या, सूर्यांशु, आरव सिन्हा, आश्वी सिन्हा, प्रियंका सिन्हा, प्रीतम भारद्वाज, अमित कुमार पाण्डेय, सोनल सिन्हा तथा अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे वातावरण में भक्ति, उत्साह और लोक परंपरा की अलौकिक छटा छाई रही। नीतू कुमारी श्रीवास्तव और शबनम सिन्हा ने छठ व्रत रखा था। आज सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित किया गया। उसके बाद ही व्रतधारियों ने अन्न ग्रहण किया।

पावरग्रिड पूर्वी क्षेत्र-1, पटना में सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू

'सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी' थीम पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पावरग्रिड पूर्वी क्षेत्र-1, शास्त्री नगर, पटना में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का उद्घाटन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय के सभागार में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद महाप्रबंधक (मानव संसाधन) रजत प्रसाद ने सभी कर्मचारियों और सहयोगियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रजत प्रसाद ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की थीम 'सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी' के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर नैतिकता, ईमानदारी और पारदर्शिता अपनाना हर कर्मचारी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे अपने कार्यों में निष्ठा और पारदर्शिता को प्राथमिकता दें जिससे संस्था में जवाबदेही और विश्वास की संस्कृति मजबूत हो। कार्यक्रम के समापन पर उपमहाप्रबंधक (सतर्कता) संजय कुमार ने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान जन-जागरूकता अभियानों, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रदर्शन और संवाद सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिकों में भी सतर्कता और पारदर्शिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। संजय कुमार ने सभी उपस्थित कर्मचारियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उद्घाटन समारोह को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के तहत मुख्यालय गार्डन रीच में अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी सुशासन के मूल आधार हैं। उन्होंने सभी से अपने कार्यों में निष्ठा, जिम्मेदारी और पारदर्शिता बनाए रखने का आग्रह किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है जिनका उद्देश्य भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संगठन में ईमानदारी की संस्कृति को सशक्त बनाना है।

डॉ. दिलीप जायसवाल पहुंचे भागलपुर, कार्यकर्ताओं को दिया चुनाव में जीत का मंत्र

कार्यकर्ता का समर्पण, मेहनत और जनता के प्रति जुड़ाव ही हमारी सबसे बड़ी ताकत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल आज भागलपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों की जीत को लेकर रणनीति तैयार की। इस दौरान उन्होंने जीत के लिए संकल्प लेकर आगे बढ़ने का मंत्र दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल भागलपुर सदर विधानसभा के प्रधान कार्यालय में भागलपुर विधानसभा प्रत्याशी रोहित पांडेय के साथ जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और क्षेत्र की रणनीति, संगठनात्मक मजबूती तथा जनसंपर्क अभियान पर विचार-विमर्श किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि हर कार्यकर्ता का समर्पण, मेहनत और जनता के प्रति जुड़ाव ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की यह ऊर्जा और एकजुटता एनडीए को एक बार फिर ऐतिहासिक जीत की ओर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास, कार्यकर्ताओं का परिश्रम बिहार के विकास का नया अध्याय लिखेगा। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के उत्साह और जनता के अपार समर्थन के बल पर भाजपा प्रदेश में विकास, सुशासन और विश्वास की नीति को और सशक्त बनाएगी, यही हमारा संकल्प है। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल नवगछिया जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में बिहपुर विधायक शैलेंद्र कुमार के साथ जिले के प्रमुख कार्यकर्ताओं की आयोजित बैठक में सम्मिलित हुए। इस दौरान आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन की तैयारियों, बूथ स्तरीय मजबूती एवं जनसंपर्क अभियानों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरे के क्रम में पूर्णिया जिले के बायसी विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल पहुंचे और यहां एनडीए प्रत्याशी विनोद यादव के साथ कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

संतोषा काम्पलेक्स, बंदर बगीचा, पटना में श्रद्धा व उल्लास के साथ छठ महापर्व संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोक आस्था के महान पर्व छठ पूजा का आयोजन संतोषा काम्पलेक्स, बंदर बगीचा, पटना में पूरे पारम्परिक और सात्विक रीति से किया गया। यहां पर गत 20 वर्षों से निरंतर इस पर्व को सामूहिक रूप से मनाया जाता रहा है। एम पी जैन ने बताया कि इस अवसर पर सुषमा रिटोलिया, बबीता विदेसरिया, सुशीला सत्यदर्शी, संजय, संगीता गोयल एवं डॉ. स्पर्श गोयल ने विधिवत छठ व्रत रखा। व्रतियों द्वारा 94 सुप का अर्घ्यदान देकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। प्रातः कालीन अर्घ्य के समय लगभग 300 श्रद्धालु भक्तों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्यदान दिया और छठी मईया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में ऑल इंडिया ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन सुनील जे. सिंधी भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस प्राचीन पारम्परिक और सात्विक त्यौहार का हिस्सा बनकर मुझे अत्यंत शांति और सुखद अनुभव हुआ। छठ पूजा हमारे भारतीय संस्कारों और लोक आस्था की अनुपम अभिव्यक्ति है। संपूर्ण आयोजन में भक्तों ने अनुशासन, श्रद्धा और सामूहिक सहयोग की मिसाल प्रस्तुत की।

आशीर्वाद आटा ने छठ पूजा को बनाया वर्चुअल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। छठ पूजा की परंपरा अब डिजिटल रूप ले चुकी है। आशीर्वाद शुद्ध चक्की आटा ने 'घर जैसा छठ' पहल के तहत भक्तों को कहीं से भी छठ मनाने की सुविधा देने वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया है। कंपनी ने आशीर्वाद छठ एक्सपीरियंस एक इंटरएक्टिव साइट लॉन्च की है जो कहानी, संगीत और दृश्य अनुभवों के माध्यम से छठ पूजा की पूरी प्रक्रिया को जीवंत करती है। इस प्लेटफॉर्म पर भक्त ठेकुआ बनाने से लेकर सूर्य को अर्घ्य देने तक के सभी अनुष्ठानों का वर्चुअल अनुभव ले सकते हैं। साइट पर छठ गीतों की मधुर धुन और घाटों की आवाज के साथ पूजा के हर चरण को विस्तार से दिखाया गया है। उपयोगकर्ता छठ-थीम वाले फ्रेम में सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर साझा भी कर सकते हैं। उत्सव की भावना को और प्रबल करने के लिए आशीर्वाद 25 से 31 अक्टूबर तक प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। माइक्रोसाइट पर यात्रा पूरी कर सेल्फी साझा करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक इनाम जीतने का अवसर मिलेगा। आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीजन के बीयू चीफ एक्जीक्यूटिव अनुज रस्तगी ने कहा कि यह पहल परंपरा और आधुनिकता के संगम का प्रतीक है। इससे लोग अपने घर बैठे छठ के सभी अनुष्ठानों का आनंद उठा सकेंगे और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहेंगे। आशीर्वाद ने इस अवसर पर मधुबनी कला से सजे सीमित संस्करण वाले छठ पैक भी लॉन्च किए हैं जिनमें पद्मश्री दुलारी देवी की कला को प्रदर्शित किया गया है। प्रत्येक पैक पर दिया गया क्यूआर कोड भक्तों को सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ता है जिससे वे घर बैठे छठ की परंपरा का अनुभव कर सकें।

संपादकीय

कब मिलेगी राहत

छठ पर्व शुरू हो चुका है, लेकिन बिहार के लोगों की घर पहुंचने की जद्दोजहद जारी था। रेलवे के मुताबिक, इस बार 12 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं और पिछले साल की तुलना में इस बार विशेष रेलगाड़ियां 56न ज्यादा फेरे लगाएंगी। हालांकि बिहार जाने वाली ट्रेनों से आ रही तस्वीरें बता रही हैं कि इतने इंतजाम भी पर्याप्त साबित नहीं हो रहे।बिहार के लिए किसी भी ट्रेन में पैर रखने तक की जगह नहीं है। रिजर्वेशन बेमायने हो गए हैं और रातभर खड़े रहकर या उकड़ू बैठकर यात्रा करना आम। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाया, तो जवाब में रेलवे की तरफ से कहा गया कि त्योहारों के समय भीड़ स्वाभाविक है और विभाग यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार प्रयासरत है।लेकिन, यह स्थिति केवल इस बार की नहीं है। हर साल त्योहारों पर, खासकर छठ पर ट्रेनों में जगह मिलना जंग जीतने की तरह हो जाता है। स्पेशल ट्रेनें हर साल चलाई जाती हैं, पर उसी अनुपात में लगता है कि भीड़ भी बढ़ जाती है। इस समस्या के दो पहलू हैं - रेलवे इंफ्रा और पलायन। पिछले 10 साल में करीब 34 हजार नई रेल लाइन बिछाई गई है। इस दौरान वंदेभारत और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी नई ट्रेनें उतारी गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रेलवे को अब तक का सबसे बड़ा 2.65 लाख करोड़ रुपये का बजट मिला है। इसमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यात्री सुविधाओं में सुधार पर फोकस है। विशेषकर नई रेलवे लाइन के लिए 32.23 हजार करोड़ रुपये अलॉट किए गए हैं। यह तो हुई आंकड़ों की बात। सच यह है कि इसके बावजूद बिहार जाने वाले यात्रियों के हिसाब से ट्रेनों की कमी है।इस समस्या का दूसरा पहलू जुड़ा है पलायन से। मन से किए गए विस्थापन और मजबूरी के विस्थापन में गहरा अंतर है। बिहार की एक बड़ी आबादी रोजी-रोटी के संकट की वजह से घर छोड़ती है। इस बार विधानसभा चुनाव प्रचार में प्रशांत किशोर ने यह मुद्दा उठाया भी, लेकिन इसे जितनी तवज्जो मिलनी चाहिए थी, नहीं मिली। चुनाव की वजह से इस बार बिहार की ट्रेनों में भीड़ की तरफ नेताओं का ध्यान गया और इस पर चर्चा हुई। लेकिन, यह समस्या केवल चुनावी नहीं है। दूरगामी उपाय तो किए ही जाने चाहिए, ऐसे फौरी कदम भी उठाए जाएं जिससे त्योहार संघर्ष का मौका बनकर न रह जाए।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला ज़हर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर [ालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

(ललित गर्ग)

प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है।

हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की

गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके।

इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है।

दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता- स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अक्षय उर्जा का सर्वोत्तम स्रोत -सूर्य की आराधना महापर्व छठ

पंकज कुमार

अक्षय उर्जा के सर्वोत्तम स्रोत सूर्य अपनी साम्यवाद का अप्रतिम उदाहरण है , आज संपूर्ण विश्व इसके शोध ,संवर्धन और इसके प्रयोग के साथ पर्यावरण की स्वीकार्यता पर विशेष रुप अपनी कार्ययोजना बना जा रहा है और वैश्विक स्तर पर इसका प्रयोग से धरती के वातावरण को संतुलत करने का प्रयास जारी है ताकि जल ,जीवन और जंगल को बचाया जा सके ।

संपूर्ण विश्व ,जिस संकल्पना की ओर बढ़ रहा है, वह हमारे संस्कृति में महापर्व छठ के रुप में पहले से ही रची बसी है और ई. पूर्व से ही संदेश दे रही है कि अक्षय ऊर्जा के सर्वाधिक प्रयोग में ही विश्व का कल्याण निहित है ।

महापर्व छठ पर यूं तो कई कथा और किवदंतियां है पर इसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को हमारे मनीषियों ने विभिन्न प्रयोगों की कसौटियों के आधार पर हजारों वर्ष पूर्व ही बता दिया था ।

उर्जा के सर्वोत्तम स्रोत सूर्य की आराधना महापर्व छठ की रुप में बिहार से निकलती है और विश्व को अस्ताचलगामी सूर्य के अर्ध्य देने के माध्यम से दो सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए , इसके समाजिक और वैज्ञानिक पहलू पर संदेश देती है-

÷ उदेति सविता ताम्र-ताम्र स्वास्तमेति ÷ अर्थात जिसप्रकार उगते हुए सूर्य और डूबते हुए सूर्य का रंग ताम्र का होता है और दोनो ही पहर के सूर्य का प्रकाश हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है, उसी प्रकार हम केवल उदयमान या सामर्थ्यवान को ही प्रणाम नहीं करते, हम उनको भी प्रणाम करते है जो हमारे लिए जले हैं,भले ही वे आज वह अंधकार की गोद में समा गए हैं ।

औरंगाबाद जिले में स्थित सूर्य भगवान को समर्पित देव मंदिर, भारत के कुछ गिने चुने मंदिरों में एक है जो पूर्वाभिमुख न होकर पश्चिमाभिमुख है। मंदिर के द्वार पर पाली में लिखित शिलालेख से जानकारी प्राप्त होती है कि इसकी शिल्प कला में नागर, द्रविड़ और वेसर शैली का प्रभाव है,जिससे स्पष्ट होता है कि इसका निर्माण काल छठी-आठवीं सदी के बीच का है जो मंदिर के साथ महापर्व के प्रचीनतम होने की ओर इसारा करते है। मंदिर का शिल्प उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मंदिर से मिलता है। देव सूर्य मंदिर दो भागों में बना है। पहला गर्भगृह जिसके ऊपर कमल के आकार का शिखर है और शिखर के ऊपर सोने का कलश है। दूसरा भाग मुखमंडप है जिसके ऊपर पिरामिडनुमा छत और छत को सहारा देने के लिए नक्काशीदार पत्थरों का बना स्तम्भ है। तमाम हिन्दू मंदिरों के विपरीत पश्चिमाभिमुख देव सूर्य मंदिर देवार्क माना जाता है

चार दिन की कठिन साधना का महापर्व छठ के चौथे और अंतिम दिन, यानी सप्तमी तिथि को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है. इसे उषा अर्घ्य कहा जाता है जिन्हें भोर की देवी भी कहा जाता है का आमंत्रण पृथ्वी के सबसे नाजुक चीज केले के पत्ते या लचकते हुए बांस की बनी सूप से अर्ध्य के माध्यम से ब्रहमांड के सबसे प्रखर तत्व को आमंत्रित किया जाता है, न कोई विधि, न कोई विधान, अपने घर का बना प्रसाद, न किसी पुरोहित की जरुरत, सूर्य आपका , कुंड/नदी तट आपका,आमंत्रण आपका, समर्पण आपका ,अमीर हो या गरीब, शुचिता इसमें सबसे महत्वपूर्ण।

प्रकृति के प्रति आस्था, समर्पण और अक्षय ऊर्जा के सर्वोत्तम प्रयोग से ही विश्व का विकास संभव है और लोक आस्था का महापर्व छठ इसका अप्रतिम उदाहरण है ।

(लेखक उप-महाप्रबंधक, पी. वी . यू. एन. एल. पतरातू हैं)

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प प्रशासन के 50 प्रतिशत टैरिफ का कोई असर नहीं

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है।

(प्रह्लाद सबनानी)

माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है।

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है। भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है।

भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है।

सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टूबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चत्तम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वापिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टत- अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है।

अमेरिका में बैंकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लगभग 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)।

Bihar_page 12 29.05.2025.qxd 28-10-2025 23:27 Page 1

लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ संपन्न

नवबिहार टाइम्स टीम

नारदीगंज/नवादा/बिहारशरीफ। चार दिवसीय लोक आस्था का छठपर्व ऐतिहासिक द्वापरकालीन हंडिया सूर्य मंदिर छठघाट समेत अन्य छठघाट में मंगलवार को सूर्य को अर्ध्य देने के संपन्न हो गया। ऐतिहासिक द्वापरकालीन हंडिया स्थित सूर्य मंदिर छठ घाट पर हजारों छठव्रतियों व श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्ध्य देकर मन्नतें मांगी। इस छठ घाट पर बीडीओ सोनिया ढनढननिया, सदर एसडीपीओ 2 राहुल कुमार,थानाध्यक्ष राहुल अभिषेक पुलिस बल के साथ फायर ब्रिगेड की टीम के साथ प्रशासनिक अधिकारी छठ घाटों पर आने जाने वाली सभी व्रतियों की सुरक्षा को लेकर पैनी नजर रख रहे थे। हंडिया छठ घाट आने जाने वाले छठव्रतियों व श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क चाय और बिस्कुट की व्यवस्था की गई । सीएचसी के सौजन्य से दो दिवसीय से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

नवयुवक संघ हंड़िया के अध्यक्ष रोशन कुमार,सचिव अभिषेक कुमार समेत अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। हंडिया पचेया सड़क मार्ग में काफी भीड़ बनी रही।काफी मशक्कत के बाद लोग सड़क पार कर रहे थे।इसके अलावा नारदीगंज बाजार,आदर्श युवा क्लब अब्दलपुर पड़रिया के सौजन्य से नारदीगंज पवार सब ग्रिड के निकट व रॉयल क्लब द्वारा निर्मित पंचाने नदी छठघाट, नारदीडीह छठघाट, ओड़ो,कोसला, रामें अन्य गांवों में छठव्रती व श्रद्धालुओं ने अर्ध्यदान किया। इससे पूर्व सोमवार की शाम छठव्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर मन्नतें मांगी ।

इधर, रायल क्लब के सौजन्य से स्थापित भगवान भास्कर की प्रतिमा को श्रद्धा व उत्साह से पूजा अर्चना किया गया।।चार दिवसीय कार्तिक छठपूजा व सूयोर्पासना को लेकर नारदीगंज बाजार में रायल क्लब के सौजन्य से स्थापित भगवान भास्कर की प्रतिमा को श्रद्धा व उत्साह से मंगलवार को पूजा अर्चना किया गया। यह पूजनोत्सव भक्ति भाव से श्रद्धालुओं ने किया। इस दौरान पंडित राजेन्द्र मिश्र और विपिन मिश्र ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर विधिवत पूजा अर्चना कराये। यजमान की भूमिका बाजार निवासी राहुल सिंह ने निभाया। मौके पर उपस्थित लोगों ने भक्ति भाव से भजन कीर्तन किये।जिससे आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। मौके पर क्लब के अध्यक्ष हाजरी प्रसाद, उपाध्यक्ष सुनील चौधरी,सदस्य धर्मेंद्र कुमार उर्फ बुला, राकेश कुमार समेत काफी संख्या में लोग शरीक हुए।

बिहारशरीफ से संवाददाता के अनुसार दीपनगर स्थित वास्तु विहार परिसर में इस वर्ष छठ पर्व का आयोजन बड़े ही श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ किया गया। पूरे परिसर में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। छठ पूजा के अवसर पर परिसर स्थित स्विमिंग पूल को सुंदर छठ घाट में तब्दील कर दिया गया। इसे रंग-बिरंगे फूलों, गुब्बारों और आकर्षक लाइटों से सजाया गया था। छठ मइया के गीतों और दीपों की रौशनी से जगमगा उठा। वास्तु विहार परिसर में रंगोली बनाये गए थे। कलश से परिसर को सजाया गया था।

व्रती महिलाओं ने परंपरागत विधि-विधान के अनुसार खरना, संध्या अर्घ्य और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य देव से परिवार की सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की। इस अवसर पर बच्चे, महिलाएं और पुरुष सभी मिलकर पूरे आयोजन में भाग लेते दिखे। सभी ने एक-दूसरे को छठ की शुभकामनाएं दीं और सामूहिक भक्ति का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया। मंगलवार की सुबह छठ घाट पर चाय,मिठाई, गोलगप्पा,चाट,पानी आदि की व्यवस्था वास्तु विहार परिवार की ओर से की गई थी। लोगो ने इसका भरपूर लुप्त उठाया।

पूरे आयोजन में सामूहिक सहयोग और समर्पण भावना झलकती रही। कार्यक्रम की तैयारी में वास्तु विहार परिसर के सभी निवासियों ने मिलकर योगदान दिया। खास तौर पर राजीव कुमार वर्मा, अजय पटेल, सतीश कुमार वर्मा, शशिकांत, डॉ. के.के. मणि, राकेश कुमार सहित कई अन्य लोगों ने सजावट, व्यवस्था और पूजा आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

परिसर के लोगों ने कहा कि इस तरह के सामूहिक आयोजन से एकता, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द की भावना और मजबूत होती है। छठ मइया की अराधना के साथ सभी ने प्रदेश और देश की खुशहाली, शांति और प्रगति की कामना की।

वास्तु विहार परिसर में मनाया गया यह छठ पर्व न केवल धार्मिक उत्सव रहा बल्कि सामुदायिक एकता और आस्था का प्रतीक बन

नौ दिवसीय देवी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। कौआकोल प्रखण्ड के महुडर गांव स्थित पूर्वी देवी स्थान में मंगलवार को श्री श्री 1008 श्री पराम्बा माँ जगदम्बा महारानी देवी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। जिसको लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में शामिल सैकड़ो महिलाएं अपने अपने सर पर कलश रखकर महुडर,गुआघोघरा,मननपुर आदि गांवों का भ्रमण किया। इसके बाद यज्ञशाला में विधिवत कलश स्थापित कर पूजा अर्चना की शुरूआत किया गया। आयोजनकताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार देवभूमि उत्तराखंड, हरिद्वार से आए यज्ञाचार्य श्रीकांत कुमार शास्त्री की देखरेख में नौ दिनों तक चलने वाले इस यज्ञ में श्रीराम कथा का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें अयोध्याधाम के श्रीअमृता त्रिपाठी के मुखारविंद से प्रवचन किया जाएगा। यज्ञ में यजमान की भूमिका स्थानीय ग्रामीण वासुदेव महतो,विक्रम महतो आदि निभा रहे हैं। जबकि यज्ञ को सफल बनाने में सन्तोष कुमार,रणजीत कुमार,ललन कुमार,सुधीर लाल समेत दर्जनों ग्रामीण जोर-शोर से लगे हैं।

11 नवंबर को मतदान अवश्य करने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी को ले कई तरीकों मतदाताओं को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में छठघाटों पर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से फोटोग्राफी प्वाइंट बनाया गया। मेरा वोट, मेरा अधिकार, 11 नंवबर को मतदान अवश्य करेंगे हम, वोट करेगा बिहार, अपनी सरकार चुनेगा बिहार आदि स्लोगन लोगों को जागरूक कर रहा था। इस बीच सैकड़ों मतदाताओं ने सेल्फी प्वाइंट के पास जाकर फोटो लिया। पकरीबरावां बाजार के संजय कुमार गुप्ता, शंकर कुमार, अवनीश कुमार, प्रियंका कुमारी, जैनेन्द्र कुमार मनोज, अनिल कुमार सिंह, दिनेश कुमार, राजीव कुमार, कृति कुमारी आदि ने निर्वाचन आयोग की इस पहल की सराहना की है। मतदाताओं ने अवश्य मतदान करने का संकल्प लिया।

समाजसेवी ने की खपुरा छठघाट पर व्रतियों के बीच साड़ी का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। पकरीबरावां प्रखण्ड की डुमरावां ग्राम पंचायत के खपुरा गांव स्थित छठघाट पर व्रतियों को साड़ी दिया गया। प्रसिद्ध व्यवसायी, समाजसेवी एवं विश्व मानवाधिकार के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. अरविन्द कुमार शाही एवं उनके भाईयों मुकेश शाही एवं राजेश शाही, पुत्र प्रेमनन्द मोहन, विनय कुमार मोहित, मानस, हर्ष आदि ने सभी छठ व्रतियों के बीच साड़ी का वितरण किया। डॉ. अरविंद कुमार शाही ने बताया कि पिछले कई वर्षों से इस कार्य को करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह प्रेरणा उनके पिता डुमरावां ग्राम पंचायत के दिवंगत मुखिया यदुनंदन शर्मा से मिली है। वे व्रतियों के बीच पूजन सामग्री और साड़ी का वितरण करते थे। इस परम्परा को सभी भाइयों एवं पूरे परिवार मिलकर करते आ रहे हैं। गौरतलब है कि डॉ. अरविंद एवं उनका परिवार हर हमेशा सामाजिक सरोकार से जुड़ा कार्य करता है। शिक्षा के प्रचार- प्रसार के लिए बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया जाता है। इसके अलावा जरूरतमंदों के बीच वस्त्र का वितरण भी किया जाता है।

युवक को मारपीट कर किया जख्मी

कौआकोल। कौआकोल थाना क्षेत्र के दुर्गामण्डप मुहल्ला में मंगलवार की सुबह एक युवक को बुरी तरह से मारपीट कर जख्मी कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौआकोल दुर्गामण्डप निवासी स्वर्गीय डोमी साव का पुत्र बिरेन्द्र साव ने बताया कि जब वे मंगलवार की सुबह दुर्गामण्डप से पूजा करके लौट रहा था,की अचानक इसी मुहल्ला के अशोक कानू के पुत्र गोलू कुमार एवं सन्तोष सिंह के पुत्र अभिषेष कुमार ने अचानक हमला कर दिया। जिससे वे घायल हो गए। स्वजनों के सहयोग से घायल युवक को कौआकोल पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक को नवादा रेफर कर दिया गया।घटना के बाद घायल युवक ने कौआकोल थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

गोलीबारी में घायल

मुजफ्फरपुर। जिले के रामपुर हरि थाना क्षेत्र के धनुषी इलाके में सोमवार की रात गोलीबारी की गई। इसमें एक व्यक्ति घायल हो गए। वही एक व्यक्ति को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। घायलों को एसकेएमसीएच ले जाया गया है। रामपुर हरि थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर गई है। रामपुर हरि और हथौड़ी थाना के सीमावर्ती इलाका धनुषी चौक पर मामूली विवाद में एक व्यक्ति को गोली मारी गई। वहीं एक युवक को चाकू। दोनों घायलों को एसकेएमसीएच भेजा गया। घायल के स्वजन का कहना है कि सहिला बल्ली मुखिया अंजनी साह गलत ढंग से गाड़ी चलाने से मना करने पर गोली मार दी एवं उसके साथियों ने चाकू मार दी। घायलों में सोहन कुमार (45)एवं राजा कुमार (25) शामिल है।

आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गये प्रेमी युगल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। मंगलवार की अलसुबह सिंघौल थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित खेत से नाबालिग प्रेमी युगल मिले। पुलिस ने किशोर को निरुद्ध करते हुए लड़की को सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। दरअसल लड़की बेहोशी की हालत में थी। उसकी हालत अब खतरे से बाहर है। दोनों अलग-अलग समुदाय के हैं। सदर डीएसपी आनंद कुमार पांडेय ने बताया कि पाक्सो के तहत एफआइआर की गई है।

जानकारी के अनुसार करीब तीन बजे भोर में गांव से बाहर एक खेत में छठ घाट जा रहे लोगों की नजर खेत में पड़ी लड़की और उसके पास बैठे लड़के पर पड़ी। दोनों आपत्तिजनक हालत में थे। किशोर बेहोशी की हालत में रही किशोरी के मुंह पर पानी का छींटा मार होश में लाने का प्रयास कर रहा था। ग्रामीणों की भीड़ लग गई। इस बीच लोगों ने किशोर को पकड़ा। सिंघौल पुलिस समेत किशोर- किशोरी के स्वजनों को जानकारी दी।

मौके पर पहुंची महिला पुलिस ने बेहोशी की हालत में रही किशोरी को गोद में उठा कर वाहन से इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। किशोरी के स्वजनों ने किशोर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। मामला दो समुदाय के बीच का होने से संवेदनशील बना है। पुलिस घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की बारीकी से जांच पड़ताल में जुटी है। सदर अस्पताल प्रबंधन ने अबतक दुष्कर्म की पुष्टि नहीं की है हालांकि स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार किशोरी की हालत देख कर लोग हतप्रभ हैं।

लोग इसे प्रेम प्रसंग का मामला बता रहे हैं। बहरहाल डीएसपी ने इस संबंध में बताया कि किशोरी के स्वजनों ने किशोर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इस संबंध में सिंघौल थाना में पाक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी अंकित कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

लोकाइन में छह डूबे, फुफेरे भाई बहन समेत तीन का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। हिलसा थाना क्षेत्र के सिपारा गांव के समीप लोकाइन नदी में छठ व्रत का अर्घ्य देने के दौरान नहाने के क्रम में छह लोग डूब गए हैं। जिसमें तीन लोगों का पार्थिव शरीर नदी से निकाला गया। मरने वालों में सिपारा गांव निवासी सुबोध साव की 18 वर्षीय पुत्री वर्षा कुमारी, जहानाबाद जिला के बौरी गांव निवासी समकेश साव का 20 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार एवं सिपारा गांव के धनु गोप का 16 वर्षीय पुत्री सुनीता कुमारी है। शिवम और वर्षा फुफेरे ममेरे भाई-बहन हैं। लापता दो लोगों को खोजने का काम चल रहा है।

इस घटना से गांव में कोहराम मच गया है। पीड़ित स्वजनों के चीत्कार से गांव का माहौल गमगीन है। ग्रामीणों के अनुसार सिपारा गांव के सुबोध साव के यहां छठ व्रत हो रहा था। सिपारा गांव में शिवम की नानी ने छठ व्रत की थी। मंगलवार की सुबह अर्घ्य देने के बाद सभी लोग लोकाइन नदी घाट से घर लौट आए थे। इसी बीच 6 बच्चे नहाने के लिए नदी में उतर गए और देखते ही देखते एक-एक करके नदी की तेज धार में बहकर लापता हो गए। स्थानीय गोताखोरों की मदद से 4 लोगों को नदी से बाहर निकाला जा सका। जिनमें तीन की मौत हो गई और सलाबतपुर गांव के अरविंद प्रसाद के पुत्र नीतीश कुमार का इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नगरनौसा थाना क्षेत्र के कोरारी गांव के अर्जुन साहू के 18 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार एवं एक अन्य तालाश जारी है। अर्घ्य देने के बाद हुमाद जलाने का कार्यक्रम चल रहा था। 18 वर्षीय वर्षा कुमारी अपने परिवारों के साथ नदी में स्नान करने के लिए जा रही थी।

धीरे-धीरे नदी के बीच में पहुंच गए, कुछ दूरी पर नदी में वीडियो बनाने एवं सेल्फी लेने के दौरान नदी की तेज धार में बहने लगी। चिल्लाने पर बचाने का प्रयास करने के दौरान सभी लोग गहरे पानी में डूब गए।

सिपारा गांव के सुबोध साव की पुत्री वर्षा कुमारी की शादी होने वाली थी। शादी के लिए सारे सामान की खरीदारी भी हो चुकी है। इसी दौरान यह हादसा हो गया जिसमें उसकी मौत हो गई। दर्दनाक घटना के बाद पूरे परिवार को हिला दिया। इस घटना ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

घटना की खबर मिलते ही सांसद कौशलेंद्र कुमार, कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर मृतक के स्वजन से भेंट कर उनका ढांढ़स बंधाया। पूर्व विधायक अत्रि मुनि उर्फ शक्ति सिंह यादव घटनास्थल पर पहुंच कर लोगों से संपर्क किया। हिलसा नगर परिषद के मुख्य पार्षद धनंजय कुमार, रेंडी पंचायत के मुखिया सुबोध प्रसाद के प्रतिनिधि ने कबीर अंत्येष्टि के तहत 3000 रुपया दिया है। अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना अध्यक्ष अभिजीत कुमार के नेतृत्व में दर्जनों पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। अंचलाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल बीस हजार रुपया का चेक मृतक के परिवारों को सौंप दिया।

पकरीबरावां में छठघाटों पर दिखा उत्साह का माहौल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। पकरीबरावां प्रखण्ड में आस्था का महापर्व उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। छठ को लेकर विभिन्न चौक चौराहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। छठघाटों पर भी पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिस अधिकारी लगातार छठघाटों का जायजा लेते दिखें। बाल विकास युवा क्लब बड़ी तालाब द्वारा छठघाट पर उत्तम सुविधा उपलब्ध कराया गया था। वहीं उत्तरी ग्राम पंचायत की मुखिया ममता देवी द्वारा श्रद्धालुओं एवं व्रतियों के लिए चाय की व्यवस्था की गई थी। वहीं कई अन्य लोगों द्वारा छठघाट पर अर्घ्यदान के लिए दूध का प्रबंध किया गया था। कई जगहों पर फलों का वितरण किया गया था।

ज्योति क्लब द्वारा बनाये गए माता लक्ष्मी की प्रतिमा के पास एवं नवयुवक क्लब द्वारा बनाए गए भगवान भास्कर की प्रतिमा के पास प्रसाद का वितरण किया गया। इधर, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी डॉ. मृत्युंजय कुमार, पुलिस निरीक्षक प्रशांत कुमार, थानाध्यक्ष रंजन चौधरी, धमौल थानाध्यक्ष हिमांशु कुमार पूरी तरह मुस्तैद दिखें।

हार्ट अटैक से एक युवक की मौत

रजौली थाना क्षेत्र के माल टोला निवासी एक युवक की मौत हार्ट से हो गई।मृतक युवक की पहचान माल टोला निवासी स्व. रामप्रसाद साव के 36 वर्षीय पुत्र अभयकांत गुप्ता उर्फ नेपाली के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि वे दोपहर तक ठीक-ठाक थे। अभयकांत अपने घर के पास बैठे ही थे कि गर्मी लगने लगी। गर्मी के कारण उन्होंने अपना कपड़ा उतार दिया और परिजनों से कहा कि उनकी तबियत ठीक नहीं लग रही है।इसी बीच बेहोश हो गए मौत हो गयी। और कुर्सी से गिर पड़े।परिजनों ने एंबुलेंस को कॉल करके बुलाया और वे अभयकांत को अस्पताल ले गए।अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. गुलाम अनीश ने बताया कि अभयकांत गुप्ता को परिजनों के सहयोग से स्ट्रेचर पर अस्पताल लाया गया था,जिसका स्वास्थ्य जांच करने पर बल्ड प्रेशर और पल्स बिल्कुल शून्य बता रहा था।

मुस्लिम वोटरों पर सियासतदारों की नजर

50 से 70 सीटों पर कर सकता है खेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पहले चरण का चुनाव करीब आते ही मुस्लिम वोटरों को लेकर राजद और जदयू की दावेदारी अपने-अपने एंगल से है। इस क्रम में स्पष्टीकरण का मोड़ भी दिखता है। तेजस्वी यादव ने वक्फ कानून पर मुस्लिम समाज के वोटरों पर अपने को केंद्रित किया। कई जगहों पर उन्होंने यह कहा कि उनकी सरकार आई तो वह वक्फ कानून के जो संशोधन आए हैं उसे डस्टबिन में फेंक देंगे। दूसरी ओर, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि जब वक्फ कानून बिल के रूप में आया था तब जदयू ने इस मसले पर संयुक्त संसदीय कमेटी के गठन का सुझाव दिया था। जदयू की सलाह पर संयुक्त संसदीय कमेटी का गठन भी किया गया। जब यह बिल पास हुआ तो जदयू के संशोधन को केंद्र में रख गया। कानून तो कानून है उसे कोई उसे डस्टबीन में कैसे फेंक सकता है।

मुस्लिम समाज के वोटरों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी परामर्श दे रहे कि उनकी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम समाज के लोगों को उनका पूरा हक दिया है। हर क्षेत्र में उचित प्रतिनिधित्व मिल रहा। राजद का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने मुस्लिम समुदाय का इस्तेमाल सिर्फ वोट के लिए किया और उन्हें कोई हिस्सेदारी नहीं दी।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार इस बात को भी आगे कर रहे कि विधानसभा चुनाव के समय कुछ लोग फिर से अपने आप को मुस्लिम समुदाय का हितैषी बताने में जुट गए हैं। सिर्फ मुस्लिम वर्ग के लोगों का वोट हासिल करने के लिए तरह-तरह की लालच और हथकंडे अपनाए जा रहे।

नीतीश कुमार एडवाइजरी के अंदाज में मुस्लिम समाज को यह भी कह रहे कि उनकी सरकार ने उनके समाज के लिए काम किया है उसे याद रखिए और उसके आधार पर तय कीजिए कि वोट किसे देना है।

बता दें कि बिहार में मुस्लिमों की आबादी लगभग 17.7 प्रतिशत है। यह आबादी बिहार के 50 से 70 विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव में निर्णायक भूमिका है। सीमांचल के जिले मसलन किशनगंज, कटिहार, अररिया व पूर्णिया जिले में मुस्लिम वोटरों की संख्या 40 प्रतिशत तक है।

किशनगंज में 68 प्रतिशत, कटिहार में 44, अररिया में 43 और पूर्णिया में 39 प्रचिशत मुस्लिम आबादी है। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में 19 मुस्लिम विधायक चुने गए जो कुल विधायकों का आठ प्रतिशत है।

सूर्य मंदिर में गूंजा बच्चे की किलकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। आस्था और अद्भुत संयोग का दृश्य सोमवार की रात बहरी महादेव धाम स्थित सूर्य मंदिर परिसर में देखने को मिला, जब छठ व्रत कर रही एक महिला ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के बाद अचानक उठी प्रसव पीड़ा के बीच स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। यह खबर फैलते ही मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में हर्ष की लहर दौड़ गई और लोग नवजात की एक झलक पाने को उमड़ पड़े। सभी का कहना था कि यह सूर्यपुत्र है।

जानकारी के अनुसार, अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के जगदेवपुर गांव निवासी मुकेश कुमार की पत्नी सीमा देवी अपने परिवार के साथ छठ महापर्व का अनुष्ठान करने बहरी महादेव धाम पहुंची थीं। सोमवार की शाम उन्होंने सहज रूप से अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया। लेकिन दूसरा अर्घ्य देने से पहले ही रात लगभग एक बजे उन्हें प्रसव पीड़ा होने लगी। इससे घबराए स्वजन ने तुरंत वहां स्थित अस्थायी स्वास्थ्य शिविर के कर्मियों को सूचना दी।

स्वास्थ्यकर्मियों की तत्परता से महिला को शिविर में लाया गया, जहां दो एएनएम की देखरेख में सुरक्षित प्रसव कराया गया। कुछ ही देर में सीमा देवी ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। पीरो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि ने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। इससे स्वजनों में तो खुशी की लहर दौड़ी ही, वहां उपस्थित जिसने भी यह खबर सुनी, सभी उस बच्चे को देखने पहुंचे।

छठ का उपवास रख रही व्रती द्वारा पुत्र जन्म देने की घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई। श्रद्धालु इसे सूर्य भगवान की कृपा और आस्था की शक्ति का प्रतीक मानने लगे। वहीं पुत्ररत्न की प्राप्ति से मुकेश कुमार का परिवार खुशी से झूम उठा। लोगों ने कहा—यह चमत्कार नहीं, सूर्य देव की महिमा का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

शिव पर्वत मन्दिर कमिटी ने लगाया निःशुल्क सेवा शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। कौआकोल प्रखण्ड के ऐतिहासिक रानीबाजार सूर्य मंदिर छठ घाट पर मंगलवार को छठ पूजा के अवसर पर शिव पार्वती मन्दिर कमिटी के सौजन्य से निःशुल्क सेवा शिविर लगाया गया। इस दरम्यान मन्दिर कमिटी के कार्यकर्ताओं ने कमिटी के अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में स्टॉल लगाकर छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क कॉफी,चाय एवं बिस्कुट का वितरण किया। अध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष कमिटी द्वारा छठ पर्व के दिन सेवा शिविर लगाकर चाय,बिस्किट आदि का वितरण किया जाता है।

मौके पर कमिटी के सदस्य बिपिन चौरसिया,उदय सिंह, सत्यनारायण साव, राजा, प्रमोद,उदय सीआरपीएफ, सिंटू, संजीव, शैलेन्द्र आदि मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर गुप्ता एक्वा नीर के मणिशंकर गुप्ता एवं मोलू कुमार के द्वारा शिविर में निःशुल्क शुद्ध पेयजल की व्यवस्था किया गया।

उदयीमान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही लोक आस्था का महापर्व छठ हर्षोल्लास सम्पन्न

कौआकोल। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ कौआकोल में भक्तिमय माहौल में हर्षोल्लास संपन्न हो गया।

इस दौरान सोमवार की शाम अस्तचलगामी एवं मंगलवार की सुबह उदयीमान सूर्य को श्रद्धालुओं द्वारा अर्घ्य प्रदान कर सुख,शांति एवं समृद्धि की कामना किया गया। प्रखण्ड के रानीबाजार सूर्य मंदिर छठ घाट,सोखोदेवरा अवस्थित सूर्य मन्दिर तालाब,बरौन बाजितपुर, दरावां, महापुर, लालपुर, मधुरापुर,गोवरैया,नावाडीह सहित दर्जनों नदी घाटों एवं जलश्रोतों के पास श्रद्धालुओं एवं छठव्रतियों ने अर्घ्य प्रदान कर सुख,शांति एवं समृद्धि की कामना की।

छठ पूजा सम्पन्न होने के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में ठेकुंआ,फल आदि ग्रहण किया। छठ पर्व को लेकर पूरे प्रखण्ड में भक्ति का माहौल बना रहा। छठ घाटों पर ही व्रतियों ने तमाम श्रद्धालुओं के बीच ठेकुआँ और फल का प्रसाद बांटा। पूजा संपन्न होने के बाद व्रतियों ने सभी को टीका भी लगाया एवं श्रद्धालुओं ने व्रतियों के पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया। वहीं कई छठ घाटों पर बच्चों का मुंडन कराया गया। इस बीच महिलाओं ने पारंपरिक मुंडन गीत भी गाए।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। वेन थाना क्षेत्र के सौरे गांव में रविवार की देर रात हुए सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान 61 वर्षीय वीरेश प्रसाद सिन्हा, पिता स्वर्गीय देवशरण प्रसाद के रूप में हुई है। वे देवपति आईटीआई के संचालक थे।

जानकारी के अनुसार वीरेश प्रसाद सिन्हा अपने संस्थान से प्रसाद ग्रहण करने जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही वेन थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची। थाना अध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। बाइक सवार की पहचान की जा रही है ।

प्रतियोगिता में पहलवानों ने दिखाये दांव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। छठपूजा के समापन के अवसर पर स्व.भागवत यादव दंगल प्रतियोगिता मंगलवार को आयोजित की गई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जगदीश पहलवान ने की । यह कार्यक्रम डोहरा गांव स्थित खेल मैदान में की गई। इस प्रतियोगिता में पुरूष व महिला वर्ग के पहलवानों ने किस्मत आजमाये। इस दंगल प्रतियोगिता में छह जोड़ी महिला पहलवान अखाड़ा में किस्मत आजमाए।

इस प्रतियोगिता में बिहार राज्य के अलावा विभिन्न राज्यों के महिला पहलवान ग्रामीण इलाके में आयोजित दंगल में भाग लेने पहुंचे।वही पुरूष वर्ग के 30 जोड़ी पहलवान स्थानीय के अलावा उतर प्रदेश व अन्य क्षेत्रों से पहुंच कर अखाड़ा में दिलचस्प कुश्ती लड़े।

दंगल प्रतियोगिता का आयोजन धनन्जय कुमार धीरज ने किया। वही संचालन जगदीश पहलवान व धनन्जय कुमार धीरज ने बखूबी से निभाया। संवाद प्रेषण तक दंगल प्रतियोगिता में पहलवान अपनी किस्मत आजमाते रहे । संचालक ने कहा सभी विजेता व विजेता को शील्ड ,मेडल व नगद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।मौके पर पूर्व उपमुखिया संजय कुमार,राजगीर के सरकारी रेफरी शिवालक पहलवान, सूचित कुमार, मनोज यादव, शिवलक यादव,अर्जुन यादव समेत अन्य शामिल रहे।

मक्का को पक्का कर दबाव बनाने की सोच रहे ट्रंप

भारत के इथेनॉल मार्केट पर अमेरिका की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनसे भारत अब रूसी कच्चा तेल खरीदना कम कर सकता है। अमेरिका का कहना है कि इस तेल से मिले पैसे से रूस, यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा है। लेकिन अमेरिका अभी भारत पर और भी दबाव बनाने की सोच रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार चीन के साथ व्यापारिक मसलों को सुलझाने के बाद अमेरिका अब भारत के ऊर्जा बाजार में भी अपनी पैठ बनाना चाहता है।

भारत अमेरिका से चाहता है कि वह अपने यहां आयात होने वाले सामानों पर लगने वाले 50 प्रतिशत टैक्स को कम कर दे। इसके बदले में अमेरिका भारत के ऊर्जा बाजार में अपनी जगह बनाना चाहता है। कुछ मांगें ऐसी हैं जिन्हें भारत आसानी से मान सकता है। जैसे भारत की सरकारी तेल कंपनियां अब मिडिल ईस्ट के देशों से एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) खरीदने की बजाय अमेरिका से ज्यादा एलपीजी खरीदना चाहती हैं। भारत इस व्यापारिक समझौते को पक्का करने के लिए अमेरिका से एलपीजी पर लगने वाले टैक्स को पूरी तरह खत्म करने को भी तैयार है।

लेकिन मामला यहां हो जाएगा मुश्किल

लेकिन जब अमेरिकी बातचीत करने वाले भारत के बायोएनर्जी बाजार को खोलने की

कोशिश करेंगे, तो मामला थोड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत हर साल पेट्रोल में 10 अरब लीटर इथेनॉल मिलाता है। यह इथेनॉल अमेरिका के मिडवेस्ट में उगाई जाने वाली मक्के की फसल का एक बड़ा हिस्सा इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका में ज्यादातर बायोइथेनॉल मक्के से ही बनता है।

जैसे-जैसे भारत में गाड़ियों की संख्या बढ़ेगी साल 2050 तक इथेनॉल की यह मांग दोगुनी होने की उम्मीद है। ऐसे में अमेरिका यह नहीं चाहता कि इतने बड़े बाजार में उसकी पहुंच न हो। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने अपनी साल 2025 की रिपोर्ट में कहा है कि इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाने के बड़े लक्ष्यों के बावजूद भारत ईंधन के तौर पर इथेनॉल के आयात पर रोक लगाता है।

मजबूत स्थिति में पहुंचा अमेरिका: ट्रंप के ट्रेड वॉर ने अमेरिका को बातचीत में एक मजबूत स्थिति में ला दिया है। अब जब चीन और अमेरिका दुर्लभ खनिजों के निर्यात और बंदरगाह शुल्क जैसे मसलों पर अपने मतभेद सुलझाते दिख रहे हैं, तो भारत और ब्राजील ही दो बड़े उभरते हुए देश हैं जिन पर सबसे ज्यादा टैरिफ का बोझ है। भारत से कपड़े, घर की सजावट का सामान, झींगा, र प्रतिशत और गहने जैसे श्रम-आधारित निर्यात अमेरिका जैसे अपने सबसे बड़े बाजार में लगभग बंद हो गए हैं।

क्या चाहता है भारत: भारत की इच्छा है कि अमेरिका भी जवाबी तौर पर 20 प्रतिशत या उससे कम का टैरिफ लगाए और यह समझौता जल्द से जल्द हो जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारतीय निर्यातक दक्षिण पूर्व एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वियों से और पिछड़ जाएंगे।

मोदी के सामने कई चुनौतियां: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बायोफ्यूल (जैविक ईंधन) के मामले में कोई भी रियायत देने से हिचकिचाएंगे। क्योंकि उन्हें इस मामले में दो तरह से विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

1. गाड़ी मालिकों का विरोध : एक तो गाड़ी चलाने वाले लोग सरकार के इथेनॉल मिलाने के सख्त नियमों से खुश नहीं हैं। पुरानी गाड़ियों के मालिक, जिन्हें 80-20 (80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल) के मिश्रण के लिए डिजाइन नहीं किया गया था, वे इंजन की कम क्षमता और बढ़ते रखरखाव के खर्चों की शिकायत कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने जनता को आश्वासन दिया है कि प्रदर्शन पर इसका असर बहुत कम और ठीक करने लायक है।

2. किसानों का विरोध : असली विरोध ग्रामीण इलाकों से आएगा। भारत के बायोफ्यूल कार्यक्रम का एक मकसद किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत पैदा करना भी है। अनुमानों के मुताबिक गन्ने के रस, शीरे, मक्का, धान की पराली, कपास के डंठल और बांस जैसी चीज़ों को इथेनॉल बनाने वालों को बेचकर किसानों को करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। ऊर्जा उत्पादक के तौर पर थोड़ी सफलता का स्वाद चखा है, तो वे विदेशी प्रतिस्पर्धा के आगे अपनी कमाई नहीं छोड़ना चाहेंगे। वे ऐसे किसी भी व्यापार समझौते का विरोध कर सकते हैं।

क्या मोदी उठाएंगे जोखिम

11 साल से ज्यादा समय से मोदी भारत की राजनीति पर हावी रहे हैं। उनकी आर्थिक नीतियों और कार्यक्रमों का ज्यादा विरोध नहीं हुआ है– सिवाय किसानों के। किसानों ने ही उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार कानून वापस लेने पर मजबूर किया है। साल 2027 तक उत्तर भारत के प्रमुख अनाज उगाने वाले राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में वे ट्रंप के साथ ऐसा व्यापार समझौता करके किसानों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाएंगे।

2025 में तीसरी बार डिविडेंड देने जा रही धाकड़ डिफेंस कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित डिफेंस कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी इस साल तीसरी बार डिविडेंड दे रही है। वहीं, चालू वित्त वर्ष का यह पहला अंतरिम डिविडेंड होगा। डिफेंस कंपनी ने सोमवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। मझगांव डॉक का रेवन्यू 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2929.24 करोड़ रुपये सितंबर तिमाही में रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2756.83 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई से सितंबर के दौरान मझगांव डॉक का नेट प्रॉफिट 749.48 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष कंपनी को इसी तिमाही में 585.08 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। यह वित्त वर्ष 2025–26 के लिए पहला अंतरिम डिविडेंड है। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 4 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। वहीं, योग्य निवेशकों को 26 नवंबर से पहले डिविडेंड का भुगतान कर दिया जाएगा। इस साल कंपनी इससे पहले अप्रैल और सितंबर के महीने में एक्स–डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर क्रमश : 3 रुपये और 2.71 रुपये का डिविडेंड दिया था। सोमवार को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयर 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 2810.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल में मझगांव डॉक के शेयरों की कीमतों में 38 प्रतिशत से अधिक की उछाल दर्ज की गई है। 5 साल में इस डिफेंस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 3229 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। डेयरी प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयर सोमवार को क्रस्श्च में 20 पर्सेंट उछलकर 1081.35 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल सितंबर 2025 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। कंसॉलिडेटेड बेसिस पर चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में हैटसन एग्रो को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1200 रुपये है। 73 प्रतिशत बढ़ा है कंपनी का मुनाफा हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंसॉलिडेटेड बेसिस पर 109.78 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 73.13 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि के दौरान कंपनी को 63.41 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का मुनााफा 18.89 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी को 135.34 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। 2400 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा कंपनी का रेवेन्यू हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट का रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 17.1 पर्सेंट बढ़कर 2427.59 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 2072.10 करोड़ रुपये था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का रेवेन्यू 6.3 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2590.28 करोड़ रुपये था। सितंबर 2025 तिमाही में टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का मुनाफा 147.53 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का प्रॉफिट 68.6 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का टैक्स भुगतान से पहले प्रॉफिट 87.50 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी के टोटल एक्सपेंसेज सालाना आधार पर 14.7 पर्सेंट बढ़कर 2284.32 करोड़ रुपये रहे हैं। तिमाही आधार पर कंपनी के एक्सपेंसेज 5.2 पर्सेंट घटे हैं।

टाटा से निकल गया कांटा! रतन टाटा के करीबी मेहली मिस्त्री की विदाई तय

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मैज्योरिटी हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा उलटफेर हुआ है। दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाने वाले मेहली मिस्त्री को ट्रस्ट से हटाया जा सकता है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और ट्रस्टी विजय सिंह ने मेहली मिस्त्री के कार्यकाल को आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी है। सूत्रों के मुताबिक इससे टाटा के इन बड़े चैरिटेबल संस्थानों में उनका सफर खत्म हो जाएगा।

मिस्त्री के कार्यकाल को बढ़ाने के खिलाफ तीन ट्रस्टियों ने वोट दिया है। यह फैसला दोनों अहम ट्रस्टों में बहुमत से लिया गया है। सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा संस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। वहीं टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों में नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, मेहली मिस्त्री, प्रमित झावेरी और डेरियस खंबाटा शामिल हैं। सर रतन टाटा ट्रस्ट में नोएल

टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर, मेहली मिस्त्री और डेरियस खंबाटा ट्रस्टी हैं।

चूंकि मेहली मिस्त्री अपने कार्यकाल को बढ़ाने के फैसले पर वोट नहीं कर सकते, इसलिए एसडीटीटी में उनके खिलाफ बहुमत है। एसडीटीटी में भी जिमी टाटा आमतौर पर ट्रस्ट की बैठकों में हिस्सा नहीं लेते हैं, इसलिए वहां भी उनके खिलाफ बहुमत है। यह एक अजीब संयोग है कि मेहली मिस्त्री को उसी अक्टूबर महीने में हटाया जा रहा है, जिस महीने 2016 में उनके चचेरे भाई साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाया गया था।

सूत्रों ने बताया कि तीन ट्रस्टियों ने गुरुवार देर रात और शुक्रवार सुबह अपना फैसला बताया। मिस्त्री के तीन साल के कार्यकाल को बढ़ाने का प्रस्ताव टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने पिछले शुक्रवार को रखा था। ट्रस्टी डेरियस खंबाटा, प्रमित झावेरी और जहांगीर जहांगीर ने पहले ही अपनी सहमति दे दी थी। लेकिन बाकी लोगों की सहमति न मिलने के कारण मिस्त्री का पत्ता कट गया। यह टाटा समूह के लिए एक और अक्टूबर का उथल-पुथल भरा महीना साबित हुआ है।

टाटा ट्रस्ट्स में, ट्रस्टियों की नियुक्ति और अन्य फैसले परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति से होते आए हैं। लेकिन 11 सितंबर को इस परंपरा को तोड़ा गया। यह तब हुआ जब लंबे समय से ट्रस्टी रहे रतन टाटा के निधन के करीब एक साल बाद ट्रस्टियों ने बहुमत से पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में एक नॉमिनी डायरेक्टर के पद से हटाने का फैसला किया। इस घटना ने देश भर का ध्यान भारत के सबसे प्रतिष्ठित सार्वजनिक ट्रस्टों के अंदरूनी झगड़ों की ओर खींचा।

सोना सस्ता, करीब 10,000 टूटा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। आज 28 अक्टूबर को इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 4000 डॉलर प्रति आउंस के नीचे आ गया है। वहीं, घरेलू बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। शादियों के सीजन शुरू होने से पहले सोने और चांदी का भाव कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। 27 अक्टूबर की शाम को 24 कैरेट गोल्ड का रेट लुढ़ककर 121077 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया था। इससे पहले कल 12 बजे यह 122402 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। यानी महज कुछ ही घंटों में सोने का भाव 1325 रुपये तक सस्ता हो गया। चांदी की बात करें तो यह सोमवार को 2999 रुपये और सस्ती हो गई। एक किलोग्राम चांदी का रेट कल सोमवार की शाम को 1,45,031 रुपये था। इससे पहले सोमवार की सुबह चांदी 1,48030 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही थी। 17 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड का भाव 130874 रुपये था। तब से सोमवार की शाम तक गोल्ड की कीमतों में 9797 रुपये की गिरावट आ चुकी है। चांदी तो 33000 रुपये से अधिक की सस्ती हो चुकी है। 14 अक्टूबर को चांदी का भाव 178100 रुपये प्रति किलो था। जोकि सोमवार को घटकर 145031 रुपये पर आ गया। यानी तब से अबतक चांदी की कीमतों में 33069 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट के पीछे त्योहारों के सीजन को खत्म होने को माना जा रहा है। जिसकी वजह से ज्वेलरी आदि की डिमांड में कमी आई है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में गिरावट के पीछे की वजह बदलते वैश्विक हालात हैं।

सरकारी बैंकों में 49 प्रतिशत विदेशी निवेश की मंजूरी दे सकती है सरकार

- आरबीआई से चर्चा कर रहा वित्त मंत्रालय
- 12 सरकारी बैंक, 1.71 लाख करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंकों में 49 फीसदी तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मंजूरी मिल सकती है। यह वर्तमान सीमा 20 फीसदी के दोगुना से भी ज्यादा है। यह कदम सरकारी और निजी बैंकों के लिए नियमों के बीच के अंतर को कम करने के प्रयास का हिस्सा है। निजी बैंकों में एफडीआई की वर्तमान सीमा 74 फीसदी तक है। वित्त मंत्रालय कुछ महीनों से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहा है। प्रस्ताव को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। भारत के बैंकिंग उद्योग में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। दुबई के एमिरेट्स एनबीडी ने हाल में करीब 27,000 करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है। जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्प ने करीब

17,000 करोड़ रुपये में यस बैंक में 25 फीसदी हिस्सा खरीदा है।

सरकारी बैंकों में विदेशी स्वामित्व की सीमा बढ़ाने से उन्हें आने वाले वर्षों में और अधिक पूंजी हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर पिछले तीन वित्त वर्षों में औसतन 8 फीसदी की रही है। ऋण की मांग में भी तेजी आई है। इससे देश के ऋणदाताओं का आकर्षण बढ़ा है। जनवरी से सितंबर के बीच भारत के वित्तीय क्षेत्र में सौदे 127 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर हो गए।

भारत में 12 सरकारी बैंक हैं। इनकी संयुक्त संपत्ति मार्च तक 1.71 लाख करोड़ रुपये थी। यह पूरे बैंकिंग क्षेत्र का 55 फीसदी हिस्सा है। सरकार सरकारी बैंकों में न्यूनतम 51 फीसदी हिस्सेदारी बनाए रखने की योजना बना रही है। वर्तमान में सभी 12 बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी इससे बहुत अधिक है। कुछ में तो 90 फीसदी तक है। बैंकों के बोर्ड में विदेशी कंपनियों के भी अधिकारी होंगे। निवेश आने से बैंकों को विस्तार करने में मदद मिलेगी। वैश्विक स्तर पर उनकी पहुंच आसान होगा। इस खबर के बाद सोमवार के कारोबारी सत्र में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.02 फीसदी बढ़कर 8053 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अंत में 2.22 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

हिस्सेदारी 12 फीसदी तक

स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर तक सरकारी बैंकों में विदेशी हिस्सेदारी केनरा बैंक में लगभग 12 प्रतिशत से लेकर यूको बैंक में लगभग शून्य के स्तर तक है। सामान्य तौर पर सरकारी बैंकों को उनके निजी समकक्षों की तुलना में कमजोर माना जाता है। आरबीआई ने पिछले कुछ महीनों में बैंकिंग क्षेत्र में नियमों को कम करने और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। साथ ही विदेशी बैंकों को भारतीय निजी ऋणदाताओं में बड़ी हिस्सेदारी रखने की अनुमति देने के लिए और अधिक खुला रुख अपनाया है। 49 फीसदी सीमा के बाद 51 फीसदी हिस्सा सरकारी बैंकों के पास रहेगा। ऐसे में बैंक पर नियंत्रण घरेलू निवेशकों का ही रहेगा। यह हिस्सेदारी छोटे और बड़े निवेशकों सहित सरकार की भी होगी।

अनिल अंबानी की रिलायंस और यस बैंक ने कैसे की हेराफेरी सीबीआई जांच में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सीबीआई की जांच में यस बैंक और अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप की कंपनियों के बीच हुए लेन-देन में पैसों की हेराफेरी और शेल कंपनियों के जरिए कमर्शियल पेपर्स के दुरुपयोग का एक जटिल जाल सामने आया है। यह जानकारी ईटी को मिले दस्तावेजों से पता चली है। सीबीआई ने पिछले महीने एक विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट के मुताबिक, ये लेन-देन पूर्व यस बैंक सीईओ राणा कपूर और उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच एक आपराधिक साजिश का हिस्सा थे।

इस साजिश की वजह से यस बैंक को भारी नुकसान हुआ। प्रवर्तन निदेशालय भी इन गड़बड़ियों की अलग से जांच कर रहा है। ये सब तब हुआ जब राणा कपूर यस बैंक के प्रमुख थे। अब यस बैंक का मैनेजमेंट बदल चुका है क्योंकि आरबीआई ने बैंक को बचाने के लिए एक योजना बनाई थी। राणा कपूर पर मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य आरोप हैं। वह फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप को टिप्पणी के लिए ईमेल भेजा गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पहले भी, इस ग्रुप ने किसी भी गलत काम के आरोपों से इनकार किया है।

कैसे किया हेरफेर सीबीआई की जांच के अनसार

जून 2018 से फरवरी 2019 के बीच यस बैंक ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा जारी किए गए 1,965 करोड़ के कमर्शियल पेपर खरीदे। इनमें से ज्यादातर रकम वापस मिल गई, लेकिन सितंबर 2018 में निवेश किए गए 360 करोड़ का एक हिस्सा विवादों में घिर गया। इसी दौरान रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड ने भी कमर्शियल पेपर्स के जरिए यस बैंक से 640 करोड़ जुटाए। अदालती दस्तावेजों में कहा गया है कि इस शेल कंपनी को बनाने का मकसदआरएचएफएल और आरसीएफएल से पैसा लेना और फिर उसे रिलायंस ग्रुप की अन्य कंपनियों को उनकी देनदारियां चुकाने के लिए ट्रांसफर करना था। उदाहरण के लिए 17 सितंबर 2018 को ऋास्ररु को 327 करोड़ का सीपी निवेश मिला। इसमें से 150 करोड़ लिक्विड फंड को चकाने के लिए इस्तेमाल किए गए।

अदाणी समूह दिघी पोर्ट में 42500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगा, एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह ने महाराष्ट्र के तटीय कोंकण क्षेत्र में दिघी बंदरगाह परियोजना में 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने पर हामी भरी है। सरकारी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि समूह की प्रमुख इकाई अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) की ओर से संचालित दिघी पोर्ट्स ने बंदरगाह के विस्तार और संबंधित गतिविधियों के लिए 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में कहा कि यह निवेश भारत समुद्री सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर सरकार की ओर से हस्ताक्षरित 56,000 करोड़ रुपये से अधिक के 15 समझौतों का

हिस्सा है। अदाणी समूह की नई प्रतिबद्धता का पूरा विवरण पूरा जारी नहीं किया गया है। दूसरे सबसे अमीर भारतीय गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह ने 2021 में 705 करोड़ रुपये की विजयी बोली लगाकर दिवालिया घोषित हो चुकी दिघी पोर्ट परियोजना का अधिग्रहण किया था। समूह ने इसके विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

इससे पहले भारत समुद्री सप्ताह के दौरान महाराष्ट्र में बंदरगाहों के विकास से संबंधित तीन सत्र आयोजित किए गए। इन तीन सत्रों में से एक सत्र महाराष्ट्र सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच 15 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर का था।

ये समझौता हुआ

ये समझौता ज्ञापन जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत, बंदरगाह अवसंरचना और जल परिवहन के विकास से संबंधित थे। सबसे बड़ा समझौता ज्ञापन अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एसईजेड) के साथ हस्ताक्षरित किया गया, जिसका मूल्य 42,500 करोड़ रुपये है, जो जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत में भागीदारी करेगा। दूसरा समझौता ज्ञापन जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ बंदरगाह अवसंरचना में सुधार और वैश्विक मानकों के अनुरूप सुधार के लिए हस्ताक्षरित किया गया। आईआईटी बॉम्बे के साथ तीन प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना के निर्माण, समुद्री क्षेत्र में कौशल विकास और जहाज निर्माण के लिए एक मंच तैयार करने हेतु हस्ताक्षर किए गए। अन्य दो समझौता ज्ञापन श्रमिक वर्ग के क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन के लिए क्लस्टर-आधारित उत्कृष्टता केंद्र बनाने पर केंद्रित थे।

सैफ अली खान और पुलकित सम्राट एक साथ नज़र आएंगे

बॉलीवुड दर्शकों के लिए एक शानदार सरप्राइज़ तैयार है, क्योंकि सैफ अली खान और पुलकित सम्राट पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नज़र आने वाले हैं। यह फिल्म स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित होगी, जो मशहूर निर्माता रमेश तौरानी की बेटी हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली यह अनटाइटल्ड फिल्म अनुभव और युवा जोश का एक अनोखा मेल पेश करने का वादा करती है। फिल्म ने आधिकारिक रूप से 27 अक्टूबर 2025 को हुए मुहूर्त समारोह के साथ अपनी शुरुआत की, और तभी से यह प्रोजेक्ट आने वाले साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुका है। स्नेहा तौरणी, जिन्होंने भांगड़ा पा ले से अपना निर्देशन करियर शुरू किया था, अब इस नई फिल्म के जरिए एक बार फिर दर्शकों को एक जीवंत और एंगेजिंग सिनेमैटिक अनुभव देने जा रही हैं।सैफ अली खान, जो मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच सहजता से जुड़ते रहे हैं, हाल के समय में थिएटर और ओटीटी, दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को प्रभावित कर चुके हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ उनकी मौजूदगी फिल्म को स्टार पावर और गहराई दोनों प्रदान करती है। वहीं पुलकित सम्राट, अपनी करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस और एनर्जी से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। सैफ के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को एक फ्रेश और दिलचस्प कैमेस्ट्री का अनुभव करा सकती है, जिसमें दो अलग-अलग अभिनय शैलियां मिलकर एक मनोरंजक और भावनात्मक कहानी बुनेंगी। स्नेहा तौरणी के निर्देशन और रमेश तौरणी के प्रोडक्शन के साथ, सैफ अली खान और पुलकित सम्राट की यह फिल्म 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक बनती जा रही है, जिसमें दमदार परफ़ॉर्मेंस, टैलेंटेड टीम और एक नई सिनेमैटिक विज़न का परफेक्ट संगम नजर आएगा।

जैकी चैन और ऋतिक रोशन की मुलाकात, कुंग फू फाइटिंग गाना किया समर्पित

बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अमेरिका के बेवर्ली हिल्स में छुट्टियां मना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पसंदीदा एक्शन आइकॉन, हॉलीवुड के मशहूर स्टार जैकी चैन से मुलाकात की। ऋतिक ने इस मुलाकात का अनुभव अपने फैंस संग शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों और कैप्शन में इस मुलाकात की जानकारी दी। सोमवार को ऋतिक ने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर जैकी चैन के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में दोनों कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते दिख रहे हैं। फोटो के बैकग्राउंड ऑडियो के तौर पर ऋतिक ने कुंग फू फाइटिंग गाना लगाया। इस गाने को ऋतिक ने जैकी चैन को उनके मार्शल आर्ट्स करियर के लिए समर्पित किया है। कैप्शन में ऋतिक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा सर, मेरी टूटी हड्डियां आपकी टूटी हड्डियों को याद करती हैं।बता दें कि ऋतिक अमेरिका में अपनी गर्लफ्रेंड सबा के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। 26 अक्टूबर को उन्होंने कुछ रोमांटिक तस्वीरें साझा कीं थी, जिसमें दोनों एक साथ मौसम का लुत्फ उठाते हुए नजर आए थे। इन तस्वीरों में ऋतिक और सबा एक-दूसरे को गले लगाते हुए दिखें। दोनों ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, सर्दियों में सैर से बेहतर कुछ नहीं। ऋतिक रोशन अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चाओं में हैं। वह जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू करने जा रहे हैं। उनका पहला प्रोजेक्ट एक थ्रिलर शो स्टॉर्म है, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा और मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। इस शो के निर्माता और निर्देशक अजीतपाल सिंह हैं, जिन्होंने पहले टब्बर जैसी वेब सीरीज और फायर इन द माउंटेंस जैसी फिल्म बनाई हैं। शो की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है और फैंस को इसके लिए काफी उत्सुकता है।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफः लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने शीला की जवानी से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्न्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं। मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

स्क्रीन शेयर करेंगी दिलीश पोथन के साथ

डॉन पलथारा के अगले सिनेमाई ब्रह्मांड में प्रवेश करेंगी पार्वती थिरुवोथु

नेशनल अवॉर्ड विजेता पार्वती थिरुवोथु अब डॉन पलथारा की अगली फिल्म की हीरोइन बनने जा रही हैं. इस फिल्म में उनके साथ होंगे मलयालम सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर-एक्टर दिलीश पोथन. दो जबरदस्त दिमाग और एक कमाल की परफॉर्मर – ऐसा तिकडी इकट्ठा हो रहा है जो मलयालम सिनेमा में कुछ नया बातचीत शुरू करा सकता है. पार्वती थिरुवोथु ने इंस्टाग्राम पर स्क्रिप्ट की फोटो डालकर लिखा – डॉन पलथारा की बनाई दुनिया में कदम रख रही हूं, वह भी दिलीश पोथन के साथ. बेसब्र हूं.पहली बार पार्वती, डॉन और दिलीश साथ काम कर रहे हैं. डॉन पलथारा का सिनेमा अपने अंदर छुपी कोमल परतों, रिश्तों की तहों और चुपचाप बोल देने वाले इमोशन्स के लिए जाना जाता है – जो पार्वती थिरुवोथु की बारीक और संवेदनशील एक्टिंग से एकदम मैच बैठता है. वहीं दिलीश पोथन खुद एक दमदार निर्देशक और बेहद नपे-तुले मगर असरदार अभिनेता माने जाते हैं. कहानी अभी राज में है, पर कहा जा रहा है कि यह इमोशन से भरी ड्रामा फिल्म होगी जिसकी शूटिंग केरल में होगी और बहुत जल्द फ्लोर पर जाएगी. पार्वती थिरुवोथु कहती हैं – डॉन की फिल्में हमारी जिंदगी और हमारे प्यार करने के तरीकों को बिना शोर और बिना जजमेंट दिखाती हैं. ऐसे सिनेमाई स्पेस में कदम रखना एक्टर के लिए आजादी जैसा है. उनकी फिल्में हमें सोचने पर मजबूर करती हैं. उनके साथ काम करना मेरा सपना था. और दिलीश के साथ स्क्रीन शेयर करना, जिनकी क्रिएटिव संवेदनशीलता की मैं बरसों से फैन हूं, मेरे लिए फिर से स्टूडेंट बनने जैसा है. यह अनाउंसमेंट ऐसे वक्त पर आया है जब पार्वती थिरुवोथु हाल ही में ऋतिक रोशन की पहली फिल्म 'Storm' में लीड करने और 13 साल बाद निर्देशक बेजॉय नाम्बियार के साथ दोबारा जुड़ने को लेकर सुर्खियों में थीं.

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुरः द फिल्म में हुई एंट्री

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री मिर्जापुरः द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुरः द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी। इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है। फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

राष्ट्रवादी का टैग लगने पर क्या बोलीं यामी गौतम? फिल्म हक में अपने रोल पर भी रखी बात

फिल्म हक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से कई सवाल किए गए। इस पर उन्होंने बेबाकी से जवाब दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, हक के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाहबानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर राष्ट्रवादी कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

राष्ट्रवादी टैग को किया खारिज

राष्ट्रवादी का टैग दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यामी ने कहा, लेबल है, मुझे पता भी नहीं है। अगर है तो लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना। उन्होंने कहा, ये नहीं तो कुछ और लेबल, फिर कुछ और, फिर कुछ और। पहले कुछ और था। पहले कुछ अंडररेटेड लेबल था। उससे पहले कुछ और था। यह बदलता रहता है। मैं वो सब नहीं जानती हूं।

यामी गौतम ने बताया कि फिल्म हक उनके लिए सिर्फ एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं था।

पद्मावत से हीरामंडी तक अपने हर किरदार से दिखाई सशक्त नारी की छवि

बॉलीवुड और टॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई अभिनेत्रियां हैं, लेकिन कुछ ही कलाकार ऐसे होते हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ ऐतिहासिक किरदारों में अपनी पहचान भी बना पाते हैं। अदिति राव हैदरी उन्हीं में से एक हैं। अदिति ने सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू नहीं बिखेरा, बल्कि इतिहास से जुड़े कई किरदारों को जीवंत बनाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे वह पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा का किरदार हो या ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका, अदिति ने हमेशा अपने किरदारों में शाही और नाजुक अंदाज को बखूबी पेश किया है।

अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में हुआ था। उनका जन्म एक शाही परिवार में हुआ। वह अकबर हैदरी की परपोती होने के साथ असम के पूर्व गवर्नर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं। इसके अलावा, उनके नाना जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी पर राज किया करते थे। अदिति की मां विद्या राव एक हिंदू है और पिता एहसान हैदरी मुस्लिम हैं। यही वजह है कि वह अपने सरनेम में अपने माता और पिता दोनों का नाम लिखती हैं। अदिति ने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म प्रजापति से की थी। इसके बाद उन्होंने 2006 में हिंदी फिल्म दिल्ली-6 से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनका कैमियो रोल था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय और चेहरे की मासूमियत से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद अदिति ने लगातार फिल्मों में अपनी जगह बनाई और कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए। साल 2011 में आई ये साली जिंदगी और रॉकस्टार जैसी फिल्मों ने अदिति को बॉलीवुड में जगह दिलाई। रॉकस्टार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया, और उन्होंने अपनी अदाकारी से रणबीर कपूर के साथ शानदार कैमिस्ट्री दिखाई। इसके बाद उन्होंने फितूर, मर्डर 3 जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स ने उन्हें खास तौर पर पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा के किरदार के लिए याद किया।

फुटबॉल

नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया, सबित्रा भंडारी ने दागे दो गोल

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के

अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है। सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

भारत से फिर जुड़ेंगे दिग्गज मुक्केबाजी कोच सेंटियागो

- भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने साई को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएफआई ने सेंटियागो के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को प्रस्ताव भेजा है। अनुबंध सिरे चढ़ा तो वह अब तक के सबसे महंगे विदेशी मुक्केबाजी कोच होंगे। उन्हें 12 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग साढ़े 10 लाख रुपये) प्रति माह के वेतन पर लाया जा रहा है। सेंटियागो टोक्यो ओलंपिक के बाद तक भारतीय मुक्केबाजी टीम के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर थे। भारतीय मुक्केबाजी टीम के पूर्व विदेशी प्रशिक्षक और हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर अर्जेंटीनी मूल के दिग्गज स्वीडिश कोच सेंटियागो निएवा एक बार फिर भारतीय मुक्केबाजों से जुड़ने जा रहे हैं। सेंटियागो इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक हैं।

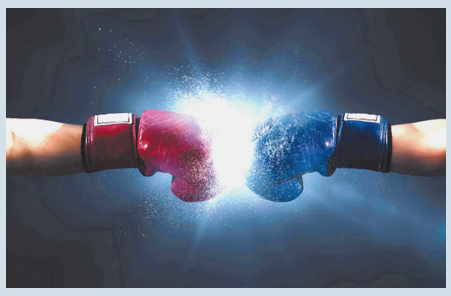

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) उन्हें पुरुष टीम के मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर जोड़ रहा है। बीएफआई ने सेंटियागो के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को प्रस्ताव भेजा है। अनुबंध सिरे चढ़ा तो वह अब तक के सबसे महंगे विदेशी मुक्केबाजी कोच होंगे। उन्हें 12 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग साढ़े 10 लाख रुपये) प्रति माह के वेतन पर लाया जा रहा है। सेंटियागो टोक्यो ओलंपिक के बाद तक भारतीय मुक्केबाजी टीम के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर थे।

पांच वर्ष तक भारत से जुड़े रह चुके हैं

सेंटियागो 2017 में भारतीय मुक्केबाजी टीम के साथ जुड़े थे और 2022 तक उन्होंने भारतीय मुक्केबाजों को तराशा। उनकी कोचिंग में भारत के सर्वाधिक नौ मुक्केबाज टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किए थे, इनमें पांच पुरुष मुक्केबाज शामिल थे। हालांकि टोक्यो में देश के किसी भी मुक्केबाज का पदक नहीं जीतना उनके भारत छोड़ने का कारण बना। उनकी कोचिंग में भारत ने 2019 की विश्व चैंपियनशिप में दो पदक जीते और 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया।

विश्व चैंपियनशिप में दिया वापसी का प्रस्ताव

सूत्र बताते हैं कि हाल ही में हुई लिवरपूल विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दौरान ही बीएफआई ने सेंटियागो को वापस भारतीय टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया। उनके अनुबंध पर अभी साई और खेल मंत्रालय की अंतिम मुहर लगना बाकी है।

वरुण-रेड्डी OUT, कुलदीप-हर्षित IN

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

पहले टी20 में ये हो सकती है भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्तूबर से होने जा रहा है. अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से ये सीरीज काफी अहम मानी जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा में खेला जाना है. इस मुकाबले में प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी माथापच्ची देखने को मिल सकती है. भारत ने अपना पिछला टी20 मुकाबला एशिया कप 2025 फाइनल में खेला था. जहां भारत केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज के साथ खेला था. लेकिन यह स्थिति मनुका ओवल (कैनबरा) में होने वाले पहले टी20 मैच में निश्चित रूप से बदलेगी. एक बदलाव तो तय है क्योंकि हार्दिक पंड्या चयन के लिए फिट नहीं हैं. उनका बैकअप नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर भी संदेह है. कैनबरा के मनुका ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें समान उछाल और गति होती है. इसलिए इस बार टीम को तेज़ गेंदबाज़ों पर अधिक भरोसा करना पड़ेगा. एशिया कप में भारत ने तीन स्पिनरों कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती के साथ खेला था.

कुलदीप या अक्षर किसे मिलेगा मौका- ग्राउंड की सीमाएं स्पिनरों के पक्ष में हैं, लेकिन सतह उनके अनुकूल नहीं होगी. यही वजह है कि अक्षर पटेल को कुलदीप और वरुण पर बढ़त मिलती है. अक्षर ऑलराउंडर हैं और मिडल ऑर्डर में रन बनाने की क्षमता रखते हैं. इस तरह दूसरे स्पिनर की जगह को लेकर असली टक्कर कुलदीप बनाम वरुण के बीच है. लेकिन इसमें हर्षित राणा का नाम भी जुड़ गया है. दरअसल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह तो तय हैं. दोनों भारत के शीर्ष टी20 गेंदबाज़ हैं. अर्शदीप ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 टी20 वर्ल्ड कप में सबसे अधिक विकेट लिए थे.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

5 बल्लेबाज, जिनके नाम टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें साल 2007 से 2024 के बीच अब तक 32 टी20 मैच खेल चुकी हैं। इस दौरान सिर्फ 3 ही बल्लेबाज 500 रन का आंकड़ा छू सके हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शीर्ष पर भले ही विराट कोहली मौजूद हैं, लेकिन टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ दो ही क्रिकेटर भारतीय हैं। आइए, इन सभी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

- **विराट कोहली :** रन-मशीन कोहली ने साल 2012 से 2024 के बीच 23 टी20 मुकाबलों में 49.62 की औसत के साथ 794 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली के बल्ले से 8 अर्धशतक निकले।
- **ग्लेन मैक्सवेल :** साल 2012 से 2024 के बीच भारत के विरुद्ध 22 टी20 मैच खेले, जिसकी 21 पारियों में 31.88 की औसत के साथ 574 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।
- **आरोन फिंच :** इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2022 के बीच भारत के खिलाफ 18 टी20 मैच खेले, जिसमें 27.77 की औसत के साथ 500 रन जुटाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 छक्के और 62 चौके देखने को मिले।
- **मैथ्यू वेड :** ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने भारत के विरुद्ध कुल 17 टी20 मैच खेले, जिसमें 3 अर्धशतक के साथ 488 रन बनाए। टीम इंडिया के खिलाफ 43 चौके और 20 छक्के लगाने वाले वेड का औसत 54.22 रहा है।
- **रोहित शर्मा :** भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा ने साल 2007 से 2024 के बीच 28.47 की औसत के साथ 484 रन बनाए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। दोनों देशों के बीच कैनबरा में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में सीरीज के शेष मुकाबलों का आयोजन होगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप

भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण पदक, उज्बेकिस्तान के जालोलोव को हराया

नोवी साद, एजेंसी। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया।

पदक का रंग बदलने में सफल रहे सुजीत- सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुजीत ने पिछले साल इसी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

सुजीत का विश्व चैंपियनशिप में सफर- सुजीत ने अपने पहले दो बाउट तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीते थे। उन्होंने मोलदोवा के फिओदोर किएवदारी को 12-2 से और पोलैंड के डोमिनिक जाकूब को 11-0 से परास्त किया था। क्वार्टर फाइनल में वह बशीर मागोमेदोव से पीछे चल रहे थे, लेकिन 4-2 से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे थे। सेमीफाइनल में सुजीत ने जापान के युतो निशियुची को 3-2 से हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का सख्त संदेश

40 की उम्र में भी रोहित-विराट वर्ल्ड कप के लिए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चयनकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के चयन में उम्र को लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। श्रीकांत का मानना है कि दोनों दिग्गज 2027 वनडे विश्व कप तक टीम इंडिया की रीढ़ बने रह सकते हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, रोहित शर्मा को 2027 वर्ल्ड कप में जरूर खेलना चाहिए। वह के करीब हैं या अब उम्र हो रही है, ऐसी बातें बंद होनी चाहिए। वह फिट हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और फील्डिंग में भी शानदार हैं। सिडनी में उनकी बल्लेबाजी देखकर लगा जैसे 2019 वर्ल्ड कप की झलक दोबारा दिख रही हो। उन्होंने आगे कहा, विराट कोहली तो अपनी फिटनेस के दम पर 45 साल तक खेल सकते हैं। उनकी फिटनेस अब भी किसी 25 वर्षीय खिलाड़ी जैसी है। रोहित और विराट दोनों को डराने या असुरक्षित महसूस कराने के बजाय चयनकर्ताओं को उन्हें भरोसा देना चाहिए कि वे टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं। श्रीकांत ने चयन समिति को सलाह देते हुए कहा, उन्हें कहना चाहिए – 'आप दोनों टीम के केंद्र हैं, बस फिट रहो और हमें 2027 वर्ल्ड कप जिताओ।' डर या दबाव डालने की जरूरत नहीं है। हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा ने तीन मैचों में 202 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उनकी 121* रनों की पारी भारत की 9 विकेट से जीत में निर्णायक साबित हुई थी। अब टीम इंडिया 30 नवंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में खेलेगी, जहां रोहित और विराट अपने फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

महिला विश्व कप

स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करेंगी शैफाली वर्मा? ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेइंग 11 में 2 बदलाव कर सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में 30 अक्टूबर को भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। लीग स्टेज में भारतीय टीम 3 मैच हारकर अंक तालिका में चौथे नंबर पर रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एक भी मैच नहीं हारी। भारत की दिक्कतें खिलाड़ियों के चोटिल होने से और बढ़ गई है। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट में बाहर हो गईं। शैफाली वर्मा को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया। विकेटकीपर ऋचा घोष भी चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ मैच में नहीं खेली थीं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में विकेटकीपिंग के दौरान बाएं हाथ की उंगली में चोट लगी थी। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था और उमा छेत्री ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में उमा को डेब्यू का मौका मिला था। अगर ऋचा चोट से उबर जाती हैं तो भारत प्लेइंग 11 में दो बदलाव कर सकता है।

शैफाली की राह आसान नहीं- भारत की प्लेइंग 11 में प्रतिका रावल की जगह शैफाली वर्मा और उमा छेत्री की जगह ऋचा घोष को मौका मिल सकता है। इसके अलावा बदलाव के कोई और आसार नहीं दिख रहे हैं। प्रतिका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका है। वह टूर्नामेंट में स्मृति मंधाना के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। शैफाली बेखौफ बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वह एक साल बाद भारत के लिए वनडे खेलती दिखेंगी।

यूरोपीय शतरंज क्लब कप में दिव्या और गुकेश नें जीते दोहरे स्वर्ण पदक

रोड्ज, ग्रीस (एजेंसी)। में आयोजित 40वें यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2025 ? में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ रिकॉर्ड कायम किया। सुपरचेस ? (रोमानिया) क्लब ने ओपन वर्ग में 14 में से 14 अंकों के साथ खिताब पर कब्जा जमाया। इस टीम की जीत में विश्व चैंपियन डी. गुकेश का प्रदर्शन निर्णायक रहा, जिन्होंने पहले बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं, नॉर्थ मैसेडोनिया की टीम अल्कालॉइड जिसमें भारत से अर्जुन एरीगैसी, अरविंद चितांबरम और अभिमन्यु पौराणिक थे ने 12 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर (चेक गणराज्य) जिसमें भारत से विदित गुजराती और पेंटला हरीकृष्णा थे ने उतने ही अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

महिला वर्ग में सर्कल डी शे मोंटे कार्लो ? ने 13 में से 13 अंक अर्जित कर खिताब जीत लिया। भारत की ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में महिला विश्व कप 2025 ? जीता था, इस क्लब के लिए खेलते हुए अपने बोर्ड पर व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। मौजूदा चैंपियन ताइफुन एसके ल्युब्लियाना तीसरे स्थान पर रही, जबकि सर्बिया की सर्मियम स्रेम्स्का मित्रोविका ने दूसरा स्थान हासिल किया। ओपन वर्ग में भारत के चार खिलाड़ियों ने अपने बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीते – विश्व चैंपियन डी. गुकेश (सुपरचेस), निहाल सारिन (बेयगन पेंडिक), अभिमन्यु पुराणिक (अल्कालॉइड) और दिव्या देशमुख (मोंटे-कार्लो)। वहीं, अरविंद चितांबरम को अपने बोर्ड पर कांस्य पदक मिला। इस बार का आयोजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए सबसे सफल साबित हुआ। पहली बार, ओपन और महिला दोनों वर्गों की विजेता टीमों में भारतीय ग्रैंडमास्टर शामिल रहे। ओपन वर्ग की शीर्ष तीनों टीमों में भी कम से कम एक भारतीय खिलाड़ी खेला। कुल सात राउंड के इस स्विस सिस्टम टूर्नामेंट में यूरोप की 100 से अधिक शीर्ष टीमें और लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हुए। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 25 अक्टूबर तक रोडोस पैलेस में हुआ, जिसे यूरोपीय चेस यूनियन ने संचालित किया।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल गया, झाग गया; यमुना में छठ के बाद गदगद भाजपा का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केजरीवाल गया, झाग गया; वह बैन लगाए बैठे थे, हम नैन बिछाए बैठाए हैंज यमुना में छठ के सफल आयोजन के बाद भारतीय जनता पार्टी और दिल्ली में इसकी सरकार पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर इस तरह के तरन्नुम के साथ तंज कस रही है। दिल्ली सरकार की ओर से यमुना किनारे बनाए गए 17 मॉडल घाटों पर पूर्वांचल के हजारों श्रद्धालुओं ने पहले डूबते और फिर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व को धूमधाम से मनाया। कई सालों पर बाद यमुना किनारे आयोजित छठ पर दिल्ली सरकार की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। खुद मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अन्य मंत्री घाटों पर मौजूद रहे। सुबह के अर्घ्य से पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले वर्षों में जब सरकार सुविधाएं नहीं देती थी, पूर्वांचल के भाई बहन इधर-उधर भटकते थे। गली मोहल्लों में छोटे तालाब बनाकर पूजा करते थे। वर्षों बाद मां यमुना के तट पर मां यमुना के जल में छठी मैय्या की आराधाना करते हुए भगवान सूर्यनारायण को जल चढ़ा रहे हैं। यह मेरे लिए संतोष का विषय है कि मेरी सरकार आपकी अपेक्षाओं पर खड़ी उतरी है। जो रौनक और व्यवस्था इस बार दिल्ली में है उसकी चर्चा पूरे देश में है। मैं चाहती हूं कि छठी मैय्या का आशीर्वाद पूरी दिल्ली पर, ढाई करोड़ जनता पर हमेशा बनी रहे। विकसित भारत हो और विकसित दिल्ली हो। वर्षों से दिल्ली मुर्झाई हुई थी, वर्षों से तकलीफ में थी। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने सुबह के अर्घ्य के बाद घाट पर बातचीत करते हुए कहा, केजरीवाल गया, झाग गया। इस बार कहीं झाग नहीं है यमुना में। सुंदर छठ पूजा हो रही है। मुझे लगता है कि जो घाट पर है जो छठ मना रहा है, उनके चेहरों से... आप किसी से माइक लगाकर पूछ लीजिए। जमीन आसमान का अंतर है। मुख्यमंत्री जी ने खुद लीड लिया, एक एक घाट पर गईं। कल शाम का अर्घ्य दिया, आज सुबह का अर्घ्य दिया। दिल्ली में ऐसी कोई सरकार आई नहीं है। एक एक मंत्री घाट पर खड़े हैं। व्यवस्था सारी ठीक है। लोगों के चेहरे बता रहे हैं कि खुश हैं। जो लोग यमुना में प्रदूषण करते थे, झाग करते थे, छठ पर बैन लगाते थे उन्हें दिल्ली के लोगों ने बाहर कर दिया। वो बैन लगाकर बैठे थे हम नैन बिछाकर बैठे हैं। दिल्ली सरकार की ओर से इस साल यमुना किनारे छठ के लिए विशेष तैयारी की गई थी। पल्ला से लेकर कालिंदी कुंज तक यमुना नदी के किनारे कुल 17 प्वाइंट पर मॉडल छठ घाटों का निर्माण किया गया है। इन घाटों पर टेंट, लाइट, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और मेडिकल सहायता जैसी सभी व्यवस्थाएं दिल्ली सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई।

डीडीए की टावरिंग हाइट्स स्कीम लॉन्च, कौन लगा सकता है बोली?

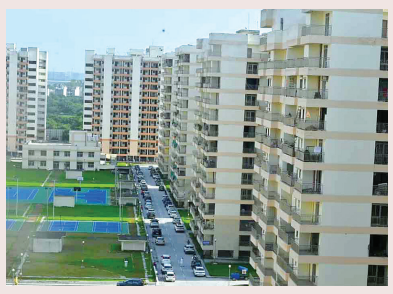

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली वालों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी ने 2025 की प्रीमियम हाउसिंग स्कीम शुरू कर दी है। इसका नाम है डीडीए टॉवरिंग हाइट्स। यह प्रोजेक्ट ईस्ट दिल्ली के कड़कड़ूमा में स्थित हब पर बन रहा है। यहां मेट्रो, बस और रोजमर्रा की चीजों से एकदम जुड़ी हुई है। अगर आप भी दिल्ली में घर लेने का प्लान बना रहे हैं, तो ये खबर आपके काम की है। यह कोई साधारण हाउसिंग नहीं है। यह दिल्ली का पहला ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट है। घर, ऑफिस, शॉपिंग और ट्रांसपोर्ट सब एक छत के नीचे होंगे। डीडीए यहां 1,026 लग्जरी 2 BHK फ्लैट्स की ई-ऑक्शन करने जा रहा है। ये फ्लैट जल्द ही तैयार हो जाएंगे। मॉडर्न लाइफस्टाइल के शौकीन लोगों के लिए ये प्रोजेक्ट काफी पसंद आएगा। प्रोजेक्ट अभी निर्माणाधीन है। पजेशन जुलाई 2026 तक मिलने की उम्मीद है। डीडीए ने आपके बजट का भी ख्याल रखा है। सफल बोली लगाने वालों को 75त्न राशि तुरंत चुकानी होगी। यह डिमांड कम अलॉटमेंट लेटर मिलने के 60 दिनों के अंदर जमा करनी है। बाकी 25त्न जुलाई 2026 तक देनी होगी।

मल-मूत्र से लेकर मवेशी नहलाने तक; दिल्ली वालों ने गंदगी कर नहर को चोक कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
खुले में शौच और कचरा जलाने से लेकर औद्योगिक कचरा फेंकने और मवेशियों को नहलाने तक,दिल्ली की मुनक नहर प्रदूषण से भरी हुई है। मुनक नहर को पानी की आपूर्ति करने वाली एक महत्वपूर्ण लाइफलाइन के रूप में देखा जाता है। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स,रिवर्स एंड पीपल की एक नई रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि नहर के किनारे बड़े पैमाने पर फैले इस प्रदूषण से दिल्ली के पीने के पानी की सुरक्षा को खतरा हो सकता है और जल शोधन संयंत्रों के काम-काज में भी बाधा आ सकती है।

पश्चिमी यमुना नहर प्रणाली के हिस्से के रूप में 2003 से 2012 के बीच बनी मुनक नहर रोजाना 1,000 क्यूसेक से अधिक यमुना का पानी दो मुख्य नहरों कैरियर लाइन चैनल और दिल्ली सब ब्रांच के माध्यम से दिल्ली तक पहुंचाती है। शहर की जल आपूर्ति के लिए इतना महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा होने के बावजूद,इसका रखरखाव और सुरक्षा बहुत अपर्याप्त रही है।

सैंड्रप के एसोसिएट कोऑर्डिनेटर भीम सिंह रावत ने कहा,अभी प्रदूषण के कई स्रोत हैं जिनके कारण छ्रस्ढ्ढ (कैरियर लाइन चैनल) दूषित हो रहा है,जो अंततः दिल्ली के पीने के पानी को प्रभावित कर रहा है। इस पानी का ट्रीटमेंट किया जाता है,लेकिन न तो हमारे उपचार संयंत्र भारी धातुओं को हटाने के लिए बहुत उन्नत हैं और न ही पानी की ऐसी अशुद्धियों और प्रदूषण के लिए जांच की जाती है। उपचार के बाद भी कई प्रदूषक पीने के पानी में मौजूद रह सकते हैं।

निरीक्षण में बवाना के पास,जहां नहर को कई पुलों वाली तीन सड़कें पार करती हैं,बहुत गंभीर जल प्रदूषण गतिविधियां सामने आईं। ये जगहें छोड़े गए पूजा सामग्री और ठोस कचरे के लिए डंपिंग ग्राउंड (कचरा फेंकने की जगह) बन गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेजे क्लस्टर्स के पास बड़ी मात्रा में कचरा फेंका और अलग किया जा रहा है,जिससे कचरा सीधे पानी में गिर रहा है।

टीम ने नहर की ढलानों पर बिजली के तारों को जलाते हुए भी पाया जो तांबा निकालने की एक आम प्रक्रिया है, जिससे बची हुई राख और अवशेष नहर में बहकर मिल जाते हैं। सैंड्रप ने बताया कि कई जगहों पर औद्योगिक कचरा फेंकना और जलाना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है,दोनों नहरों के किनारे कई स्थानों पर ताज़ा मानव मल बिखरा पड़ा है और कुछ क्षेत्रों में तो यह नहर के अंदर भी है।खुले में शौच को रोकने के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने 2019 में बवाना और रोहिणी में नहर के किनारे ऋष्टष्ट दीवारें बनाने की एक परियोजना को मंजूरी दी थी, लेकिन सैंड्रप ने कहा कि उल्लंघन लगातार जारी हैं। अन्य अवलोकनों में नहर में मवेशियों को नहलाना,जलकुंभी का फैलना और प्लास्टर लाइनिंग का क्षतिग्रस्त होना शामिल है,जिससे नहर टूटने का खतरा बढ़ सकता है। पिछले दो वर्षों में मुनक नहर में तीन बड़ी टूट हुई हैं ङ्क जून 2023, अक्टूबर 2023 और जुलाई 2024 में ङ्क जिससे हर बार दिल्ली की जल आपूर्ति कई दिनों के लिए बाधित हुई। रिपोर्ट नहर की सुरक्षा के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के कदम सुझाती है। तत्काल उपायों में होम गार्ड या सिविल डिफेंस कर्मियों की ओर से गश्त,सीसीटीवी कैमरे लगाना,बेहतर रोशनी,पुलों पर लोहे की बैरिकेडिंग और नहर से सुरक्षित दूरी पर कचरा संग्रहण सुविधाएं बनाना शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया,सरकार को उचित कचरा निस्तारण सुनिश्चित करना चाहिए और लोगों को नहर में सामग्री फेंकने से रोकना चाहिए।

करोड़ों रुपये के गांजे के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ाए दो भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम के अधिकारियों को दो भारतीय यात्रियों के पास से लगभग 5 किलो गांजा मिला है। दोनों गांजा की इस खेप को आठ (08) पीले रंग के कटहल वाले पॉलीथीन पैकेटों में छिपा कर ले जा रहे थे। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस पदार्थ की तस्करी का एक मामला दर्ज किया है। दोनों 24 अक्टूबर को बैंकॉक से उड़ान संख्या स्त्र-88 द्वारा ज्ञ-3, ढ्ढत्वढ्ढ हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। ड्यूटी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों ने यात्रियों को उनके व्यक्तिगत और सामान की तलाशी के लिए ग्रीन चैनल पर एक्स-रे के लिए रोक लिया था,तभी ये भेद खुल गया।

इसके बाद यात्रियों के बैगों की जांच करने पर 8 पीले रंग के पॉलीथीन पाउच मिले ,जिनमें गांजा/मारिजुआना होने के संदेह में हरे रंग का नारकोटिक पदार्थ था,जिसका कुल वजन 4941.5 ग्राम था। इस पदार्थ का मूल्य लगभग 4.94 करोड़ है। इसके अतिरिक्त चार रिसीवर (लेने वाले) को भी गिरफ्तार किया गया है। जांच से पता चला कि यात्रियों के साथ-साथ रिसीवरों ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8 का उल्लंघन किया था और एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 20,धारा 23 और धारा 29 के तहत दंडनीय अपराध किया था।

इसके बाद 25 अक्टूबर को सुबह लगभग 09:00 बजे एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 43 के तहत यात्रियों और रिसीवरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मारिजुआना होने के संदेह वाले हरे रंग के पदार्थ को छिपाने वाली सामग्री और पैकेजिंग के साथ एनडीपीएस अधिनियम,1985 की धारा 43 के तहत जब्त कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

एक साल पहले ही अखबार में निकाल तोड़ा था रिश्ता

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में यूपीएससी स्टूडेंट रामकेश मीणा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार की गई अमृता चौहान के परिवार का वह शक यकीन में बदल गया जिसकी वजह से उन्होंने बेटी से रिश्ता तोड़ लिया था। 21 साल की फॉरेंसिक साइंस की स्टूडेंट अमृता की हरकतों से तंग आकर पिता ने एक साल पहले ही अपना नाता तोड़ लिया था और बकायदा अखबार में विज्ञापन देकर इसकी घोषणा कर दी थी। उन्होंने चल-अचल संपत्ति से बेटी को बेदखल करते हुए कहा था कि उसके किसी कृत्य से परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा।

अमृता के पिता ने 8 जुलाई 2024 को एक अखबार में विज्ञापन देकर सार्वजनिक घोषणा कर दी थी कि उनके परिवार का अब बेटी के साथ किसी तरह का संबंध नहीं रहा। इसकी अब एक कॉपी अदालत में सबूत के तौर पर लगाई गई है। विज्ञापन में पिता ने इस बात का जिक्र किया है कि अमृता का आचरण गलत है।

संबंध विच्छेद शीर्षक से छपे नोटिस में कहा गया है, मैं राजवीर सिंह पुत्र श्याम लाल एवं कामिनी रानी पत्नी राजवीर सिंह निवासी (पता- जो हम सार्वजनिक नहीं कर रहे) अपनी पुत्री अमृता चौहान को उनके गलत आचरण के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल र रहे हैं। उक्त अमृता चौहान के किसी भी कृत्य से मेरा या मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं है। यह अपने कार्यों के लिए स्वंय जिम्मेदार है।

दिल्ली की हवा साफ करने की जंग

एमसीडी ने प्रदूषण फैलाने वालों पर ठोका 1.8 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली इन दिनों प्रदूषण के साये में है। कई इलाकों में धुंध की चादर छाई हुई है। प्रदूषण फैलाने वाले लोगों के खिलाफ एमसीडी का एक्शन जारी है। एनसीडी ने जनवरी से सितंबर तक धूल नियंत्रण उपाय न अपनाने वाले उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ 1176 चालान जारी किए हैं। इनकी कुल राशि 1.8 करोड़ रुपये है। छोटी साइटों पर 1130 चालान और बड़ी साइटों पर 46 चालान जारी हुए। उल्लंघनों में कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन कचरे का अनुचित निपटान और कवर न करना शामिल है। एमसीडी ने ये रिपोर्ट केंद्र को सौंपी है।

साइट रजिस्ट्रेशन और निगरानी: टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 760 निर्माण साइटें दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। एमसीडी के जोनल टीमें इनकी नियमित निगरानी कर रही हैं। उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरणीय जुर्माना लगाया जा रहा है। सभी चल रहे प्रोजेक्ट्स को पोर्टल पर रजिस्टर कराने के प्रयास जारी हैं।

एंटी-स्मॉग गन और खुले जलाने पर कार्रवाई: 48 बड़ी निर्माण साइटों पर 84 एंटी-स्मॉग गन लगाई गई हैं। एमसीडी इनकी नियमित जांच कर रही है। अक्टूबर 2024 से सितंबर तक 189 साइटों पर खुले में जलाने के लिए 4.44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

13 प्रमुख प्रदूषण हॉटस्पॉट: डीपीसीसी ने 13 प्रमुख प्रदूषण हॉटस्पॉट चिह्नित किए हैं। इसमें नरेला, बवाना, मुंडका, वजीरपुर, रोहिणी, आरके पुरम, ओखला, जहांगीरपुरी, आनंद विहार, विवेक विहार, पंजाबी बाग, अशोक विहार और द्वारका शामिल है।। यहां सूक्ष्म स्रोत स्थानीय प्रदूषण बढ़ा रहे हैं।

निगरानी टीमें तैनात: प्रवर्तन मजबूत करने के लिए 379 निगरानी टीमें तैनात की गई हैं, जिनमें 1,172 अधिकारी शामिल हैं। ये खुले जलाने, छ्र×ष्ठ कचरे की अवैध डंपिंग और सड़कों व निर्माण साइटों पर धूल नियंत्रण की निगरानी कर रही हैं। 158 टीमें (450 सदस्य) दो शिफ्टों में छ्र×ष्ठ साइटों की जांच कर रही हैं। 221 टीमें (722 सदस्य) खुले जलाने पर नजर रख रही हैं।

भारत के दम पर वजूद में आने वाले बांग्लादेश ने उत्तरपूर्वी राज्यों को अपना बताया, नक्शे पर बढ़ा विवाद

ढाका, एजेंसी।
भारत की मदद से वजूद में आनेवाले बांग्लादेश ने एक बार फिर उकसावे वाली हरकत की है। देश के प्रमुख नेता मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी को उपहार में किताब दी है, जिसमें बांग्लादेश का विवादित नक्शा भी शामिल है।

इस नक्शे में बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम और अन्य उत्तरपूर्वी राज्यों को ग्रेटर बांग्लादेश के हिस्से के तौर पर दर्शाया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यूनुस ने ये उपहार पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ढाका में दिया। मिर्जा को पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर का उत्तराधिकारी माना जाता है। यूनुस ने अपने आधिकारिक एक्स एकाउंट पर मिर्जा के साथ कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं। इस तस्वीर में एक किताब नजर आ रही है, जिस पर आर्ट आफ ट्रायंफः बांग्लादेशज न्यू डान, लिखा हुआ है। इस किताब में 2024 में छात्र आंदोलन की शुरुआत से लेकर शेख हसीना सरकार को हटाने तक की तस्वीरें शामिल की गई हैं। हालांकि, मामले में विवाद केवल नक्शे की वजह से है। इसमें ग्रेटर बांग्लादेश की अवधारणा को दर्शाया गया है।

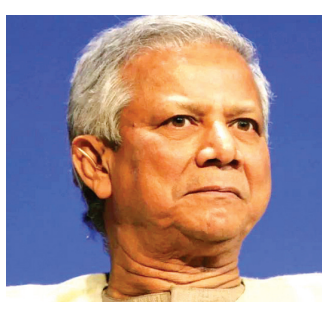

इस अवधारणा को ढाका आधारित इस्लामिक कट्टरपंथी, संगठन सल्तनत ए बांग्ला के दिमाग की उपज माना जा रहा है। इस नक्शे में भारत के समूचे उत्तरपूर्वी हिस्से को ही बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया है। साथ ही म्यांमार के अराकान राज्य को भी इसमें शामिल दिखाया गया है। अब तक 12 देशों के नेताओं को दी गई ये किताब बांग्लादेश के नेता पहले भी इस किताब को उपहार के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। सितंबर 2024 में यूनुस ने तब के कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो को यह किताब गिफ्ट की थी। इस किताब को गिफ्ट में देना एक राजनीतिक और कूटनीतिक संकेत माना जाता है।

ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक यह किताब अब तक 12 से ज्यादा विदेशी नेताओं और अधिकारियों को गिफ्ट की जा चुकी है। इनमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी, ब्राजील के पीएम लूला डा सिल्वा और पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जैसे बड़े नाम शामिल हैं।2024 से हो रही नक्शे के जरिये उकसावे की कार्रवाई बताया जाता है कि इससे पहले ये विवादित नक्शा 2024 में यूनुस के करीबी नहीदुल इस्लाम ने साझा किया था।

इसके बाद इस साल अप्रैल में ढाका विश्वविद्यालय में बंगाली नववर्ष, पोहेला बैशाख, के मौके पर एक प्रदर्शनी में इस नक्शे को देखा गया था। इस मुद्दे को कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अगस्त में राज्यसभा में उठाया था। अप्रैल में अपने चीन दौरे पर मोहम्मद यूनुस ढाका को इस क्षेत्र का एकमात्र सामुद्रिक संरक्षक बताकर विवाद खड़ा किया था। उन्होंने आगे कहा था कि भारत के उत्तरपूर्वी सात राज्य पूरी तरह बांग्लादेश से घिरे हुए हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।

चापलूसी में आपको ही मिलेगा गोल्ड मेडल, पूर्व पाक राजदूत ने शहबाज शरीफ को सुनाया

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पूर्व पाकिस्तानी राजदूत हुसैन हक्कानी ने सोमवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर करारा तंज कसा। इसकी वजह थी शरीफ का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की एक बार फिर खुलकर तारीफ करना।

शरीफ ने ट्रंप को वैश्विक शांति का नायक बताते हुए उनकी भूमिका की सराहना की। इसपर हक्कानी ने चापलूसी करने का आरोप लगाते हुए तंज किया है। दरअसल शहबाज शरीफ ने अपनी आधिकारिक एक्स पोस्ट में ट्रंप को धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा कि ट्रंप ने कंबोडिया और थाईलैंड के बीच शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही कुआलालंपुर समझौते, गाजा शांति योजना और मध्य पूर्व व दक्षिण एशिया में स्थिरता लाने के लिए उनकी कोशिशों की तारीफ की है। शरीफ ने कहा कि ट्रंप के प्रयासों से दुनिया भर में लाखों जानें बचीं। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में शरीफ ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित भी किया था। हुसैन हक्कानी ने शरीफ की इस पोस्ट पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ट्रंप को चापलूसी करने की ओलंपिक स्पर्धा में अभी भी स्वर्ण पदक की रेस में सबसे आगे हैं। इस टिप्पणी पर भारत के कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी हक्कानी की इस पोस्ट को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर किया।

पूर्वोत्तर राज्यों में साजिश रच रहा हाफिज सईद

करीबी ने डाला बांग्लादेश में डेरा; भारतीय सीमा पर एक्टिव

ढाका, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा संस्थापक और 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता हाफिज सईद का करीबी सहयोगी इब्तिसाम इलाही जहीर इन दिनों बांग्लादेश में बेहद सक्रिय है। सूत्रों के अनुसार, वह देश के कई संवेदनशील सीमावर्ती जिलों में जाकर भड़काऊ भाषण दे रहा है और कट्टरपंथी तत्वों से संपर्क स्थापित कर रहा है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, जहीर पाकिस्तान की मरकजी जमीयत अहले हदीस का महासचिव है। वह 25 अक्टूबर को ढाका पहुंचा। उसके बाद उसने राजशाही और चपाइनवाबगंज जैसे भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों का दौरा किया। इस सप्ताह वह रंगपुर जाने वाला है। यह जहीर की इस साल की दूसरी बांग्लादेश यात्रा है। फरवरी 2025 में भी वह एक हफ्ते से अधिक समय तक वहीं रहा था। भारत की सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जहीर की इस बार की यात्रा का एजेंडा बेहद चिंताजनक है। उसकी यात्रा में कई सीमावर्ती जिले शामिल हैं- रंगपुर, लालमोनिरहाट, नीलफामारी, जॉयपुरहाट और नागांव जहां वह स्थानीय धार्मिक समूहों से मिल रहा है। वह 6-7 नवंबर को राजशाही के पाबा उपजिला के डांगीपारा में होने वाले बड़े सलफी सम्मेलन में हिस्सा लेने वाला है। जहीर 8 नवंबर को पाकिस्तान लौटेगा। एक वीडियो में, जहीर को चपाइनवाबगंज में एक धार्मिक सभा के दौरान यह कहते सुना गया, इस्लाम के लिए खुद को और अपने बच्चों को कुर्बान करने के लिए तैयार रहोज पाकिस्तान से बांग्लादेश तक सभी मुसलमान सेक्युलर ताकतों के खिलाफ एकजुट होंगे। उसने आगे कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा, कश्मीरियों को उनकी आजादी से वंचित किया जा रहा है। पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वह कश्मीर में हो रहे अन्याय के खिलाफ मजबूत आवाज उठाए। अल्लाह की कृपा से वह दिन आएगा जब कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में अंतरिम शासन चल रहा है, जिसकी अगुवाई अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अंतरिम शासन के दौरान चरमपंथी नेटवर्क को नई जगह और खुली गतिविधि का मौका मिला है, जिन्हें पहले हसीना सरकार ने कड़े नियंत्रण में रखा था। जहीर की यात्राओं और उसके भाषणों को इसी पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। इब्तिसाम इलाही जहीर न केवल हाफिज सईद का भरोसेमंद सहयोगी है, बल्कि वह भारतीय भगोड़े और कट्टरपंथी प्रचारक जाकिर नाइक के भी संपर्क में है। दोनों की मुलाकात अक्टूबर 2024 में पाकिस्तान में हुई थी। 24 वर्षों से हाफिज सईद, उसके साले अब्दुल रहमान मक्की (जो अब मारा जा चुका है),।

आइवरी कोस्ट के राष्ट्रपति अलासाने औटारा चौथी बार चुने गए, शुरुआती नतीजों में 89.7 प्रतिशत वोट से जीत

यामौसूकरो , एजेंसी। आइवरी कोस्ट के राष्ट्रपति अलासाने औटारा को चौथी बार देश का राष्ट्रपति चुना गया है। शुरुआती नतीजों के अनुसार, 83 वर्षीय औटारा को 89.7 प्रतिशत वोट मिले हैं। रविवार को हुए चुनाव में मतदाता उपस्थिति कम रही और अबीजान की सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला। औटारा वर्ष 2011 से सत्ता में हैं और उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। हालांकि, विपक्ष ने उन पर सत्ता पर पकड़ मजबूत करने और लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाए हैं। इस चुनाव में उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया गया था, जिससे औटारा की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। अंतिम नतीजे नवंबर की शुरुआत तक घोषित किए जा सकते हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की चीनी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इस दौरान वांग ने कहा, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच लंबे समय से आदान-प्रदान और एक-दूसरे का सम्मान है। मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने शी और ट्रंप के संबंधों को चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे मूल्यवान रणनीतिक संपत्ति बताया। यह बातचीत बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन के दौरान शी और ट्रंप के बीच होने वाली संभावित बैठक से पहले हुई। सोमवार की बातचीत के बारे में चीन की ओर से जारी बयान में सीधे तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की गई कि दोनों मिलेंगे, लेकिन व्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि वे मिलेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि रुबियो और वांग ने दोनों देशों के नेताओं के बीच अमेरिका-चीन संबंधों के महत्व और आगामी बैठक पर चर्चा की, हालांकि उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। दोनों देशों के वार्ताकारों ने सप्ताहांत में मलेशिया में मुलाकात की।

New page 7_page 12 29.05.2025.qxd 28-10-2025 21:15 Page 1

छठव्रतियों सहित श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

उपायुक्त एवं एसपी भी सपरिवार अर्घ्य देने पहुंचे घाट पर

उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले में लोकआस्था का महा पर्व छठ बड़े ही श्रद्धा व भक्तिभाव से मनाया गया। जिले नदी तालाबों के किनारे सुसज्जित घाटों पर छठ व्रतियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी एवं उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। जिले के उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह सपरिवार घाटों पर पहुंचे और भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। अधिकारीद्वय ने छठी मईया से जिले वासियों के सुख समृद्धि की कामना भी की।

साथ ही उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक सपरिवार सेक्टर-04 एफ स्थित सूर्य मंदिर सरोवर छठ घाट सहित कैंप टू गार्डेन एवं जगन्नाथ मंदिर छठ घाट पर पहुंचे और छठ महापर्व की भव्य छटा देखी।

प्रशासन और समाज के लोगों को एक साथ श्रद्धा में लीन देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह और गर्व की

भावना झलक उठी। सरोवर और अन्य घाटों के जल में झिलमिलाते दीपों की लौ तथा भक्ति संगीत के सुरों ने वातावरण को भक्ति, आस्था और सौहार्द से भर दिया।

इस अवसर पर डीसी अजय नाथ झा ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, संयम और स्वच्छता का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है।

उपायुक्त ने कहा कि सूर्य हमें न केवल प्रकाश देता है, बल्कि परिश्रम, अनुशासन और निरंतरता का भी संदेश देता है। जिस तरह सूर्य हर दिन बिना थके उगता है, उसी भावना से हमें भी अपने जिले की प्रगति के लिए कार्य करना है।

वहीं,पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने कहा कि सूर्य उपासना से जीवन में प्रकाश और सकारात्मकता आती है। यह पर्व समाज को एकजुट करता है।

उधर, पूरे जिले में छठ महापर्व को लेकर छठव्रतियों - श्रद्धालुओं में अपार उत्साह रहा। सभी घाटों पर प्रशासन द्वारा सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। नगर निगम, नगर परिषद, स्थानीय प्रशासन एवं जिला प्रशासन की टीमों ने मिलकर साफ-सफाई और प्रकाश की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की थी।

दो घरों से लाखों के जेवरात ले उड़े चोर

धनबाद। छठ पूजा के अवसर पर जिस वक्त लोग उदयीमान सूर्य को अर्घ्य दे रहे थे, ठीक उसी वक्त चोर अपनी कारस्तानी में लगे थे। मामला बोरागढ़ ओपी क्षेत्र का है। मंगलवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब श्रद्धालु अर्घ्य देने घाट गए थे और इसी बीच चोरों ने इलाके के दो घरों को निशाना बना लिया। चोरों ने बंद पड़े घरों के ताले को तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। पहली घटना बोरागढ़ निवासी प्रवीण कुमार सिंह के घर की है। उनके अनुसार, जब परिवार के सभी सदस्य छठ घाट पर अर्घ्य देने गए थे, तभी चोरों ने घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारी में रखे लगभग एक लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। दूसरी घटना अमरजीत सिंह के घर की बताई जा रही है। उनके घर से चोरों ने ताला तोड़कर करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य के आभूषण उड़ा लिया। पूजा संपन्न होने के बाद जब परिवार के सदस्य घर लौटे तो दरवाजे खुले और सामान बिखरे मिले। तुरंत इसकी सूचना बोरागढ़ पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घटनास्थलों का निरीक्षण किया।

प्रमुख छठ घाटों पर मुस्तैद रहे गोताखोरों की टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर लोगों की सुरक्षा के लिए जिले के छठ घाटों पर धनबाद वासियों ने पहली बार जिला प्रशासन की ऐसी व्यवस्था देखी। जिसमें जिले के प्रमुख छठ घाटों में जहां गोताखोर की टीम मुस्तैद रही, वहीं हर घाट पर मेडिकल टीम भी मौजूद रही। जिला नियंत्रण कक्ष के अलावा सभी अंचल एवं प्रखंड में क्विक रिस्पांस टीम एक्टिव रही। छठ व्रतियों की सुरक्षा के लिए छठ घाटों पर गहरे पानी से पहले बैरिकेडिंग की गई।

लोक आस्था के महापर्व के अवसर पर छठ व्रतियों की सुरक्षा के लिए बेकारबांध के राजेंद्र सरोवर में 6, लोको टैंक में 3, खोखन तालाब 3, मनईटांड छठ तालाब 3, रानी बांध धैया 3, झरिया के राजा तालाब में 5, बिग बाजार के सामने सुगियाडीह तालाब 3, खुदिया नदी गोविंदपुर 1, छठ तालाब गोविंदपुर 2, विलेज रोड बड़ा तालाब गोविंदपुर 1, बड़ा जमुआ देवी मंडप के पास छठ तालाब 2, रानी तालाब पोद्दारडीह 3, पंचेत डैम के नीचे एमएच छठ घाट 1, खुदिया नदी छठ घाट दलदली 1, गोगना छठ घाट मैथन 6, राजा तालाब हरिहरपुर 6, सुंदर तालाब तथा नील कोठी तालाब पुटकी 4, लाल बंगला छठ घाट डूंगरी झरिया 5 एवं मोहलबनी छठ घाट में 5 सहित अन्य महत्वपूर्ण छठ घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की गई है।

छठ पूजा के अवसर पर 27 अक्टूबर को सुबह 10:00 बजे से 28 अक्टूबर को छठ पर्व की समाप्ति तक कार्यपालक दंडाधिकारी श्री रवींद्रनाथ ठाकुर एवं कार्यपालक दंडाधिकारी श्री लाल बालकिशोर नाथ शाहदेव के नतृत्व में जिला कंट्रोल रूम कार्यरत है। जिला कंट्रोल रूम का फोन नंबर 0326 - 2311217 तथा 0326 - 2311807 है। वहीं धनबाद, झरिया, पुटकी, गोविंदपुर, बलियापुर, निरसा, एगारकुंड, कलियासोल, तोपचांची, बाघमारा, टुंडी एवं पूर्वी टुंडी में क्विक रिस्पोंस टीम एक्टिव है। जबकि धनबाद नगर निगम के कतरास, छाताटांड, धनबाद, झरिया, सिंदरी, बाघमारा अंचल तथा एगारकुंड, कलियासोल, पुटकी, तोपचांची, बलियापुर, निरसा, टुंडी, पूर्वी टुंडी, धनबाद, गोविंदपुर एवं चिरकुंडा नगर परिषद के महत्वपूर्ण तालाब व नदी किनारे स्थित छठ घाटों के लिए पदाधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मी प्रतिनियुक्त है।

छठ पर्व के अवसर पर सिविल सर्जन ने धनबाद अनुमण्डल क्षेत्र अन्तर्गत सभी अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक, पारा मेडिकल टीम तथा एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की है। साथ-साथ एगारकुंड, चिरकुंडा, रानी बांध पोद्दारडीह, टुंडी, तेतुलमारी, राजगंज सहित अन्य क्षेत्रों के छठ घाट पर मेडिकल टीम भी मौजूद है। धनबाद, झरिया तथा सिन्दरी के अग्निशमन पदाधिकारी अलर्ट मोड में है। उपायुक्त ने जिला प्रशासन की ओर से समस्त जिले वासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025 की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। इस वर्ष 27 अक्टूबर से 02 नवंबर तक की अवधि सतर्कता जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाई जा रही है। इस पृष्ठभूमि में बीएसएल के इस्पात भवन में आज अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उदघाटन किया।

इस अवसर पर अधिशासी निदेशक(माइंस) विकास मनवटी , अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ) अनीष सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनुप कुमार दत्त, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ बी बी करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, ज्ञानेश झा सहित मुख्य महाप्रबंधकगण एवं वरीय अधिशासी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारम्भ पर सरदार वल्लभभाई पटेल को बीएसएल के वरीय अधिकारियों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किया गया। तदुपरांत कार्यक्रम में उपस्थित सभी को अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ज्ञानेश झा ने उपस्थित समूह को सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर सतर्कता विभाग के तत्वावधान में पूर्व में

आयोजित तथा होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह के दौरान भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, इस्पात मंत्री और सीवीसी के संदेश को पढ़ा गया।

अधिशासी निदेशक(मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने अपने संबोधन में सभी को व्यावसायिक शिष्टाचार, कामकाज में नैतिकता और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को अपनाने का सन्देश दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समापन पर धन्यवाद ज्ञापन चित्रा पराशर, वरीय प्रबंधक (सतर्कता) ने किया।

छात्राओं ने बढ़ाया झारखंड का मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। नृत्य, संगीत सहित कला की विभिन्न विधाओं में बच्चों की प्रतिभा निखारने की दिशा में दशकों से प्रयासरत बोकारो की प्रतिष्ठित संस्था त्रिसप्तिका की टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए बोकारो एवं पूरे प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है।

मथुरा, वृंदावन (उत्तर प्रदेश) के बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में श्री नृत्यांजलि नामक संगठन की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्री कृष्ण कला महोत्सव में त्रिसप्तिका की नृत्य प्रशिक्षु छात्राओं ने अलग-अलग कैटेगरी में प्रथम व द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए। टीम में कुल 10 बालिका प्रतिभागी शामिल थीं, जिन्होंने पांच प्रथम पुरस्कार व चार द्वितीय पुरस्कार अर्जित किए।

जूनियर वर्ग की कत्थक स्पर्धा में शगुन, श्वेता एवं हिया बनर्जी तथा कविता पाठ में प्रत्यक्षा सिंह को प्रथम पुरस्कार मिला। हिया बनर्जी ने रविंद्र नृत्य में भी पहला स्थान प्राप्त किया। प्रत्यक्षा सिंह और अहिम्सा किरण दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं,सब-जूनियर वर्ग में आराध्या राज और रितिशा चक्रवर्ती को द्वितीय पुरस्कार मिला।

डीवीसी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंद्रपुरा (बोकारो)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के प्रबंधन और सतर्कता विभाग द्वारा मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के तहत यहां के सम्मेलन कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ, देवघर के प्रधानाचार्य दिव्य सुधानंद महाराज ने कहा कि लोगों को आध्यात्मिक बनने से ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों के संबोधन में स्वामी विवेकानंद के जीवन शैली पर प्रकाश डाला और कहा कि लोगों को इनके मार्गदर्शन से ही भारत देश एक दिन विश्व गुरु बनकर रहेगा।

समारोह के संबोधन में वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान विजया नन्द शर्मा ने महाराज के वक्तव्य की प्रशंसा की और कहा कि इन्होंने सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम मे स्वामी विवेकानंद के मार्गदर्शन और विज्ञान को समावेश कर इस कार्यक्रम को काफी रोचक बना दिया इससे हम सभी को सीख लेने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक परिचालन एवं अनुरक्षण अभिजीत घोष, डॉ. पीके घोष, आर पी सिंह , सत्येंद्र कुमार , मोहम्मद इम्तियाज , कंचन स्मिता टोप्पो, मोहम्मद गोलाम, एस के दलाई , पवन

कुमार, जयदीप चटर्जी , सौरभ कुमार, अक्षय कुमार , सुमन कुमार आदि उपस्थित थे । समारोह का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक और परियोजना सतर्कता अधिकारी अभिशेक घोष ने किया।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निदेर्शों के अनुसार - ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और नैतिकता को बढ़ावा देने के 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक जाने वाले इस कार्यक्रम मे ऑफिसर्स क्लब, में बीते कल शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। संगठन और नागरिकों के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञाएँ वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं एवं परियोजना पधान विजया नंद शर्मा द्वारा हिंदी में और वरिष्ठ महाप्रबंधक (ओ एंड एम) अभिजीत घोष द्वारा अंग्रेजी में पढ़ी गईं।

डीवीसी के अधिकारी एवं कर्मचारी, उप कमांडेंट सहित सीआईएसएफ के कर्मचारी, कुछ ठेकेदार एवं संविदा कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपमा प्रबंधक अमित सिन्हा , अजय सतीश टोप्पो - वरिष्ठ प्रबंधक (एम), बिनय कृष्ण दास - वरिष्ठ प्रबंधक (एम), सौर्य कुमार दलाई - वरिष्ठ प्रबंधक (सी एंड आई), संजीव कुमार - वरिष्ठ प्रबंधक (एम), राजेश्वर प्रसाद सिंह - वरिष्ठ प्रबंधक (एम), मनीष कुमार - वरिष्ठ प्रबंधक (एम), दीपंकर मंडल - वरिष्ठ प्रबंधक (ई), जयदीप चटर्जी - वरिष्ठ प्रबंधक (रसायनज्ञ), पवन कुमार - प्रबंधक (एम), संजीत कुमार - प्रबंधक (एम), अघना दत्त - प्रबंधक (एम), ओमैर - प्रबंधक (सी), तापस मंडल - प्रबंधक (रसायनज्ञ) उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (एम) एवं परियोजना सतर्कता अधिकारी ने किया।

आइआरबी जवान की हत्या से लोगों में उबाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सोमवार की देर रात चास थाना क्षेत्र के आदर्श कॉलोनी स्थित गायघाट के छठ घाट में गिरिडीह में तैनात आईआरबी जवान अजय यादव उर्फ सोनू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी ।आरोपी बलराम तिवारी और उसके एक सहयोगी ने पांच राउंड फायरिंग जवान के ऊपर की थी। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। जवान की हत्या से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने चास बोकारो मुख्य सड़क को जाम कर दिया। परिजन और स्थानीय लोग आरोपी हत्यारों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे। लोग पुलिस की कार्यशैली से भी नाराज है। बताया गया है कि आरोपी बलराम तिवारी ने पूर्व में भी पुलिस पर चाकू से हमला किया था। उसे जेल भी भेजा गया था। लोगों का आरोप है कि कल भी पुलिस ने घाट पर आरोपी को देखा था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। लोगों का आरोप है कि पुलिस के सामने अजय यादव को गोली मारी गई है। पिता लक्ष्मी नारायण यादव ने बताया कि किसी ने फोन कर उसे बुलाया था। आरोपी से मेरे पुत्र का कोई विवाद नहीं था। लेकिन उसे गोली मार दी गई। इस कारण उसकी मौत हो गई। आज सुबह ही वह अपने ड्यूटी पर जाने वाला था।

उपायुक्त ने किया एसएनएमएमसीएच के ब्लड बैंक का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। उन्होंने ब्लड बैंक में लगी सभी मशीनों और उपकरणों की बारीकी से जाँच की। निरीक्षण के बाद उन्होंने मीडिया को बताया कि यह निरीक्षण राज्य स्तर से चल रही निगरानी (मॉनिटरिंग) की एक कड़ी है। साथ ही बताया कि मेडिकल कॉलेज के ब्लड स्टोरेज मशीनें उत्कृष्ट राज्य स्तरीय हैं, लेकिन वर्षों से लगातार उपयोग में होने के कारण उनमें आई छोटी-मोटी तकनीकी खराबी का मूल्यांकन कर उसको शीघ्र ठीक करने का निर्देश दिया है। उन्होंने ब्लड स्टोरेज और रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया में सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कई

महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए। कहा कि जिले में चल रहे सभी ब्लड यूनिटों का व्यापक आकलन किया जाएगा और आकलन के दौरान पाई गई कमियों को यदि जिला स्तर पर ठीक किया जा सकता है, तो उन्हें तुरंत ठीक किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि रक्तदान से पहले शुरूआती काउंसलिंग से लेकर जाँच प्रक्रिया तक, हर चरण की गहन जाँच की जाएगी। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि रक्त को स्टोरेज के लिए रखने से पहले उसमें किसी भी संक्रामक बीमारी की जाँच अनिवार्य रूप से हो। वहीं रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए उपायुक्त ने कहा कि धनबाद में जल्द ही उपकरणों और सुविधाओं से सुसज्जित एक मोबाइल ब्लड डोनेशन वैन की व्यवस्था की जाएगी। यह एक बड़ी गाड़ी होगी, जिसमें गाड़ी के अंदर ही रक्तदान करने की पूरी सुविधा उपलब्ध होगी। इस चलते-फिरते वैन के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर रक्त संग्रह करना आसान होगा। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त ने कहा कि ब्लड डोनेशन कैंपों की निगरानी स्वास्थ्य विभाग द्वारा अति आवश्यक है। साथ ही सभी निजी अस्पतालों को भी नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कहा कि सरकार का निर्देश है कि ब्लड डोनेशन कैंप नियमानुसार ही लगेंगे ताकि कोई अप्रिय घटना न हो और जीवन से जुड़ा यह काम व्यापार न बन जाए निरीक्षण के दौरान उपायुक्त के साथ अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक सह प्रभारी प्राचार्य डॉ डीके गिंदौरिया, ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ बीके पांडेय, वरीय अस्पताल प्रबंधक डॉ चंद्रशेखर सुमन, गायनी विभाग की एचओडी डॉ राजलक्ष्मी तुबीद व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

एसडीओ को एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

मामले जवान की हत्या का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने चास में सोमवार देर रात हुई घटना, जिसमें एक आइआरबी जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई, पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि जिले में अपराधिक या असामाजिक तत्वों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी गंभीरता से इस मामले की जांच कर रहा है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उपायुक्त ने मौके से ही एसडीओ चास को निर्देश दिया है कि वे एक सप्ताह के भीतर चास नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित सभी अपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों, अवैध अड्डों, ठिकानों एवं संभावित आपराधिक स्थलों की पहचान कर उन्हें ध्वस्त करें।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखना और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना बनाए रखना है। किसी भी परिस्थिति में असामाजिक तत्वों को सक्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

घटना के बाद मंगलवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों - समाजसेवियों ने उपायुक्त से भेंट की और घटना की जानकारी साझा की। प्रतिनिधियों में पूर्व विधायक बोकारो बिरंची नारायण, झामुमो के मंटू यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष जवाहर महथा, राजद के जिलाध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव समेत अन्य शामिल थे।

उपायुक्त ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर संभव कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चला रहा है, और जल्द ही पूरे मामले का पदार्फाश कर दोषियों को कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

डीसी ने विभिन्न ब्लड बैंक व सेंटरों का किया निरीक्षण

सभी ब्लड बैंक व सेंटर का ऑडिट कराकर प्रतिवेदन सौंपने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को डीसी अजय नाथ झा ने जिले में संचालित विभिन्न ब्लड बैंकों (सदर अस्पताल, रेड क्रास बोकारो, बोकारो जनरल अस्पताल एवं केएम मेमोरियल अस्पताल) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रक्त संग्रहण की प्रक्रिया, भंडारण क्षमता, रख-रखाव व्यवस्था, रक्त वितरण प्रणाली एवं सुरक्षा मानकों का बारीकी से अवलोकन किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से रक्त की गुणवत्ता जांच के मानकों, कोल्ड चेन व्यवस्था, रिकॉर्ड प्रबंधन तथा ब्लड डोनर रजिस्ट्रेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इसी क्रम में रेड क्रास में अव्यवस्था देख तत्काल प्रभाव से डा. मैथिली को रेड क्रास का प्रभारी प्रतिनियुक्त किया।

उधर, निरीक्षण के उपरांत डीसी अजय नाथ झा ने गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. ए. बी. प्रसाद, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डा. एन पी सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, विभिन्न अस्पतालों के प्रतिनिधि, रेड क्रॉस के सचिव एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीसी ने निर्देश दिया कि सभी ब्लड बैंक अपने कार्य में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि अगले 05 दिनों में जिले के सभी ब्लड बैंकों का ऑडिट कराया जाए तथा ऑडिट रिपोर्ट उनके कार्यालय एवं विभाग को समर्पित किया जाए।

रेड क्रॉस बोकारो को रक्तदान व्यवस्था को हाइटेक बनाने का निर्देश – एनएटी मशीन के अधिष्ठापन तक केवल ईएलआइएसए टेस्ट से हो रक्त जांच

निरीक्षण के दौरान डीसी ने रेड क्रॉस सोसाइटी, बोकारो को रक्त संग्रहण और वितरण प्रक्रिया को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम एवं आधुनिक बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस ब्लड बैंक/सेंटर एवं सदर अस्पताल में एनएटी मशीन का शीघ्र अधिष्ठापन किया जाए। इस मशीन के माध्यम से रक्त की जांच और अधिक सटीक एवं सुरक्षित हो सकेगी, जिससे संक्रमणजनित बीमारियों के खतरे को न्यूनतम किया जा सकेगा।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में रैपिड किट से रक्त की जांच नहीं की जाए। जब तक एनएटी मशीन का अधिष्ठापन नहीं होता, तब तक केवल

ईएलआइएसए पद्धति से ही रक्त की जांच की जाए, ताकि रक्त की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित रह सके।

डीसी ने निर्देश दिया कि जिले में संचालित सभी मान्यता प्राप्त निजी एवं सरकारी अस्पतालों की अद्यतन सूची तैयार कर प्रत्येक ब्लड बैंक में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित की जाए, ताकि आमजन के साथ ही साथ ब्लड बैंक कर्मियों को जानकारी मिल सके कि कौन-कौन से अस्पताल रक्तदान एवं रक्त प्राप्ति के लिए अधिकृत हैं।

साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल डोनरों की पहचान कर उनकी सूची भी तैयार कर ब्लड बैंकों/सेंटरों को रखने को कहा। ताकि, उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। इस कदम से रक्तदान प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनैतिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

डीसी ने सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद को यह भी निर्देश दिया कि जिले में सभी थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की अद्यतन सूची तैयार की जाए, तथा उन्हें नियमित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित ब्लड बैंकों को आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और इस दिशा में समन्वित कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए।

डीसी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि वे एक विशेष जांच टीम गठित करें, जो प्रत्येक सप्ताह जिले के किसी एक मान्यता प्राप्त अस्पताल या ब्लड बैंक का औचक निरीक्षण करें।

निरीक्षण में ब्लड बैंक की कार्यप्रणाली, रक्त की गुणवत्ता, स्टोरेज व्यवस्था और दाताओं के रिकॉर्ड, साफ - सफाई की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक निरीक्षण के उपरांत रिपोर्ट जिला प्रशासन को प्रस्तुत की जाए, ताकि समय पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

बैठक के अंत में डीसी ने कहा कि रक्तदान एक महान एवं मानवीय कार्य है, लेकिन इसके संचालन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में रक्त की कमी से किसी मरीज का उपचार प्रभावित नहीं होना चाहिए। साथ ही, किसी भी स्तर से कोई चूक - लापरवाही नहीं होनी चाहिए। किसी को भी रक्त चढ़ाने से पूर्व क्रास जांच जरूरी है, इसके लिए एक साधारण प्रपत्र सिविल सर्जन को जारी करने को कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com